रविवार
15 सितंबर 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



प्रतिष्ठित स्वामी ब्रह्मानंद पुरस्कार मिला प्रसिद्ध शिक्षक खार सर को

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आध्यात्मिक पीठों की स्थापना करने वाले ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ स्वरूप : मुख्यमंत्री योगी

- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बोले सीएम योगी
- सीएम ने कहा-दुर्भाग्य से ज्ञानवापी को मस्जिद कहते हैं कुछ लोग

एजेंसी/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के चारों कोनों में आध्यात्मिक पीठों की स्थापना करने वाले आदि शंकर की काशी में की गई साधना के समय भगवान विश्वनाथ द्वारा ली गई परीक्षा के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि दुर्भाग्य से आज जिस ज्ञानवापी को कुछ लोग मस्जिद कहते हैं वह ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ देव ही हैं। सीएम योगी शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। यह दो दिवसीय संगोष्ठी गोरखपुर विश्वविद्यालय और हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। दीक्षा भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एवं नाथपंथ की अध्यक्षीय पीठ, गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने संतों और ऋषियों की परंपरा को समाज और देश को जोड़ने वाली परंपरा बताते हुए आदि शंकर का विस्तार से उल्लेख किया। कहा कि केरल में जन्मे आदि शंकर ने देश के चारों कोनों में धर्म-अध्यात्म के लिए महत्वपूर्ण पीठों की स्थापना की। आदि शंकर जब अद्वैत ज्ञान से परिपूर्ण होकर काशी आए तो भगवान विश्वनाथ ने उनकी परीक्षा लेनी चाही। ब्रह्म मुहूर्त में जब आदि शंकर गंगा स्नान के लिए निकले तब भगवान विश्वनाथ एक अछूत के वेश में उनके सामने खड़े हो गए। आदि शंकर ने जब उनसे मार्ग से हटने को कहा तब उसी रूप में भगवान विश्वनाथ ने उनसे पूछा कि आप यदि अद्वैत ज्ञान से पूर्ण हैं तो आपको सिर्फ भौतिक काया नहीं देखनी चाहिए। यदि ब्रह्म सत्य है तो मुझमें भी वही ब्रह्म है जो आपमे है। हतप्रभ आदि शंकर ने जब अछूत बने भगवान का परिचय पूछा तो उन्होंने बताया कि मैं वही हूं, जिस ज्ञानवापी की साधना के लिए वह (आदि शंकर) काशी आए हैं।



सदैव जोड़ने वाली रही है ऋषि-संतों की परंपरा

सीएम योगी ने कहा कि भारतीय ऋषियों-संतों की परंपरा सदैव जोड़ने वाली रही है। इस संत-ऋषि परंपरा ने प्राचीन काल से ही समतामूलक और समरस समाज को महत्व दिया है। हमारे संत-ऋषि इस बात ओर जोर देते हैं भौतिक अस्पृश्यता साधना के साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए बाधक है। मुख्यमंत्री ने कहा, अस्पृश्यता को दूर करने पर ध्यान दिया गया होता तो देश कभी गुलाम नहीं होता। संत परंपरा ने समाज में छुआछूत और अस्पृश्यता को कभी महत्व नहीं दिया। यही नाथपंथ की भी परंपरा है। नाथपंथ ने हरेक जाति, मत, मजहब, क्षेत्र को सम्मान दिया। सबको जोड़ने का प्रयास किया।

देश को जोड़ने की व्यावहारिक भाषा है हिन्दी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी लोगों को राजभाषा हिंदी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हिन्दी देश को जोड़ने की एक व्यावहारिक भाषा है। इसका मूल देववाणी संस्कृत है। मुख्यमंत्री ने भारतेंदु हरिश्चंद्र के ह्यनिज भाषा उन्नतिह्न वाले उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतेंदु हरिश्चंद्र का भाषा के प्रति यह भाव आज भी आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि यदि भाव और भाषा खुद की नहीं होगी तो हर स्तर पर प्रगति बाधित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश को जोड़ने के लिए हिन्दी को जिस रूप में देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है, वह अभिनंदनीय है। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहा कि नाथपंथ सर्वसमाज के कल्याण का चिंतन पुंज है। यह ऐसा पंथ है जो सर्वसमाज के लिए है। और सर्वसमाज का है। सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय ही इसका ध्येय है। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि नाथपंथ की व्याप्ति पूरे देश में है। यह सर्वाग्रही पंथ है। नाथपंथ का आभिर्भाव किसी आंदोलन से नहीं हुआ है।

देश ही नहीं, विदेशों में भी है हैं नाथपंथ की परंपरा के अमिट चिह्न

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नाथपंथ की परंपरा के अमिट चिह्न सिर्फ देश के हर कोने में ही नहीं हैं बल्कि विदेशों में भी हैं। उन्होंने अयोध्या में गत दिनों तमिलनाडु के एक प्रमुख संत से हुई मुलाकात का उल्लेख करते हुए बताया कि उक्त संत से उन्हें तमिलनाडु के सुदूर क्षेत्रों की नाथपंथ की पांडुलिपियां प्राप्त हुई हैं। यहां गोरखनाथ जी से जुड़े अनेक साधना स्थल और नाथपंथ की परंपराएं आज भी विद्यमान हैं। कर्नाटक की परंपरा में जिस मंजूनाथ का उल्लेख आता है, वह मंजूनाथ गोरखनाथ जी ही हैं। महाराष्ट्र में संत ज्ञानेश्वर दास की परंपरा भी मत्स्येंद्रनाथ जी, गोरखनाथ जी और निवृत्तिनाथ जी की कड़ी है। महाराष्ट्र में रामचरितमानस की तर्ज पर नवनाथों की पाठ की परंपरा है। पंजाब, सिंध, त्रिपुरा, असम, बंगाल आदि राज्यो के साथ ही समूचे वृहत्तर भारत और नेपाल, बांग्लादेश, तिब्बत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान समेत अनेक देशों में नाथपंथ का विस्तार देखने को मिलेगा।

पश्चिम बंगाल में हड़ताल कर रहे डॉक्टरों और सीएम ममता के बीच बैठक दूसरी बार फेल

लाइव स्ट्रीमिंग की मांग पर अड़े रहे डॉक्टर ममता बोलीं-नहीं कर सकते मेरा अपमान

- आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में जूनियर डॉक्टर से रेप और मर्डर के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं

केटी न्यूज/पटना

पश्चिम बंगाल में हड़ताल कर रहे डॉक्टरों और सीएम ममता बनर्जी के बीच बैठक दूसरी बार फेल हो गई। ये डॉक्टर आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में जूनियर डॉक्टर से रेप और मर्डर के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने डॉक्टरों की बैठक बुलाई थी। ममता बनर्जी इंतजार करती रहीं और डॉक्टर नहीं पहुंचे। आंदोलन कर रहे डॉक्टरों ने शनिवार को पश्चिम बंगाल सरकार को ईमेल भेजकर बैठक बुलाने की मांग की थी। इसके बाद ममता सरकार की ओर से 6 बजे बैठक का समय दिया गया था। इसके बाद जूनियर डॉक्टरों का समूह बैठक के लिए सीएम आवास पहुंचा। लेकिन बैठक की लाइव स्ट्रीमिंग को लेकर बैठक शुरू नहीं हो सकी। डॉक्टरों की मांग है कि बैठक की लाइव स्ट्रीमिंग की जाए। जबकि ममता बनर्जी ने कहा कि मामला कोर्ट में है, इसलिए बैठक की लाइव स्ट्रीमिंग नहीं कर सकते। डॉक्टरों ने सीएम को लिखे एक ईमेल में लिखा था कि वे पिछले 35 दिनों से आंदोलनरत हैं और अपनी पांच मांगों के लिए सड़कों पर उतरे हैं। वेस्ट बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट ने सरकार से बातचीत को लेकर चार शर्तें रखी हैं। उनकी अव्वल मांग थी कि आंदोलन में 26 प्रतिनिधियों की जगह उनकी संख्या बढ़ाकर 30 कर दी जाए। हालांकि डिलीगेशन में कितने लोग हैं इसकी जानकारी साफ नहीं है। इसके अलावा शर्त है कि बैठक में शामिल होने के बाद डॉक्टरों पर काम पर लौटने का दबाव नहीं बनाया जाएगा। वहीं तीसरी मांग है कि बैठक का लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा और आखिरी मांग है कि सरकार के साथ बातचीत सिर्फ उन पांच मांगों पर केंद्रित रहेगी।

डॉक्टरों को मनाने में जुटी सीएम ममता बनर्जी



ममता बनर्जी ने डॉक्टरों को मनाने की कोशिश की। ममता ने कहा कि हम कई दिनों से इस गतिरोध को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, कृपया बातचीत करिए। डॉक्टर जब अपनी मांग पर अड़े रहे तो ममता बनर्जी ने कहा कि आप इस तरह मेरा अपमान नहीं कर सकते। डॉक्टरों ने पश्चिम बंगाल सरकार को ईमेल भेजकर बैठक के लिए समय मांगा। इसमें डॉक्टरों ने अपनी मांगों को भी रखा। पश्चिम बंगाल सरकार ने सीएम आवास पर शाम 6 बजे मीटिंग का समय तय किया।आंदोलन कर रहे जूनियर डॉक्टरों का एक समूह बैठक के लिए सीएम आवास पहुंचा। डॉक्टरों ने बैठक की लाइव स्ट्रीमिंग की मांग रखी। ममता बनर्जी ने बिना लाइव स्ट्रीमिंग बैठक की बात कही।

आरोपी ने कॉल कर बुलाया गया था लेडी डॉक्टर को

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में सीबीआई ने महत्वपूर्ण खुलासा किया है। जांच एजेंसी ने बताया कि वारदात की रात मुख्य आरोपी संजय रॉय, जो कि कोलकाता पुलिस का सिविक वालंटियर है, को किसी ने फोन करके अस्पताल में बुलाया था। सीबीआई की जांच में संजय रॉय के मोबाइल फोन की कॉल लिस्ट में पता चला है कि वारदात की रात और सुबह के समय उसने कई बार फोन पर बात की थी। अब सीबीआई उस व्यक्ति का नाम और पता खोज रही है जिसने संजय रॉय को फोन किया था। संजय रॉय के दांतों के निशान लिए गए सीबीआई ने संजय रॉय के दांतों के निशान लिए। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि मृतका के शरीर पर दांतों के काटने के निशान मिले थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इन निशानों का उल्लेख किया गया था। अब सीबीआई इन निशानों का मिलान संजय रॉय के दांतों के निशानों से करेगी, ताकि यह पुष्टि की जा सके।

एमपी में कुएं में रस्सी से लटका मिला एक बच्ची और तीन महिलाओं का शव

केटी न्यूज/सागर

मध्य प्रदेश के सागर जिले में शनिवार सुबह एक ही परिवार की तीन महिलाएं और एक बच्ची कुएं में मृत मिली। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों में से दो बहनें कुएं के अंदर रस्सियों से लटकी पाई गईं और यह रस्सी पास के लकड़ी के खंभे से बंधी थी। उन्होंने कहा कि लड़कियों की एक बहन और मां का शव पानी में उतराता मिला। उन्होंने बताया कि देवरी पुलिस थाना क्षेत्र के अतंर्गत एक स्थान पर यह घटना हुई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सिन्हा ने बताया कि कल रात खाना खाने के बाद परिवार के सभी सदस्य सोने चले गए। जब मृतक महिलाओं में से एक का पति उठा तो उसने उसे वहां नहीं पाया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति ने पत्नी को तलाश किया तो उसे कुएं के अंदर रस्सी से लटका पाया। सिन्हा ने बताया कि कुल तीन महिलाएं और एक बच्ची मृत पाई गई है और कुएं से उनके शव बाहर निकाल लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले के सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। राज्य आपदा आपात प्रतिक्रिया बल के एक अधिकारी ने बताया कि एजेंसी को कुएं में शवों के होने की सूचना सुबह में मिली। उन्होंने कहा कि मौके पर पहुंची एसडीईआरएफ की टीम ने दो शवों को रस्सी से लटका हुआ जबकि एक अन्य महिला का शव कुएं में उतराता हुआ पाया। उन्होंने कहा कि छह साल की एक बच्ची का शव भी पानी में उतराता मिला। पुलिस सूत्रों के अनुसार,घटना में दो बहनों और उनमें से एक की बच्ची तथा उनकी मां की मौत हो गई है। दोनों महिलाओं ने दो भाइयों से शादी की थी। इस अजीबों गरीब घटना के पीछे क्या रहस्य छुपा है पता नहीं चल पाया है।

42 करोड़ की लागत से बना ब्रिज 5 साल भी नहीं चला

गुजरात। अहमदाबाद में स्थित हाटकेश्वर ब्रिज को तोड़ने का काम अगले 15 दिनों में शुरू हो जाएगा। इस ब्रिज को तोड़ने में 52 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। हाटकेश्वर ब्रिज का निर्माण 2017 में 42 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था, लेकिन मात्र 5 साल के भीतर ही यह ब्रिज जर्जर हो गया।

हिन्दू विवाह को अनुबंध की तरह भंग नहीं किया जा सकता : हाई कोर्ट

केटी न्यूज/प्रयागराज

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि एक हिन्दू विवाह को अनुबंध की तरह भंग नहीं किया जा सकता। शास्त्र सम्मत विधि आधारित हिंदू विवाह को सीमित परिस्थितियों में ही भंग किया जा सकता है और वह भी संबंधित पक्षों द्वारा पेश साक्ष्यों के आधार पर। न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति दोनाडी रमेश की पीठ ने विवाह को भंग किए जाने के खिलाफ एक महिला की अपील स्वीकार करते हुए कहा कि पारस्परिक सहमति के बल पर तलाक मंजूर करते समय भी निचली अदालत को तभी विवाह भंग करना चाहिए था जब आदेश पारित करने की तिथि को वह पारस्परिक सहमति बनी रही।

तीन मंजिला मकान गिरा, मलबे में 15 लोग-दर्जनों मवेशी दबे, एक की मौत

एजेंसी/मेरठ

पिछले कई दिनों से लगातार पड़ रही बारिश के दौरान शनिवार को मेरठ के लोहिया नगर क्षेत्र में बड़ा हादसा हो गया। लगभग 50 साल पुराना तीन मंजिला मकान भरभरा कर गिर गया। जिसमें एक ही परिवार के लगभग 15 लोग और दर्जनों मवेशी मलबे के नीचे दब गए। हादसे के बाद एडीजी से लेकर जिले के तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। लगभग पांच घंटे चले रेस्क्यू के बाद तक सिर्फ एक महिला को बाहर निकाला जा सका था। जिसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक जाकिर कॉलोनी गली नंबर सात में 90 साल की बुजुर्ग महिला नफो उर्फ नफीस का 300 गज में तीन मंजिला मकान है। मकान के ग्राउंड फ्लोर पर नफो के बेटे डेयरी करते हैं। जबकि, ऊपर की दो मंजिलों पर लगभग नफो के बेटे साजिद पत्नी सायमा और नईम पत्नी अलीशा पांच वर्षीय बेटी रिमशा नदीम पत्नी फरहाना दो वर्षीय बेटा हमजा, शाकिर पत्नी साहिबा समेत 15 रहते हैं।

बीजेपी-आरएसएस का नियंत्रित नौकरशाही की जागीर बन गया है जम्मू-कश्मीर: जयराम

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कीनियंत्रित नौकरशाही की जागीर बन गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा कब बहाल होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए डोडा में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अंतिम सांस ले रहा है और उनकी सरकार ने इस सुंदर क्षेत्र को नष्ट करने वाली वंशवादी राजनीति का मुकाबला करने के लिए एक नया नेतृत्व पेश किया है। जयराम रमेश ने कहा कि नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री जम्मू-कश्मीर में हैं। 2018 में पीडीपी-भाजपा सरकार के गिरने के बाद से जम्मू-कश्मीर का प्रशासन उनकी ही केंद्र सरकार के पास है। ऐसे में नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को इसका जवाब देना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा कब वापस मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि 2018 के बाद से जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए अपना विरोध दर्ज कराने और समस्याएं व्यक्त करने के लिए हर तरह का रास्ता बंद कर दिया गया है। यह क्षेत्र भाजपा-आरएसएस द्वारा नियंत्रित नौकरशाही की जागीर बन गया है।

गैर हिंदी भाषी राज्यों के लोग भी हिंदी फिल्मों के गीतों को समझते हैं और गुनगुनाते भी हैं

दुनिया की सबसे पहली पुस्तक ऋग्वेद : राज्यपाल आरिफ

एजेंसी/आमरोह

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा है कि हिंदी भाषा के प्रचार में हिंदी फिल्मों में अहम योगदान है। गैर हिंदी भाषी राज्यों के लोग भी हिंदी फिल्मों के गीतों को समझते हैं और गुनगुनाते भी हैं। कहा कि हिन्दी को समृद्ध बनाने के लिए देश की दूसरी भाषाओं का भी सम्मान व आदर करना होगा। वह शनिवार को नगर के एक बरातघर में संस्कार भारती व हिंदी विश्व मंच की ओर से आयोजित हिंदी महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में विचार व्यक्त कर रहे थे। आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि दुनिया की सबसे पहली पुस्तक ऋग्वेद है। इससे पहले सभी कुछ मौखिक था। इसी प्रकार अमीर खुसरो हिंदी के पहले कवि थे, जिनकी रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। कहा कि भारत बहुभाषी देश है। यहां तमाम तरह की बोली, भाषा, परंपराएं, रस्मो-रिवाज, दर्शन व साहित्य के बावजूद हिंदी देश को एकसूत्र में पिरोने का कार्य कर रही है। विविधता का आदर करना प्रत्येक देशवासी का कर्तव्य है।यदि हिंदी को समृद्ध बनाना है तो देश के अन्य भाषाओं को भी आदर व सम्मान देना होगा। केरल का एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि वह एक दिन केरल में कही जा रहे थे। उनको एक हिंदी फिल्म का बहुचर्चित गीत सुनाई दिया। उत्सुकता हुई कि केरल में हिंदी का गीत कौन सुन रहा है। देखा एक दुकान पर वह फिल्मी गीत बज रहा था और वहां खड़े केरल के लोग उसका आनंद ले रहे थे। इससे साफ है कि हिंदी के प्रचार में हिंदी फिल्मों की अहम भूमिका है। उन्होंने लोगों से हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने की अपील की। वहीं, इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. यतींद्र कटारिया की पुस्तक हिंदी विश्व यात्रा और मैं का विमोचन भी किया।साथ ही महोत्सव में हिंदी साहित्यकारों व कवियों को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इनमें चेतन आनंद, संजीव कुमारी, राकेश छोकर, राकेश आर्य, राजेंद्र टंडन, अनुराग मिश्रा, वीपी चौधरी, अभिताभ खरे आदि शामिल थे।



राज्यपाल का पद कोई रबर स्टांप नहीं होता

राज्यपाल कोई रबर स्टांप नहीं केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन के साथ विवादों के कारण चर्चा में रहे राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का कहना है कि राज्यपाल का पद संवैधानिक है। राज्यपाल को संविधान के दायरे में रहकर काम करना होता है। राज्यपाल को संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करना पड़ता है। उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ विवादों से इनकार करते हुए कहा कि उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाली संस्था में नियुक्ति मेरिट के आधार पर की जाएगी न कि राजनैतिक नफा-नुकसान देखकर। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता व वहां के राज्यपाल के बीच विवाद पर उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की।



प्रतिष्ठित स्वामी ब्रह्मानंद पुरस्कार मिला प्रसिद्ध शिक्षक खान सर को

- प्रेरणादायक शिक्षण शैली और उनके अनुकरणीय समर्पण को सम्मानित किया।
- खान सर युवाओं के लिए प्रेरणा श्रोत

केटी न्यूज/राठ

स्वामी ब्रह्मानंद पुरस्कार 2024 का सम्मान इस बार शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान देने वाले खान सर को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर की शुरूआत स्वामी ब्रह्मानंदजी की समाधि पर सभी अतिथियों द्वारा माथा टेकने से हुई। इस पावन क्षण ने सभी को स्वामीजी की शिक्षाओं और उनके आदर्शों की याद दिलाई, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी ने शिक्षा के महत्व और समाज के उत्थान में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके बाद कार्यक्रम का आयोजन अखंड मंदिर हॉल, ब्रह्मानंद महाविद्यालय, राठ में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. बीकेएस संजय ने अपने विचार साझा करते हुए खान सर के योगदान की सराहना की। विशिष्ट अतिथि सुश्री मेघा परमार (द एवरेस्ट गर्ल) ने भी अपने भाषण में खान सर



की प्रेरणादायक शिक्षण शैली और उनके अनुकरणीय समर्पण को सम्मानित किया। कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू हुआ और उपस्थित लोगों में उत्साह और गर्व का माहौल बना रहा। इस वर्ष का स्वामी ब्रह्मानंद पुरस्कार शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले खान सर को प्रदान किया गया। उनके शिक्षण के अनोखे और प्रभावशाली तरीकों ने हजारों छात्रों के जीवन को बदलने का काम किया है। खान सर ने अपने

शिक्षा के क्षेत्र में दिया है अतुलनीय योगदान



उनके समर्पण और योगदान को देखते हुए यह पुरस्कार वाकई में उनके लिए एक सम्मानजनक उपलब्धि है। तो दोस्तों, आज का दिन शिक्षा के क्षेत्र के लिए बेहद खास रहा। स्वामी ब्रह्मानंद पुरस्कार 2024 का यह सम्मान समारोह सभी के दिलों में शिक्षा के महत्व और शिक्षकों के योगदान की एक नई परिभाषा स्थापित कर गया। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि इस बार यह पुरस्कार माननीय खान सर को दिया गया, जो आज की युवा पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत हैं।

संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली धन्यवाद भाषण में सभी को प्रेरित किया और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार के लिए अपने संकल्प को दोहराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा वह गोली है जिसका बारूद कभी खत्म नहीं होता है। इसलिए सभी शिक्षित होना जरूरी है।

बिहार में पंद्रह आईपीएस अधिकारियों का तबादला

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने फिर शनिवार को कई आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। गृह विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी है। शुभंक मिश्रा को पटना पूर्वी सिटी एसपी बनाया गया है, जबकि शरथ आर. एस को सिटी एसपी पश्चिम पटना बनाया गया है। वहीं स्वीटी सहरावत को सिटी एसपी मध्य पटना की जिम्मेदारी दी गई है। अपर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पटना बनाया गया है। फुलवारी शरीफ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विक्रम सिहाग मुजफ्फरपुर जिला के नगर एसपी बनाये गये हैं, जबकि विद्यासागर को ग्रामीण एसपी की जिम्मेदारी दी गई है। शेरघाटी में पदस्थापित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामदास को नगर पुलिस अधीक्षक भागलपुर बनाया गया है। अशोक कुमार चौधरी को दरभंगा का नगर पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। शैलेंद्र सिंह को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1 शेरघाटी की जिम्मेदारी दी गई है। नए पुलिस पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। विशेष कार्य बल में एएसपी राकेश कुमार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1 बाढ़ की जिम्मेदारी दी गई है।

खबरें फटाफट

एक घंटे के अंदर खत्म कर देंगे शराबबंदी : पीके

पटना। बिहार की राजधानी पटना में अपनी पार्टी के स्थापना दिवस से पहले जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा कि दो अक्टूबर के लिए अलग से कोई तैयारी करने की जरूरत नहीं है। हम पिछले दो साल से तैयारी कर रहे हैं। अगर जन सुराज की सरकार बनती है तो हम एक घंटे के अंदर शराबबंदी खत्म कर देंगे। वहीं, राजद नेता तेजस्वी यादव की यात्रा पर उन्होंने कहा कि मेरी शुभकामनाएं उन्हें कि कम से कम वे घर से तो बाहर निकले।

वैशाली में ज्वेलरी शॉप से लाखों के गहनों की लूट

वैशाली। बिहार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। बेलगाम अपराधियों द्वारा बेखौफ होकर लूट की बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। इसी क्रम में ताजा मामला वैशाली जिले से आया है जहां बदमाश ज्वेलरी शॉप से लाखों रुपये के आभूषण को चुरा कर फरार हो गए है। घटना वैशाली जिले के देसरी थाना क्षेत्र के गाजीपुर चौक स्थित मां गौरी ज्वेलर्स की है। दुकान में चोरी करने के लिए अपराधी दुकान का शटर व ताले तोड़ कर घुसे।

बिजली पर राजनीति करना चाहती है पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी, परंतु जनता के हितों में काम नहीं करते

पप्पू यादव ने सरकार पर किया हमला, स्मार्ट मीटर पर उठाए सवाल

- स्मार्ट मीटर उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए लागू किया जा रहा
- 200 यूनिट मुफ्त बिजली की बात करना राजनीति नहीं चलेगी

केटी न्यूज/पटना

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने बिहार में स्मार्ट मीटर को लेकर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए लागू किया जा रहा है, जबकि महाराष्ट्र सरकार ने इसे नकार दिया है। उन्होंने सवाल पूछा कि बिहार में स्मार्ट मीटर क्यों लागू किया जा रहा है, जबकि इसका कोई फायदा जनता को नहीं हो रहा।पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कहा कि वन नेशन-वन टैरिफ की नीति कहां चली गई। उन्होंने कहा कि 200 यूनिट मुफ्त बिजली की बात करना राजनीति नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के कारण बिहार की जनता को महंगी बिजली के बिल का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने सरकार से मांग किया कि बिहार में बिजली की दरों को कम किया जाए और जनता के हित में काम किया जाए। उन्होने सरकार से मांग करते हुए कहा कि अगर स्मार्ट मीटर को लेकर सरकार कोई हल नहीं निकालती है तो मैं और मेरे कार्यकर्ता सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करेंगे। यह आम जनता का सवाल है। इस पर कभी वह पीछे नहीं हटेंगे।



उद्योगपतियों को पहुंचाया जा रहा है फायदा

पप्पू यादव ने सरकार पर किया हमला, स्मार्ट मीटर पर उठाए सवाल पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने बिहार में स्मार्ट मीटर को लेकर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए लागू किया जा रहा है, जबकि महाराष्ट्र सरकार ने इसे नकार दिया है। उन्होंने सवाल पूछा कि बिहार में स्मार्ट मीटर क्यों लागू किया जा रहा है, जबकि इसका कोई फायदा जनता को नहीं हो रहा।पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कहा कि वन नेशन-वन टैरिफ की नीति कहां चली गई? उन्होंने कहा कि 200 यूनिट मुफ्त बिजली की बात करना राजनीति नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के कारण बिहार की जनता को महंगी बिजली के बिल का सामना नहीं करना पड़ेगा।

तेजस्वी यादव पर भी कसा तंज

पप्पू यादव तेजस्वी यादव पर भी खूब बोले। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता की समस्याओं को लेकर कुछ नहीं बोलती है, लेकिन सियासत करने के लिए यात्रा निकालते हैं। इसके अलावा, पप्पू यादव ने वीडियो पॉलिटिक्स पर भी जमकर बोला है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग और पार्टी वीडियो पॉलिटिक्स करने में लगे हैं, जिसे जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि वीडियो पॉलिटिक्स लोकतंत्र और राजनीति के लिए अच्छा नहीं है।

बिहार सरकार बिजली की दरों को करें कम

उन्होंने सरकार से मांग किया कि बिहार में बिजली की दरों को कम किया जाए और जनता के हित में काम किया जाए। उन्होने सरकार से मांग करते हुए कहा कि अगर स्मार्ट मीटर को लेकर सरकार कोई हल नहीं निकालती है तो मैं और मेरे कार्यकर्ता सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करेंगे।तेजस्वी यादव पर भी कसा तंज पप्पू यादव तेजस्वी यादव पर भी खूब बोले। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता की समस्याओं को लेकर कुछ नहीं बोलती है, लेकिन सियासत करने के लिए यात्रा निकालते हैं। इसके अलावा, पप्पू यादव ने वीडियो पॉलिटिक्स पर भी जमकर बोला है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग और पार्टी वीडियो पॉलिटिक्स करने में लगे हैं, जिसे जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है।उन्होंने कहा कि देश या राज्य स्तर पर जो गठबंधन बने हैं, वह भी बेमेल गठबंधन है, जिसमें नैतिकता कहीं भी नहीं है। पप्पू यादव ने कहा कि वे जनता के हित में लड़ते रहेंगे और सरकार से जनता के हित में काम करने की मांग करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को लेकर वे हमेशा आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता की समस्याओं को हल करने के लिए काम करना चाहिए, न कि वीडियो पॉलिटिक्स में लगना चाहिए।

एक नजर

लालू परिवार ने हमेशा किया मिथिला का अपमान, नीतीश ने दिया सम्मान



पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने तेजस्वी यादव और लालू परिवार पर मिथिला के अपमान का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मिथिला, जिसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान पूरे देश में है, को सीमित और विभाजित करने की साजिश की जा रही है।संजय कुमार झा ने आरोप लगाया कि लालू परिवार ने मिथिला की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को नजरअंदाज किया है। उन्होंने कहा कि लालू परिवार के डीएनए में मिथिला का अपमान है। तेजस्वी यादव अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए मिथिला को मिथिलांचल कह कर एक छोटे क्षेत्र में सीमित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव के पिता, लालू यादव के कार्यकाल में मैथिली भाषा को बीपीएससी से बाहर कर दिया गया था। नीतीश कुमार ने 2005 में बिहार की सत्ता संभालते ही मैथिली को बीपीएससी में दोबारा शामिल किया और उसे उचित सम्मान दिलाया।

समस्तीपुर में तेज रफ्तार पिकअप ने तीन छात्राओं को रौंदा, दो की मौत

समस्तीपुर। समस्तीपुर में भीषण सड़क हादसे में दो छात्राओं की मौत हो गई। वहीं एक छात्रा की हालत गंभीर है। घटना मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव के पास की है। शनिवार को तीनों छात्रा एनएच पार कर रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप ने तीनों को कुचला दिया। हादसा इतना भीषण था कि शनिवार को स्कूल जा रही तीन छात्रों को अनियंत्रित पिकअप ने कुचल डाला। हादसा इतना भीषण था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। घटना के बाद लोगों ने एनएच को जाम कर दिया। लोग पिकअप चालक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। मृतक छात्रा की पहचान फतेहपुर वार्ड आठ मोहल्ला के ब्रह्मदेव सिंह की पुत्री स्वाति प्रिया और राजेश कुमार सिंह की पुत्री कृतिका कुमारी के रूप में की गई है। एक अन्य जख्मी का उपचार मुसरीघरारी के निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पारिवारिक सदस्यों के बीच कोहरा मच गया। आक्रोशित लोगों ने एनएच 28 को घटनास्थल के पास जाम कर दिया। जाम के कारण एनएच पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

एसडीएम की बैठक से पुलिस ने पैक्स अध्यक्ष को भेजा जेल

केटी न्यूज/मोतिहारी

पूर्वी चंपारण के चकिया स्थित अनुमंडल कार्यालय में एसडीएम द्वारा आयोजित बैठक में भाग लेने गए कल्याणपुर सिसवा पटना के पैक्स अध्यक्ष को पुलिस ने वहीं से गिरफ्तार कर लिया। पैक्स अध्यक्ष पर धान खरीद में 61 लाख रुपये के गबन की प्राथमिकी थी। दरअसल, चकिया अनुमंडलाधिकारी शिवानी शुभम ने शनिवार को अनुमंडल के सभी पैक्स अध्यक्षों को मीटिंग में बुलाया था। इधर, पैक्स अध्यक्ष की गिरफ्तारी पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2023-024 में उक्त पैक्स अध्यक्ष द्वारा धान की खरीद के लिए सरकारी धन आवंटित किया गया था। धान खरीद के समतुल्य सीएमआर में गबन किया गया है। इस गबन की जानकारी पैक्स गोदाम के जांच के दौरान प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी को हुई थी और इनके प्रतिवेदन के आधार पर एसडीएम के निर्देश पर प्राथमिकी है। पैक्स अध्यक्ष चन्दन सिंह और समिति के अन्य सदस्यों पर धान के गबन का आरोप है और इसमें वह फरार थे।इधर, जिले में इस वर्ष हुई धान खरीद में कई पंचायतों के सहकारी समितियों पर धान खरीद मामले में गबन की प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। साथ ही पुलिस मामले में कई लोगों को जेल भी भेज चुकी है। धान खरीद में भारी अनियमितता की बात सामने आई है। इस पर सभी एसडीएम की सख्ती बनी हुई है।

छह सदस्य वाले बिहार बाल संरक्षण आयोग का हुआ गठन

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने बाल संरक्षण आयोग का गठन कर दिया है। समाज कल्याण विभाग ने ओर से शनिवार दोपहर इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई। गौर करने वाली बात यह है कि इस आयोग में भाजपा और जदयू के नेताओं को जगह दी गई है। जिससे इस अफवाह पर विराम लग गया कि एनडीए सरकार के कदम डगमगाने रहे हैं। समाज कल्याण विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में लिखा गया है कि मंत्रिपरिषद के निर्णय के बाद बिहार राज्य बाल संरक्षण आयोग का गठन किया गया है। सदस्यों के सेवाकाल की अवधि तीन वर्ष समाज कल्याण विभाग ने डॉ. अमरदीप को बिहार सरकार ने राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष के पद पर नियुक्ति किया है। समाज कल्याण विभाग की संयुक्त सचिव कुमारी सीमा के अनुसार, बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के सेवाकाल की अवधि तीन वर्ष या 65 साल तक रहेगी। बिहार राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य के रूप में पटना के परसा बाजार निवासी डॉ. हुलेश मांझी, मधुबनी के राजनगर निवासी संगीता ठाकुर, समस्तीपुर के अमरौली निवासी ज्योति कुमारी, पटना के मनेर निवासी शीला पंडित प्रजापति, बांका के बवुरा गांव निवासी डॉ. सुग्रीव दास, वैशाली के धोबौली गांव निवासी राकेश सिंह शामिल हैं।



पटना के बाजार समिति कैरियर कैंपस में लगाया गया शिविर

पटना में विश्व प्रसिद्ध काइरोप्रैक्टर डॉ. रजनीश कांत ने लगाया निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर

केटी न्यूज/ पटना

विश्व प्रसिद्ध काइरोप्रैक्टर डॉ. रजनीश कांत के द्वारा आज पटना के बाजार समिति स्थित कैरियर कैंपस, सेना भारती प्रशिक्षण केंद्र में एक निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 500 से अधिक छात्रों को बिना किसी लागत के आवश्यक चिकित्सा परामर्श, निदान, और उपचार प्रदान किया गया।इस अवसर पर डॉ. रजनीश कांत ने छात्रों को उनके स्वास्थ्य और पढ़ाई से संबंधित समस्याओं पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में



प्रतिस्पर्धा के चलते छात्रों को लंबे समय तक पढ़ाई करनी पड़ती है, जिससे उनके शरीर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। गलत बॉडी पोस्चर के कारण छात्रों को कमर दर्द, गर्दन दर्द, कंधे में दर्द, सिरदर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी पढ़ाई पर भी असर पड़ता है। डॉ. कांत ने छात्रों को सलाह दी कि पढ़ाई के दौरान हर एक घंटे में अपना पोस्चर बदलें और नियमित योग, व्यायाम, तथा फिजिकल एक्टिविटी पर ध्यान दें। इससे न केवल शारीरिक समस्याओं से बचा जा सकता है, बल्कि पढ़ाई में भी बेहतर परिणाम मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य है कि छात्र न केवल मानसिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहें ताकि वे जीवन में सफल हो सकें। शिविर में आए सभी छात्रों ने इस पहल की सराहना की और डॉ. रजनीश कांत को धन्यवाद दिया।शिविर के आयोजकों का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे निःशुल्क शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक छात्रों को इसका लाभ मिल सके।

अच्छी खबरः कृषि यंत्र बैंक स्थापित कर उद्यमी बन सकते हैं जिले के लघु एवं सीमांत किसान, मिलेगा अनुदान

- 10 लाख के यंत्र खरीद पर किसानों को चार लाख तथा समूह या जीविका को आठ लाख का मिलेगा अनुदान
- कृषि में यांत्रिकरण को बढ़ावा देने के लिए विभाग ने शुरू की योजना



केटी न्यूज/बक्सर

लघु एवं सीमांत किसानों के साथ ही प्रगतिशील कृषक, कृषक समूह तथा जीविका संगठन के पास कृषि यंत्र बैंक की स्थापना कर उद्यमी बनने का सुनहरा अवसर है। कृषि विभाग ने खेती में यांत्रिकरण को बढ़ावा दे उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि यंत्र बैंक की योजना शुरू की है। इस योजना का लाभ उठा कृषक या समूह कृषि यंत्रों की खरीद कर उसे किसानों को किराए पर दे अच्छा मुनाफा कमा सकते है।

वहीं, किसानों को भी अब महंगे व आधुनिक कृषि उपकरणों के लिए दूसरे राज्यों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा। बल्कि जरूरत के हिसाब से उनके आस पास ही कृषि यंत्र उपलब्ध हो जाएंगे। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) ने एक प्रेस बयान जारी कर इस संबंध में जानकारी दी है तथा इच्छुक प्रगतिशील कृषक, कृषक समूह, जीविका संगठन, कॉमन सर्विस सेंटर व फार्म मशीनरी बैंक, एफपीओ, पैक्स, एसएचजी तथा उद्यमी ओएफएमएएस के ऑनलाईन पोर्टल पर 20 सितंबर तक आवेदन कर सकते है।

क्या है कृषि यंत्र बैंक : इसकी स्थापना से कृषक या समूह किराए पर महंगे कृषि यंत्रों को आर्थिक रूप से कमजोर किसानों को किराए पर उलब्ध करा सकते है, जिससे उस क्षेत्र विशेष में कृषि में यांत्रिकरण का विकास होगा तथा महंगे व उन्नत यंत्रों के लिए कृषकों को जिले से बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। बैंक में खेती के काम आने वाले सभी तरह के उपकरण होने के कारण बैंक चलाने वाले किसान पूरे साल इसे किराए पर चला सकते है। वही, इस प्रणाली से जुड़ किसान आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग कर उत्पादन दर व आमदनी बढ़ा सकते है।

सभी तरह के उपकरण खरीदने वाले को मिलेगी अनुमति : आत्मा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि कृषि यंत्र बैंक की स्थापना करने वाले किसान या समूह को टैज्क्टर के साथ जुताई, बुआई, रोपनी, हार्वेस्टिंग, कटाई, एवं थ्रेसिंग से कम से कम एक-एक यंत्र लेना अनिवार्य है। ताकी जरूरत पड़ने पर किसानों को किसी यंत्र की कमी महसूस न हो सकें। यही कारण है कि विभाग द्वारा सभी तरह के यंत्रों को खरीदने वालों को ही कृषि यंत्र बैंक की अनुमति दी जाएगी।

10 लाख के यंत्र खरीद पर 8 लाख तक का मिलेगा

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि कृषि यंत्र बैंक के तहत 10 लाख तक के यंत्र खरीदने वाले प्रगतिशील किसान को 4 लाख रूपए का अनुदान मिलेगा। जबकि यंत्र बैंक की स्थापना करने वाले समूह, जीविका संगठन, कॉमन सर्विस सेंटर, फार्म मशीनरी बैंक, एफपीओ आदि को 8 लाख रूपए तक का अनुदान मिलेगा। विभाग द्वारा जिले में सीएचसी अंतर्गत सामान्य वर्ग के लिए चार अनुसूचित जाति के लिए एक तथा एफएमबी के तहत दो कृषि यंत्र बैंक खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ताकी, जिले में पर्याप्त संख्या में कृषि यंत्र बैंक स्थापित हो सकें और अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें। कृषि विभाग की यह योजना कृषि यांत्रिकरण के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाली साबित हो सकती है।

वामन द्वादशी के अवसर पर आज मुख्यालय में निकलेगी भव्य रथ यात्रा

बक्सर। शहर में भगवान वामन चेतना मंच तत्वावधान में रविवार को वामन द्वादशी के अवसर पर भगवान वामन की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। इसको लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मृत्युंजय तिवारी, उपाध्यक्ष प्रकाश पांडेय, कोषाध्यक्ष संजय ओझा, महासचिव मनोज तिवारी एवं प्रमोद कुमार चौबे ने बताया कि रविवार को वामन द्वादशी के अवसर पर भगवान वामन के भव्य रथयात्रा की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि भगवान वामन की रथयात्रा रामरेखा घाट स्थित श्री रामेश्वर नाथ मंदिर से वैदिक मंत्रोच्चारण एवं पुजन के साथ शुरू होगा। जो पीपी रोड, मुनीम चौक, जमुना चौक में रोड नगर थाना होते हुए किला मैदान,जेल रोड सोमेश्वर स्थान स्थित वामन धाम मंदिर में संपन्न होगा। जहां भव्य आरती की जाएगी।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य भारत भूषण पांडेय, कृष्णानंद शास्त्री, रणधीर ओझा, छवि नाथ त्रिपाठी समेत अन्य संत महात्मा शामिल होंगे। इसके अलावा जिले समेत भोजपुर, रोहतास, कैमूर के अलावा उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं भक्त शामिल होंगे। रथ यात्रा गाजे बाजे के साथ निकाला जाएगा। इसके बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा। वहीं रात्रि में भजन कीर्तन का कार्यक्रम भी होगा। उन्होंने इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं एवं भक्तों को

डुमरांव के इकलौता पैक्स संचालित बैंक में मिला गबन की आहट

भोजपुर जदीद पैक्स बैंक से नहीं हो रहा ग्राहकों का पैसा का भुगतान

- बैंक के दर्जनों जमाकताओं ने दिया थाना को लिखित आवेदन, बैंक में जमा है करोड़ो रूपए



केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड का इकलौता पैक्स संचालित बैंक में करोड़ों रुपए के गबन की आहट से सनसनी फैल गई है। बैंक से जमाकताओं का पैसे का भुगतान नहीं होने से मुश्किल बढ़ गई है। मामला स्थानीय प्रखंड के भोजपुर जदीद पैक्स द्वारा संचालित बैंक का है। इस बैंक के पास हजारों की संख्या में खाताधारक है। जो मंथली, डेली तथा एसबी व फिक्स के रूप में पैसा जमा करता है।

बताया जाता है कि दर्जन खाताधारक ऐसे हैं जिनका जमा टर्म पूरा होने के बावजूद बैंक द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा है। इससे भी बड़ी समस्या यह की बैंक शाखा का कार्यालय में पिछले तीन माह से ताला लटक रहा है। शाखा प्रबंधक सेराज कुरैशी के साथ बैंक के दोनों अभिकर्ता कमलू खान तथा सरफु साई भी फरार चल रहे हैं। ऐसी स्थिति में अपनी हाड़तोड़ कमाई की राशि गबन होने की आशंका से घिरे बैंक के खाताधारियों ने नया भोजपुर थाना को लिखित आवेदन दिया है। खाताधारक धर्मेंद्र कुमार, राजेश कुमार, आलोक कुमार, रुखसाना खातून आदि का कहना है कि बैंक द्वारा पैसा भुगतान नहीं किया जा रहा है। खाताधारकों का कहना है कि पैक्स अध्यक्ष मेराज खान भी ग्राहकों को संतुष्ट नहीं कर पा रहे हैं। इस चक्कर में दर्जनों खाताधारकों का करोड़ों रुपए की राशि का भुगतान पर ग्रहण लगा है। किसी गड़बड़ी की आशंका से घिरे खाताधारकों ने अपनी गाढ़ी कमाई की सुरक्षा के लिए इस मामले में थाना में

लिखित आवेदन देकर गुहार लगाई है। खाताधारकों की चिंता इससे पूर्व भोजपुर कदीम पैक्स द्वारा संचालित बैंक में हुई बड़ी हेराफेरी को लेकर है। इस आलोक में नया भोजपुर थाना प्रभारी मनीष कुमार का कहना है कि खाताधारकों से प्राप्त आवेदन के आलोक में पैक्स अध्यक्ष एवं प्रबंधक से इस संदर्भ में पूछताछ की गई है। दोनों ने बहुत जल्द खाताधारकों को राशि भुगतान करने का आश्वसन दिया है।

नहीं हुआ है तीन वर्षो से बैंक का ऑडिट : पैक्स द्वारा संचालित बैंक में गबन की आशंका इसलिए व्यक्त की जा रही है कि पिछले तीन वर्षों से बैंक का ऑडिट कार्य नहीं हुआ है। इसमें सीसीओ की भूमिका भी पाक साफ नहीं है। बीसीओ राजवर्धन सिंह का कहना है कि इस बैंक का ऑडिट संभवतरू वर्ष 2021-22 में किया गया है। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके द्वारा कभी बैंक देखने और जांच पड़ताल का प्रयास नहीं किया गया है। वैसे मामला संज्ञान में आने के बाद उन्होंने पैक्स अध्यक्ष तथा प्रबंधक से बात करने की बात स्वीकार की।

कहते हैं पैक्स अध्यक्ष

पैक्स अध्यक्ष मेराज खान का कहना है कि बैंक द्वारा आमदनी से ज्यादा लोन दिए जाने पर चलते समस्या उत्पन्न हुई है। पैक्स द्वारा संचालित बैंक से दिए गए लोन की रिकवरी करके खाताधारकों का पैसा भुगतान करने की तैयारी की गई है। बहुत जल्द खाताधारकों का पैसा भुगतान करने का प्रयास किया जा रहा है। जो जल्द खत्म हो जाएगा। विदित हो कि दस वर्ष पूर्व पुराना भोजपुर पैक्स में भी इसी तरह का मामला उजागर हुआ था। जहां गरीब मजदूर व छोटे व्यवसायियों ने अपनी पैक्स में जमा किया था। इसके बाद अचानक यह आरोप लगाया जाने लगा कि पैक्स के प्रबंधक रामजी सिंह पैसा लेकर भाग गये है। पैक्स अध्यक्ष भीम सिंह कुशवाहा व प्रबंधक के बीच मामला चलता रहा। परंतु इसके बीच में आम जनता पिसती रही। अंत में मामला पुलिस के पास पहुंचा। प्रबंधक रामजी सिंह पर प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस की छानबीन में मामला सामने आया कि रामजी सिंह किसी दूसरे के नाम पर राजपुर प्रखंड के नौकरी कर रहे है।

डीएम के निरीक्षण में गायब मिले कई विभागों के कर्मचारी, मांगा स्पष्टिकरण

केटी न्यूज/बक्सर



डीएम अंशुल अग्रवाल ने शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने राजस्व शाखा, आईसीडीएस कार्यालय, बाल संरक्षण कार्यालय, आपूर्ति शाखा एवं आरटीपीएस काउंटर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में अमर कांत अमर, प्रोजेक्ट इंजिनियर आपूर्ति शाखा, धीरेन्द्र शर्मा सामाजिक कार्यकर्ता, किशलय, आकड़ा विश्लेषक बाल संरक्षण इकाई, विनोद सिंह आउटरिच वर्कर, राकेश कुमार पाल एवं अमृता सिंह आईसीडीएस कार्यालय में अनुपस्थित पाये गये। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित कर्मियों का अनुपस्थित अवधि का वेतन स्थगित करते हुए स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया।

निरीक्षण के क्रम में कार्यालय में संधारित सभी पंजियों जैसे उपस्थिति पंजी, आगत निर्गत पंजी, गार्ड संचिका आदि का स्वयं से निरीक्षण किया एवं संबंधित कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। आरटीपीएस काउंटर के निरीक्षण के क्रम में लंबित आवेदनों की जांच की गई निर्देश दिया गया कि लंबित आवेदनों को जल्द से जल्द निष्पादित करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही कार्यालय के साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों को कार्यालय में ससमय उपस्थित होकर अपने

हेरिटेज स्कूल में हिंदी दिवस के मौके पर कविताओं हुई प्रस्तुति

केटी न्यूज/बक्सर



हिंदी दिवस के अवसर पर हेरिटेज स्कूल की दोनों ही शाखाओं में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए। मातृभाषा हिंदी का हमारे जीवन में महत्व विषय पर निबंध एवं संवाद का आयोजन किया गया. इसके अतरिक्त कई कक्षाओं में काव्य पाठ का आयोजन हुआ। इस दौरान बच्चों ने अपने पाठ्य पुस्तक की कविताओं के अतिरिक्त हरिवंश राय बच्चन, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, कबीरदास, रामधारी सिंह दिनकर समेत कई अन्य प्रतिष्ठित एवं प्रचलित कवियों के कविताओं का वाचन किया।

वहीं, शिक्षकों में गणेश दत्त तिवारी, चंद्र चार्य शर्मा, पूनम पांडेय, अलका सिन्हा, राजाबाबू, सतीश कुमार, अभिजीत शर्मा समेत अन्य शिक्षकों ने हिंदी की उत्पति से लेकर हिंदी के विकास, राजभाषा एवं मातृभाषा के रूप में इसकी स्वीकार्यता तथा हिंदी दिवस के आयोजन जैसे विषय की यात्रा कराई। अंततः विद्यालय के निदेशक डॉक्टर प्रदीप कुमार पाठक एवं प्रेसिडेंट प्रेम कुमार पाठक ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। विद्यालय के निदेशक डॉक्टर प्रदीप ने हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी के प्रति समर्पण श्रद्धा और सम्मान के साथ निरपेक्ष उपयोगिता पर प्रकाश डाला। हिंदी को जनभाषा और मन की अभिव्यक्ति की विनिमय का सेतु कहा।

हिन्दी न केवल हिन्दुस्तान की राजभाषा है बल्कि एकता का प्रतीक भी: जिलाधिकारी

- हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए साहित्यकार व गणमान्य



केटी न्यूज/बक्सर

शनिवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभा कक्ष में जिला प्रशासन द्वारा हिंदी दिवस मनाया गया। जिसमें जिले के प्रख्यात साहित्यकार एवं गणमान्य वक्ता मौजूद रहे। हिन्दी दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस दौरान जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी सिर्फ एक भाषा ही नहीं, बल्कि भावों की अभिव्यक्ति है। यह न केवल भारत की राजभाषा है, बल्कि कौमी एकता का प्रतीक भी है। हिन्दी ने देश के सभी पंथ तथा समुदाय के लोगों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया है। आजादी के संघर्ष के दिनों से लेकर आज के डिजिटल युग तक देश के एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र में विचारों, परंपराओं तथा संस्कृति का आदान-प्रदान हिंदी के माध्यम से ही हुआ है। अगर हम इस भाषा से दूरी बनाएंगे तो अपनी अस्मिता एवं पहचान को सही अर्थों में समझ नहीं पाएंगे। आज के युग में देश की युवा पीढ़ी हिन्दी साहित्य से दूर होते जा रही है ऐसे में उनका साहित्य से जोड़ना एवं उनमें समाहित जीवन के आदर्शों से अवगत कराना हम सब की जिम्मेदारी है।

सम्मानित होंगे संचिकाओं में उत्कृष्ट टिप्पणी लिखने वाले कर्मी : समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों ने भी हिन्दी भाषा के महत्व पर अपने विचार साझा किया। राजभाषा विभाग, बिहार सरकार के स्तर से हिन्दी में उन्नत लेखन को बढ़ावा देने के लिए संचिकाओं में उत्कृष्ट टिप्पणी लिखने वाले सरकारी कर्मियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है, इससे पत्राचार की भाषा के स्तर में सुधार होगा। हिन्दी दिवस कार्यक्रम समारोह में आए हुए गणमान्य व्यक्तियों ने हिन्दी भाषा के योगदान पर अपने-अपने विचारों को साझा किया और बताया कि हिन्दी हमारे देश में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। स्वतंत्रता आंदोनल में हिन्दी साहित्य का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। वक्ताओं ने कहा कि

बाढ़ का खतरा, तेजी से बढ़ रहा है गंगा का जलस्तर

- चेतावनी बिंदु से महज 99 सेमी नीचे रह गई है गंगा, 15 सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है जल स्तर



केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में एक बार फिर से बाढ़ का खतरा मंडराने लगा हैं। इस बार गंगा रौद्र रूख धारण कर चुकी है तथा जल स्तर 15 सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है, जो इस वर्ष में जल स्तर बढ़ने का सबसे तेज रफ्तार है। केन्द्रीय जल आयोग के रिपोर्ट की माने तो शाम छह बजे जल स्तर 58.33 सेमी पर पहुंच गया था। जबकि चेतावनी बिंदू 59.32 मीटर है। इस लिजार से गंगा चेतावनी बिंदू से मात्र 99 सेमी कम रह गई है। जल स्तर बढ़ने का जो रफ्तार है उसके मुताबिक मध्य रात्रि के बाद गंगा चेतावनी बिंदू को पार कर सकती है। केन्द्रीय जल आयोग के जेई प्रशांत कुमार चौरसिया ने बताया कि पहाड़ी इलाकों के साथ ही दिल्ली में भारी बारिश के कारण जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि शनिवार की सुबह से ही काफी तेज रफ्तार से जल स्तर बढ़ रहा है, जो इस वर्ष का भी सबसे तेज रफ्तार है।

अचानक गंगा के जल स्तर में वृद्धि से प्रशासन भी चौकन्ना हो गया है। वही, दियारा वासी गंगा के जल वृद्धि की रफ्तार देख सहम उठे है। उन्हें संभावित बाढ़ का खतरा नजर आने लगा है। गौरतलब हो कि एक पखवाड़े पहले गंगा का जल स्तर वृद्धि रूक गया था। इस वर्ष यह चौथी बार है जब गंगा का जल स्तर बढ़ रहा है।

प्रीपेड मीटर लगाने के विरोध में चौसा में ग्रामीणों का आमरण अनशन शुरू

केटी न्यूज /चौसा



चौसा नगर पंचायत व ग्रामीण क्षेत्रों में प्रीपेड मीटर के विरोध के साथ चौसा नगर विद्युतीय अव्यवस्था को लेकर शनिवार को पहले घोषित अनशन के तहत चौसा पावर सब स्टेशन के बगल में महादेवा घाट पर पांच सूत्री मांगों को लेकर सर्वदलीय संघर्ष मोर्चा के बैनर तले आमरण अनशन प्रारम्भ किया गया। मोर्चा के अध्यक्ष पूर्व जिला पार्षद डा. मनोज कुमार यादव की अध्यक्षता में अनशन एवं प्रदर्शन कार्यक्रम सुबह 11 बजे प्रारम्भ किया गया। जहा अनशन के पहले दिन देर दोपहर पहुंचे विभागीय अधिकारियों के समस्याओं के निदान के आश्वासन पर अनशन समाप्त किया गया।

आमरण अनशन में डॉ. मनोज ने बताया कि पूरा क्षेत्र प्रीपेड मीटर नहीं लगाने के लिए अडिग है। सरकार अपने प्रीपेड मीटर से सम्बंधित आदेश को वापस ले। वापस नहीं लेने के क्रम में 80% गरीब को बिजली से वंचित होना पड़ेगा। प्रीपेड मीटर गरीब,किसान और मजदूरों बिजली से वंचित करना उद्देश्य बनाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि नपं के महादलित बस्ती, खिलाफतपुर व न्यायीपुर सहित नगरपंचायत के सभी जगहों से जर्जर तत्काल बदला जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि चौसा बाजार घाट और चौसा मल्लाह टोली घाट जहां पर हजारों की संख्या में रोज पूजा पाठ करने के लिए लोग आते हैं वहां तत्काल युद्धस्तर पर तार एवं पोल लगाने की कार्रवाई की जाए। कनक नारायणपुर गांव में सैकड़ो घरों के ऊपर से 11 केवी का तार गुजर रहा है जिससे जानवर से लेकर आदमी तक की क्षति हुई है । इस पोल और तार को दूसरे जगह स्थानांतरित किया जाए।

अनशन के देर दोपहर सहायक अभियंता बक्सर ग्रामीण रवि राज कुमार, सहायक अभियंता प्रोजेक्ट बक्सर समरेंद्र कुमार, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी चौसा आकाश कुमार ने मांगो को मानते हुए अनशनकारियों को जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया । कार्यक्रम का संचालन वार्ड पार्षद प्रतिनिधि रिजवान खान ने की। इस दौरान अनशनकारियों को माला पहनाकर किया।

श्रम अधिकार दिवस पर आयोजित हुआ था कार्यशाला, डीएम ने दीप जला किया कार्यशाला का उद्घाटन

मजदूरों के लिए सरकार चला रही है कई योजनाएं, उठाएं लाभः डीएम

- मजदूरों को दी गई जिले में संचालित योजनाओं की जानकारी



केटी न्यूज/बक्सर

संयुक्त श्रम भवन बक्सर के परिसर में श्रम अधिकार दिवस मनाया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सह कार्यशाला का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। कार्यशाल में सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों के योगदान के बारे में बताया। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिकों को श्रम संसाधन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं जैसे बीओसी डब्लू योजना, बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, बिहार राज्य प्रवासी मजदूर योजना आदि के बारे विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ-साथ विभिन्न श्रम अधिनियमों जैसे न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, बंधुआ मजदूर 1976, बाल श्रमिक 1986 के बारे में जानकारी देकर श्रमिकों को जागरूक किया गया एवं श्रमिकों के उत्थान के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया गया।

कार्यशाला में श्रम अधीक्षक ने बताया कि बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना शताब्दी योजना अंतर्गत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के बच्चों को 10$2 के छात्र-छात्राओं के लिए 2500 रुपए, आईटीआई के लिए पांच हजार रुपए एवं पॉलिटेक्निक में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए 50 हजार रुपए प्रति सत्र छात्रवृति के रूप में दिया जा रहा है। साथ ही बताया गया कि इस संबंध में विभाग द्वारा निर्धारित कुल लक्ष्य 100 में से 64 आवेदनों को स्वीकृत कर भुगतान के लिए राज्य स्तर पर अनुशंसा किया गया है।

श्रमिकों को जागरूक करने के लिए चलेगा अभियान : जिलाधिकारी ने जिले के सभी प्रखंडो के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी एवं श्रम अधीक्षक को निदेश दिया कि सभी श्रमिकों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) बक्सर, सहायक श्रमायुक्त डालमिया नगर, श्रम अधीक्षक बक्सर, सभी श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी एवं मजदूर यूनियन के प्रतिनिधि एवं श्रमिक उपस्थित थे।



विरोधः मांगों के समर्थन में चौसा में जीविका दीदियों ने कार्यालय में जड़ा ताला

♦ प्रदर्शन कर सरकार के समक्ष उठाई मांग

केटी न्यूज/चौसा



शनिवार को स्थानीय प्रखंड के अखौरीपुर गोला स्थित जीविका कार्यालय में जीविका दीदियों ने ताला जड़ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान जीविका दीदियों ने अपनी दस सूत्री मांगों को लेकर आवाज बुलंद की तथा पूरे दिन धरना-प्रदर्शन किया।

जीविका दीदियों का कहना है कि हमारी मांग मुख्य रूप से सभी कैडरों को नियुक्ति और पहचान पत्र देना है। जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होती है, तब तक हम वापस काम पर नहीं लौटेंगे। जीविका सीएफएल कार्यालय पर ताला लगा रहेगा। अनु कुमारी ने कहा कि मानदेय का भुगतान कंट्रीब्यूशन सिस्टम पर अविलंब रोक लगाई जाए। सभी कैडरों का मानदेय कम से कम 25 हजार रुपए किया जाए। सभी जीविका कैडर को पहचान पत्र निर्गत करने, जीविका कैडर को खाते में राशि भुगतान करने और जीविका को सरकारी कर्मी का दर्जा देने कीके साथ जीविका कैडर को पांच लाख तक बीमा होनी चाहिए।साथ ही परियोजना में तीन साल पूरा करने वाले कैडरों के लिए पदोन्नति की व्यवस्था और महिला कैडरों को मातृत्व अवकाश देने, दो लाख रुपए के मेडिकल क्लेम, पांच लाख का डेथ क्लेम जैसी सामाजिक सुरक्षा का लाभ दिया जाए।

जीविका दीदी के बीच थाने में हुआ समझौता

डुमरांव। जीविका दीदी और इसके नोडेल पदाधिकारी के बीच हुए मारपीट का मामले काफी तूल पकड़ लिया था। जीविका दीदी के द्वारा नोडेल पदाधिकारी को चप्पल से मारने का वीडीयो वायरल होने के बात यह काफी गंभीर मामला बन गया। उस गंभीर मामले का इतनी असानी से पटाक्षेप हो जाएगा किसी को अनुमान नहीं था। शनिवार को नयाभोजपुर थाने में थाना प्रभारी मनीष कुमार ने दानों पक्षों के साथ बैठक किया। बैठक में आयी जीवीका दीदी भी विभिन्न प्रकार का आरोप लगाते हुए नोडेल पदाधिकारी पर भी एफआईआर करने के लिए दबाव बनाने लगी। इस दौरान जीवीका दीदी की तरफ से माले के दो नेता भी मौजूद थे। फिर आपसी तालेमेल के बाद इसका पटक्षेप हो गया।

इस संबंध में जब नयाभोजपुर थाना प्रभारी से बात की गई तो तो उन्होंने बताया कि आपसी समझौता हो गया, जिससे कोई मामला नहीं बना और इस पर होने वाली आगे की कार्रवाई स्थगित कर दिया गया। मालूम हो कि शुक्रवार को जीवीका दीदियों के द्वारा नयाभोजपुर सीएलएफ कार्यालय में तालाबंदी कर सड़क पर उतर नारेबाजी की जा रही थी। फर नोडेल पदाधिकारी वहां पहुंच गए फिर मारपिट की घटना घटित हो गई थी। नोडेल पदाधिकारी ने थाना में नामजद एफआईआर करने के लिए आवेदन दिया था। आवेदन दिये जाने के बाद शनिवार को जीविका दीदी भी केश करने के लिए नयाभोजपुर ओपी थाना पहुंच गई। मामला गंभीर होत देख कुद राजनीतिक कार्यकर्ता इसमें सुलह कराने के लिए अग्रणी भूमिका निभाने लगे। इस संबंध में जब थाना प्रभारी मनीष कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया की आपसी समझौता हो जाने से सारी कार्रवाई रोक दी गई। लिहाजा इस गंभीर मामले का पटाक्षेप हो गया।

एक नजर

फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के जिला सम्मेलन में फिर उठी आठ सूत्री मांग



डुमरांव। अनुमंडल क्षेत्र के चक्की प्रखंड में शनिवार को फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन का जिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता पटना से आए एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री वरुण कुमार सिंह ने किया। उनके निर्देश पर जिला सम्मेलन में एसोसिएशन के जिला इकाई को भंग कर नए सिरे से चुनाव का प्रस्ताव लाया गया। अध्यक्ष पद के लिए एक बार फिर से श्री कृष्ण चौबे के नामांकन पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। जबकि एसोशिएशन के महामंत्री पद पर एक बार फिर से सच्चिदानंद उपाध्याय निर्विरोध निर्वाचित किए गए। अध्यक्ष पद पर श्री कृष्ण चौबे का लगातार 25वां वर्ष है। अपने संबोधन में अध्यक्ष ने एक बार फिर से डीलरों को सरकारी सेवक घोषित करने की मांग करते हुए कहा की एसोसिएशन की पुरानी आठ सूत्री मांग पर सरकार के साथ हमारा आंदोलन लगातार जारी रहेगा। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में राजद विधायक शंभूनाथ यादव उपस्थित थे। उन्होंने डीलरों की मांग को उचित बताते हुए भरोसा दिलाया कि आगामी विधानसभा सत्र में इस मांग को सदन के पटल पर मजबूती से रखा जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राष्ट्रीय जनता दल डीलरों के साथ हमेशा खड़ा रहेगा। जिला सम्मेलन में प्रदेश महामंत्री वरुण कुमार सिंह ने डीलरों के हित में जारी लड़ाई पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार के समक्ष आठ सूत्री मांग को मजबूती से रखा गया है। उन्होंने कहा कि जो सरकार डीलरों के दर्द को समझेगा हम सब उसके साथ हैं। जिला सम्मेलन में जीत नारायण को एसोसिएशन का अनुमंडल अध्यक्ष बक्सर तथा भुटेश्वर सिंह को अनुमंडल अध्यक्ष डुमरांव के रूप में चयन किया गया। हीरालाल वर्मा जिला सचिव तथा रमेश यादव प्रखंड अध्यक्ष चक्की बने। इस मौके पर वीरेंद्र श्रीवास्तव, छितेश्वर गोड़, कुंदन सिंह, शिवचंद सिंह, पारसनाथ सिंह, बसंत राय, मुकेश त्रिपाठी, शैलेंद्र सिंह, धीरेंद्र तिवारी, सुनील सिंह, देवमुनी राम, अजय राम, नंदजी गोस्वामी, नर्वदेश्वर उपाध्याय, लालसाहेब सिंह आदि उपस्थित थे।

जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने की अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक

जहानाबाद। जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे एवं पुलिस अधीक्षक, अरविंद प्रताप सिंह के द्वारा आगामी अनंत चतुर्दशी ,हजरत मोहम्मद पैगंबर साहेब के जन्म दिवस तथा विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर विधि व्यवस्था एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर संयुक्त बैठक की गई। मखदुमपुर प्रखंड के ,बराबर के पहाड़ी पर अनंत चतुर्दशी को सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं का बड़ी संख्या में आगमन होता है ,साथ ही , इस अवसर पर आयोजित मेले में भी बड़ी संख्या में ,लोगों का आगमन होता है। इस दौरान विधि व्यवस्था ,सफाई ,आने जाने के रास्ते प्रशस्त रहे, मेडिकल की व्यवस्था सुचारू रहे एवं सभी मुख्य बिंदुओं पर सिविल दंडाधिकारी पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की समुचित व्यवस्था रहे, इन सभी विषयों पर विमर्शों परांत निर्देश जारी किए गए हैं। जिसमें मंदिर परिसर में आने -जाने के लिए ,आगमन एवं निर्गमण के रास्ते तयशुदा होंगे ,इसके अतिरिक्त अन्य मार्गो से श्रद्धालुओ का आना-जाना वर्जित होगा, इसे सुनिश्चित करने के लिए अंचल अधिकारी को बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। वहीं, इस दौरान, मंदिर प्रांगण की तरफ जाने के लिए सीढ़ियों की शुरूआत ,जहां से होती है, वहां से मंदिर प्रांगण तक, किसी भी तरह के दुकान लगाने की इजाजत नहीं होगी। अंचल अधिकारी, मखदुमपुर एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, मखदुमपुर को तीन महत्वपूर्ण स्थानो पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। आयोजन के दौरान, तीन मेडिकल पॉइंट बनाए जाने हैं ,जहां समुचित डॉक्टर, नर्सों की व्यवस्था होगी ,साथ ही मेडिकल उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश, सिविल सर्जन, जहानाबाद को दिया गया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी ,मखदुमपुर अपने निगरानी में सभी मेडिकल उपकरणों की मेडिकल टीम के साथ पूर्व में ही जांच कर लेंगे।

बक्सर जिले के उत्पाद अधीक्षक निलंबित, मिलेगा जीवन यापन भत्ता

बक्सर। जिसके कंधे पर शराब के अवैध कारोबार को रोकने का जिम्मा था। वहीं शराब तस्करों की मदद कर रहा था। यह आरोप लगा है बक्सर के उत्पाद अधीक्षक दिलीप पाठक पर। पुलिस ने उन्हें शराब के एक केस में अप्राथमिकी अभियुक्त बना दिया है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने उन्हें निलंबित कर दिया है। शुक्रवार को इस आशय का पत्र राज्य के उप सचिव नीरज कुमार ने जारी किया है। जिसमें कहा गया है। बक्सर पुलिस ने दिलीप पाठक को औद्योगिक थाना कांड संख्या 132/24 में आरोपी बनाया है। इस वजह से उन्हें निलंबित किया जा रहा है। इस अवधी में उनका मुख्यालय मुजफ्फरपुर होगा। और उन्हें जीवन-यापन भत्ता मिलेगा।

जारी पत्र में यह भी कहा गया है कि नौ अगस्त 2024 से ही वे बगैर अनुमति के अवकाश पर हैं। जो एक गंभीर अपराध है। सूचना के शराब लदे वाहन बिहार प्रदेश की सीमा में 21 जून को दाखिल हुए थे। जहां उत्पाद विभाग का चेकपोस्ट बना हुआ है। ड्यूटी पर मौजूद कर्मियों ने उन वाहनों को रोका नहीं। लेकिन, इसकी सूचना किसी ने पुलिस को दे दी। यह मामला देर रात का था। तुरंत ही एसपी ने वहां सदर डीएसपी को भेजा। वहां ड्यूटी में तैनात दो होमगार्ड के सिपाही इस आरोप में गिरफ्तार कर लिए गए। और जांच चली तो उत्पाद अधीक्षक दिलीप पाठक की संलिप्तता भी इसमें सामने आई। जिसके कारण यह कार्रवाई हुई है।

प्रखंड मुख्यालय से गांव तक जाने के लिए सड़क तक नहीं है, ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त

सूरत-ए-हालः आजादी के बाद छतनवार श्रीरामपुर को नहीं मिली पक्की सड़क

♦ बड़ी आबादी वाला गांव अब गांव छोड़ने पर भी बस,रास्ते के लिए तरस रहे ग्रामीण

♦ चुनावी मुद्दाबना चुका है मुद्दा, विभागीय अधिकारी से लेकर स्थानीय विधायक भी परिचित फिर भी निर्माण नही

केटी न्यूज/डुमरांव

पंचायत मुखिया ने ग्रामीण कार्य विभाग को भी दिया आवेदन



डुमरांव प्रखंड मुख्यालय से महज छह किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत छतनवार के लोग सड़क सुविधा से वंचित है। प्रखंड मुख्यालय से लगे इस गांव तक जाने के लिए सड़क तक नहीं है। यह समस्या आजादी के बाद से है। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की दिशा में प्रशासनिक स्तर से लेकर स्थानीय विधायक के स्तर पर भी सड़क के लिए गुहार लगाए है। लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। ग्राम पंचायत छतनवार से श्रीरामपुर होते हुए लगभग 1.5 किलोमीटर तक ग्रामीणों को अपने पंचायत में जाने के लिए मुख्यपथ आज तक नही बना। अधिक आबादी वाला यह पंचायत सड़क के कारण अपने घरों में ताला बंद कर डुमरांव बक्सर एवं कृष्णाब्रह्म इलाके में रहना शुरू कर दिए है।इस गांव के लोग आज भी पुराने कच्चे मार्ग से ही आना-जाना करते हैं। गांव के बच्चे, बुजुर्ग, महिला- पुरुष को यदि गांव से बाहर स्कूल, अस्पताल, प्रखंड मुख्यालय या कहीं भी जाना है तो इन ग्रामवासियों को गांव की किसी कच्ची सड़क से गुजरना होता है। बाकी मौसम में तो लोग किसी प्रकार से निदान कर लेते हैं। लेकिन बारिश के मौसम में इस कच्चे रास्ते से निकलना मुमकिन ही नहीं नामुमकिन होता है। इस मार्ग पर हल्की बारिश में भी कीचड़ लग जाता है।

ग्रामीणों की समस्या से प्रशासन एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि को कोई सरोकार नहीं : 1.5 किलोमीटर तक कच्चे रास्ते में जगह-जगह पानी कीचड़ ,गड्ढे से चलना आसान नहीं रहता। मुखिया शशिकांत सिंह के अनुसार पंचायत से रामपुर मार्ग तक जाने वाले रास्ते आज भी कच्चे है। कई वर्षों से लोगों की मांग सड़क सुधार को लेकर रही है पर ग्रामीणों की तकलीफों से मानो प्रशासन और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को कोई सरोकार ही ना है।

पंचायत मुखिया ने सड़क निर्माण के लिए ग्रामीण कार्य विभाग को दिया आवेदन : ग्राम पंचायत छतनवार के मुखिया शशिकांत सिंह के द्वारा सड़क निर्माण के लिए डुमरांव प्रमंडल के ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता को आवेदन देकर गुहार लगाया है। यह आवेदन मुखिया के द्वारा दो बार दिया जा चुका है। लेकिन विभागीय अधिकारी के द्वारा आवेदन के आलोक में कोई ठोस कदम तक नहीं उठाया गया। इससे पूर्व स्थानीय विधायक भी इस सड़क से परिचित है।

बारिश में आना जाना ग्रामीणों के लिए दुर्लभ : ग्रामीणों ने बताया वर्तमान समय मे बारिश हो रहा है। मार्ग की हालत इतनी खराब हो जाती है कि लोग अपना जरूरी काम करने के लिए भी गांव से बाहर नहीं जा पा रहे। यहां के ग्रामीणों की यह समस्या कोई आज की नहीं है बल्कि वर्षों की है एक तरफ तो प्रशासन और जनप्रतिनिधि जिले में सड़क विकास का ढिंढोरा पीट रहे हैं और दूसरी ओर प्रखंड मुख्यालय के नजदीक ग्रामीणों को चलने के लिए सड़क तक नसीब नहीं है।

चुनाव में बनेगा मुद्दा

पंचायत के ग्रामीणों ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान यह सड़क ही हमारी मुख्य मांग होगा। जीते हुए प्रतिनिधि कभी भी ग्रामीणों की तकलीफ को नहीं समझते हैं। जबकि हमलोगों के वोट के बदौलत पूरे ठाट-बाट के साथ रहते है। लेकिन इस बार हम छतनवार के लोग वोट की ताकत को दिखाएंगे।

कच्ची सड़क के रास्ते प्रखंड एवं अनुमंडल मुख्यालय जाते है ग्रामीण

इस मार्ग के निर्माण हो जाने से आधा दर्जन गांवों से सीधा संपर्क हो जाएगा। सरकार भी इस तरह के कार्य पर विशेष नजर दे रही है लेकिन स्थानीय अधिकारी के द्वारा आवेदन के बावजूद भी इस प्रकार के कच्ची मार्गों का डीपीआर तक नहीं तैयार किया जा रहा है। इस गांव के ग्रामीण मुख्यालय जाने के लिए या कहीं भी जाने के लिए इन्हें 1.5 किलोमीटर का कच्चा रास्ता तय करना होता है। उसके बाद मुख्य सड़क आती है। लेकिन इस 1.5 किलोमीटर सड़क का निर्माण आज तक नहीं होने से ग्रामवासियों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सबसे अधिक समस्या बारिश में होती है। बारिश में पूरा रास्ता दलदल युक्त हो जाता है। जहां से पैदल निकलना भी मुश्किल है। पूरे कच्चे रास्ते में गड्ढे पानी का भराव मिट्टी के कारण निकलना आसान नहीं होता है। वही जरूरत पड़ने पर या कोई आपात स्थिति हो जाने पर चारपाई ही एक सहारा होता है। इस मार्ग पर बरसात के दिनों में वाहन के चक्के मिट्टी में धस जाते है। गर्भवती महिलाओं को सबसे अधिक समस्या होता है।

मचा कोहराम : मां के सामने ही डूबी किशोरी, एक घंटे बाद मिला शव

सिमरी। एक किशोरी अपने मां के सामने ही गंगा में डूब गई। घटना के बाद गंगा घाट पर अफरा तफरी मच गई। करीब एक दर्जन ग्रामीण गोताखोर तत्काल उसकी तलाश में गंगा में उतरे। एक घंटे के बाद गोताखोरों ने शव को खोज निकाला, लेकिन तबतक बहुत देर हो चुकी थी। उसका शव देख मां समेत पूरा परिवार फफक पड़ा। घटना शनिवार की शाम करीब पांच बजे तिलक राय के हाता ओपी क्षेत्र के लाल सिंह के डेरा के पास स्थित गंगा घाट की है। किशोरी की पहचान इसी ओपी क्षेत्र के दली बाबा के डेरा निवासी जितेन्द्र यादव की 12 वर्षीय पुत्री निराशा कुमारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार वह अपने मां तथा अन्य परिजनों के साथ कर्मा-धर्मा पर्व के तहत गंगा स्नान करने गई थी। इधर शनिवार से ही गंगा का जल स्तर काफी तेज रफ्तार से बढ़ रहा है और धार भी तेज हो गई है। उक्त किशोरी जैसे ही नहाने के लिए गंगा में उतरी की तेज धार में बह गई। हालांकि, ग्रामीण गोताखोरों ने तत्काल शव की तलाश शुरू कर दी, लेकिन शव एक घंटे बाद बरामद हुआ। घटना के बाद गंगा घाट पर सैकड़ो की भीड़ जुट गई थी। वही, परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था।

खेल महोत्सव के तहत फुटबॉल मैच संपन्न

केटी न्यूज/जहानाबाद



आपसी सद्भाव बढ़ाने एवं फुटबॉलरों का जनरेशन तैयार करने को लेकर अंडर 14 एवं अंडर 17 का फुटबॉल गांधी स्मारक इंटर विद्यालय में मैच कीड़ा भारती द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मगध फुटबॉल एकेडमी जहानाबाद के चेयरपर्सन सह बिहार फुटबॉल संघ के उपाध्यक्ष राजीव कुमार रंजन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया । साथ ही कहा कि अंडर 14 एवं अंडर 17 उम्र के खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल प्रतियोगिता कराने से फुटबॉलरों का नया जेनरेशन तैयार होगा। इसमें अन्य संस्थाओं के अलावे निजी विद्यालयों द्वारा फुटबॉल टीम तैयार कर इस तरह की प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। जिससे कि बच्चों को मानसिक एवं शारीरिक विकास का लाभ मिल सके । मैच की शुरूआत कैनात इंटरनेशनल स्कूल काको बनाम फुटबॉल टीम बौरी के बीच अंदर 14 का मैच खेला गया। जिसमें काको की टीम जीरो के मुकाबले चार गोल से विजई हुई। मैच में सोनका कुमार, अंकित कुमार, गोलू, अर्णव कुमार का प्रदर्शन बेहतर रहा।



अनंत चतुर्दशी, विश्वकर्मा पूजा एवं हजरत मोहम्मद पैगंबर साहब की जन्म दिवस को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

डीएम ने जारी किया दिशा निर्देश, अधिकारियों को दी चेतावनी

केटी न्यूज/जहानाबाद

जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे एवं पुलिस अधीक्षक, अरविंद प्रताप सिंह के द्वारा आगामी अनंत चतुर्दशीबबाबब,हजरत मोहम्मद पैगंबर साहेब के जन्म दिवस तथा विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर विधि व्यवस्था एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर संयुक्त बैठक की गई।

मखदुमपुर प्रखंड के बराबर के पहाड़ी पर अनंत चतुर्दशी को सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं का बड़ी संख्या में आगमन होता है। साथ ही, इस अवसर पर आयोजित मेले में भी बड़ी संख्या में लोगों का आगमन होता है। इस दौरान विधि व्यवस्था, सफाई, आने जाने के रास्ते प्रशस्त रहे, मेडिकल की व्यवस्था सुचारू रहे एवं सभी मुख्य बिंदुओं पर सिविल दंडाधिकारी पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की समुचित व्यवस्था रहे।



इन सभी विषयों पर विमर्शों परांत निर्देश जारी किए गए हैं:

1. मंदिर परिसर में आने -जाने के लिए, आगमन एवम् निर्गमण के रास्ते तयशुदा होंगे, इसके अतिरिक्त अन्य मार्गो से श्रद्धालुओ का आना-जाना वर्जित होगा, इसे सुनिश्चित करने के लिए अंचल अधिकारी को बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।

2. इस दौरान, मंदिर प्रांगण की तरफ जाने के लिए सीढ़ियों की शुरूआत ,जहां से होती है, वहां से मंदिर प्रांगण तक, किसी भी तरह के दुकान लगाने की इजाजत नहीं होगी।

3. अंचल अधिकारी, मखदुमपुर एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, मखदुमपुर को तीन महत्वपूर्ण स्थानो पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया है।

4. आयोजन के दौरान, तीन मेडिकल पॉइंट बनाए जाने हैं ,जहां समुचित डॉक्टर, नर्सों की व्यवस्था होगी ,साथ ही मेडिकल उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश, सिविल सर्जन, जहानाबाद को दिया गया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी ,मखदुमपुर अपने निगरानी में सभी मेडिकल उपकरणों की मेडिकल टीम के साथ पूर्व में ही जांच कर लेंगे।

5. खानपान की दुकानों पर अत्यधिक भीड़ होती है एवं खाद्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए फूड इंस्पेक्टर को लगातार जांच करते रहने की जिम्मेवारी दी गई है।

6. कार्यपालक अभियंता ,विद्युत संचरण एवं अग्निशमन पदाधिकारी इस दौरान क्रमशः,विद्युत तारों एवं विद्युत उपकरणों संबंधित सुरक्षा नियमों का अनुपालन कराएंगे तथा आग लगने की स्थिति से निपटने के लिए अग्निसमन की टीम पूरी तरह से तैयार रहेगी। पुलिस अधीक्षक, अरविंद प्रताप सिंह के द्वारा आगामी तीनों त्योहारों के लिए पर्याप्त, पुलिस बलों की प्रति नियुक्ति को सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

पारिवारिक कलह से तंग आकर नवविवाहिता ने लगाई फांसी, प्राथिमकी दर्ज

- परिजनों ने दहेज के लिए ससुराल वालों पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

केटी न्यूज/छपरा



फाइल फोटो।

जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र नगरी में शनिवार को नवविवाहिता की फांसी लगाकर हत्या कर दी गई। मृतका का शव घर के कमरे में पंखे के कुंडी से लटका मिला। घटना को लेकर परिवार वालों में अफराझतफरी मची रही। इधर मृतका के मायके वालों ने पति और ससुराल वालों पर सोने की चेन के लिए फांसी लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। वहीं ससुर ने खुदकुशी करने की बात कही है।

मृतका चरपोखरी थाना क्षेत्र के नगरी गांव निवासी पंकज पासवान का 26 वर्षीय पत्नी अंशु देवी है। घटना की जानकारी देते मृतका की चाचा सोनू कुमार ने बताया की वो अपनी भतीजी अंशु की शादी 23 अप्रैल 2024 में पूरे लेनदेन के साथ हिंदू रीति रिवाज के साथ चरपोखरी थाना नगरी गांव निवासी दिनेश कुमार के इकलौते पुत्र पंकज पासवान से की थी। शादी के एक महीने के बाद से पति और ससुराल वालों के द्वारा सोने की सिकड़ी, सोफा की मांग किया जाने लगा। इसे लेकर लेकर उनकी भतीजी के साथ प्रताड़ित किया जाने लगा। उन लोगों ने ना ही मां से ना ही मायके के रहने वाले किसी भी सदस्य से बात करने नही दिया जाता था।

सोने की चेन के लिए पति बना रहा था दबाव: एक सप्ताह पूर्व उसकी तबियत खराब थी, लेकिन उसके बाद भी ससुराल वाले ने दबाव बनाकर काम करवाते थे। चाचा सोनू ने बताया की पति के द्वारा सोने की चेन की मांग करने पर उनके पिता ने कहा की थी कुछ दिन में पैसा आने के बाद हम देंगे, लेकिन पति के द्वारा बराबर दबाव बनाया जा रहा था। आज अंशु के ससुराल वालों के द्वारा फोन आया की आपकी बेटी ने सुसाइड कर ली है। जैसे ही घटना की जानकारी मिली तो हमलोग उसके ससुराल पहुंचे और देखा की उसका शव को बेड पर सुलाया गया। वहीं, दूसरी ओर मृतका के चाचा सोनू ने सोने की चेन के लिए पति और ससुराल वालों पर फांसी लगाकर हत्या का आरोप लगाया है। इधर, मृतका अंशु के ससुर दिनेश कुमार ने बताया की मेरी बहु खुद से पंखे से लटककर खुदकुशी की है। शादी होने के बाद अपने गांव के किसी लड़के से फोन पर बात करती थी। हम लोगों ने इसकी शिकायत उसके पिता शंकर पासवान से की थी। जिसकी रिकॉर्डिंग मेरे पास है। उन्होंने कहा था कि अंशु को समझाते है आगे से ऐसी हरकत नहीं करेगी। इसके बाद भी बहु अंशु से बात करती थी। जो आरोप मायके वालों के द्वारा लगाया जा रहा है वो गलत है। बताया जाता है की अंशु अपने दो भाई आयुष और पीयूष से बड़ी है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है।

खबरें फटाफट

स्कोर्पियो के चपेट में आने से युवक की मौत

छपरा। छपरा में स्कॉर्पियो की चपेट में आने से घायल युवक की मौत इलाज के दौरान शनिवार को हो गई। घटना गड़खा क्षेत्र की अख्तियारपुर चौक के पास की है। वहां से घायल युवक को स्थानीय लोगों और डायल 112 की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया था। मृतक की पहचान भेल्दी थाना क्षेत्र के जाफरगंज सराय बॉक्स गांव निवासी मनु सिंह के रूप में हुई है। घटना की जानकारी पुलिस ने परिजनों को दी गई। सदर अस्पताल में पहुंचे परिजन को मौत की सूचना पर दहाड़ मारकर रोने लगे। परिजनों ने बताया कि मृतक मनु छपरा के घर को लौट रहा था। हादसे की सूचना मिलने पर वो पहुंचे।

शराब की खेप जब्त एक गिरफ्तार

कैमूर। रामगढ़ पुलिस ने हरियाणा से पटना ले जाया जा रहे शराब के एक बड़ी खेत को पकड़ा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए रामगढ़ थाना अध्यक्ष रामजी प्रसाद ने बताया कि सूचना मिली थी कि यूपी की तरफ से एक हुंडई कर रामगढ़ की सीमा में प्रवेश कर रही है जिसमें भारी मात्रा में शराब पटना ले जाया जा रहा है। पुलिस ने कार का पीछा कर उसे धनवतीया गांव के समीप दबोचा। जांच के दौरान गाड़ी के अंदर से लगभग 236.25 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुआ। वहीं कार में मौजूद एक ड्राइवर था, जिसने अपना नाम विक्की पिता महावीर ग्राम गोली मांजरा जिला करनाल हरियाणा का रहने वाला है और यह शराब की खेप हरियाणा से पटना लेकर जा रहा था। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

दुष्कर्म मामले का अभियुक्त गिरफ्तार

दावथ। सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव में 12 सितंबर को एक 9 वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है । जिस मामले में दुष्कर्म की घटना की सूचना सूर्यपुरा पुलिस को मिली। उक्त मामले में त्वरित संज्ञान लेते हुए सूर्यपुरा थाना में मामला दर्ज किया गया। तत्पश्चात एफएसएल टीम ने सैंपल कलेक्शन किया गया। साथ ही, 24 घंटे के अंदर पुलिस ने उक्त मामले के अभियुक्त थाना क्षेत्र अंतर्गत बारी मोहल्ला सूर्यपुरा निवासी स्व. शिवजी पासवान के बेटे धर्मवीर पासवान को गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष कंचन राज ने दी।

नगर रामलीला समिति ट्रस्ट की आवश्यक बैठक शनिवार को संभावना स्कूल में संपन्न

राम भक्त कभी विध्वंसक नहीं हो सकता हमारा समाज सृजन में विश्वास: डॉ. अर्चना

- अवधेश कुमार पांडेय ने ट्रस्ट के उद्देश्य और तथ्यों को कार्यकारिणी के सामने रखा
- पूरी पारदर्शिता के साथ इस संस्था का संचालन होगा : सचिव

केटी न्यूज/आरा



नगर रामलीला समिति ट्रस्ट की आवश्यक बैठक शनिवार को स्थानीय संभावना स्कूल के जुबली हॉल में हुई। अध्यक्षता नगर रामलीला समिति ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह एवं संचालन अवधेश कुमार पाण्डेय ने किया। संचालन करते हुए अवधेश कुमार पांडेय ने ट्रस्ट के उद्देश्य और तथ्यों को कार्यकारिणी के सामने रखा। इस मौके पर नगर रामलीला समिति ट्रस्ट की अध्यक्ष

डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कि किसी भी संस्था को पूर्णता, स्थायित्व देने एवं नियम-कानून से चलाने के लिए बनाते हैं। मैंने नगर रामलीला समिति को ट्रस्ट बनाकर पूर्णता देने का प्रयास किया। सनातन को आगे बढ़ने का कार्य किया। ट्रस्ट का बैंक अकाउंट खोला, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। यही बात विरोधियों को आंख में लग गई और वे प्रोपगंडा चलाने लगे। आज सनातन के नाम पर बुलंदियों पर जाने वाले लोग का चाल, चरित्र और चेहरा उजागर हो गया है। वे कभी पर्दे के सामने और कभी पर्दे के पीछे रहकर खेल-खेल रहे हैं। जनता उनकी लीला देख रही है।

18 दिन के कार्यक्रम के लिए नहीं बना ट्रस्ट : उन्होंने कहा नगर रामलीला समिति ट्रस्ट सिर्फ 18 दिवसीय कार्यक्रम के लिए नहीं बना है। बल्कि ट्रस्ट के तत्वावधान में रामलीला मैदान में सालोंभर धार्मिक व अन्य तरह की गतिविधियां होती रहेगी। जिसे भोजपुर की जनता देखेगी। ट्रस्ट के सचिव विष्णु शंकर ने कहा कि पहले पांच लोग ही अपने पाकेट की तरह नगर रामलीला समिति की संस्था को चला रहे थे। राम सबके है न कि पांच लोगों के। अब ट्रस्ट बन गया है पूरी पारदर्शिता के साथ इस संस्था का संचालन होगा। उन्होंने अपने उपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वे वर्ष 2014 से नगर रामलीला समिति से जुडे हुए हैं। उनके पास लेटर और सदस्यता रसीद का प्रमाण पत्र है। जो लोग आरोप लगा रहे हैं। उनके पास ही कोई प्रमाण नहीं है। उपाध्यक्ष शंभु चौरसिया ने कहा कि प्रभु श्री राम ने राजमहल त्याग कर वनवास धारण किया था। अर्चना सिंह के नेतृत्व में पिछले साल काफी अच्छे तरीके और अनुशासित तरीके से रामलीला का आयोजन हुआ। जिसको लेकर श्री रामनवमी शोभायात्रा समिति द्वारा इन्हें सम्मानित किया गया था। मैं पिछले 25 सालो से शोभा यात्रा सम्पन्न करा रहा हूं। नगर रामलीला समिति ट्रस्ट को रामलीला के अलावे धर्म का कार्य, गरीब बच्चियों की शादी समेत अन्य तरह के कार्य कराना हैं। इसमें सभी सनातनी भाई सहयोग करें। धन्यवाद ज्ञापन रंगकर्मी सह ट्रस्टी ओपी कश्यप ने किया।

बैठक में नगर रामलीला समिति ट्रस्ट के डॉ. कुमार द्विजेंद्र, राम कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, हरेंद्र यादव, कृष्ण कुमार, ओपी कश्यप, अविनाश कुमार यादव उर्फ लड्डू यादव, अविनाश कुमार (सेवानिवृत डीएसपी), मिथलेश रंजन, मनोज सिंह, अरविंद कुमार सिंह (अधिवक्ता), ऋषिकेश ओझा, सोनू सिंह, अमित सिंह गौतम, अनिरुद्ध सिंह, प्रकाश बजरंगी, रविश, राहुल राय, अमन, गोविंद तिवारी, शशिभूषण समेत कई लोग मौजूद थे।

मुझे राजनीति में आने की कोई इच्छा नहीं

डॉ. अर्चना ने कहा कि मुझे राजनीति में आने की कोई इच्छा नहीं है। ना ही मैंने आज तक किसी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ली है। मुझे भविष्य में भी राजनीति में नहीं जाना है। हमारे खून में सृजन है। हमारे माता-पिता ने सृजन का पाठ पढ़ाया है। हम देश और समाज को जोड़ने में विश्वास रखते हैं। ना कि विध्वंस करने की तरकीब सोचते हैं। हम अपने विद्यालय में बच्चों को समाज और देश को बढ़ाने का गुर सिखाते हैं। कुछ लोग बोलते चलते हैं कि उनके दोनों हाथ में लड्डू है। तो वे अपने लड्डू खुद खाते रहे और अपने परिवार को खिलाते रहे। रामलीला मैदान में भगवान राम, सीता और हनुमान का फोटो युक्त होडिंग फाडना और गेट पर ताला जड़ना। यह घृणात्मक कार्य है। इससे पूरा सनातन समाज द्रवित और दुखित है। रामलीला मैदान के अस्तित्व की लड़ाई अधिवक्ता राय जी के काफी परिश्रम से मिली है। इसलिए मैं नहीं चाहती कि इस बार रामलीला में किसी तरह का व्यावधान हो। चंद लोग सौहार्दपूर्ण माहौल बिगड़कर हिंदुओं और सनातन धर्मावलंबियों को बांटना चाह रहे हैं। हम उनकी मनसा को पूरा नहीं होने देंगे।

भोजपुर में सड़क हादसे में जख्मी वृद्ध महिला की मौत

केटी न्यूज/आरा

- कुसहा टोला फॉल के समीप मंगलवार की शाम घटी थी घटना
- घर पर ही इलाज के दौरान तोड़ा दम

भोजपुर जिले में हुए सड़क सड़क हादसे में जख्मी वृद्ध महिला के मौत हो गई। इलाज के दौरान घर पर ही शुक्रवार की मध्य रात्रि उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतका धनगाई थाना क्षेत्र के कुसहा टोला निवासी भिखारी चौधरी की 60 वर्षीया पत्नी सुरती देवी है।

इधर मृतका के पति भिखारी चौधरी ने बताया कि बीते मंगलवार की शाम वह अपने गांव में ही शौच करने के लिए जा रही थी। उसी दौरान पीछे से आ रही बेलगाम ट्रक ने उन्हें रौंद दिया था। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। जिसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया था। जिसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए पटना ले गए थे। लेकिन दो दिन बाद ही वह उन्हें पटना से वापस अपने घर ले आए थे। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार की मध्य रात्रि उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके पश्चात परिजन द्वारा इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतका को तीन पुत्री मूली,इंदु ,बिंदा व दो पुत्र फूनी एवं दिलीप है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतका के परिवार का सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

उत्क्रमित कन्या स्कूल में आयोजित एक वर्ड मेमोरी प्रतियोगिता में छात्राओं ने मारी बाजी

- छात्राओं ने कठिन शब्दों का किया प्रयोग

केटी न्यूज/काराकाट



काराकाट प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय मोथा में अंग्रेजी शिक्षक विनोद कुमार तिवारी एवं प्लस 2 के संगीत शिक्षक डॉ सिमरनजीत सिंह के द्वारा विद्यालय में एक वर्ड मेमोरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रधानाध्यापक नौशाद खान व प्रभारी प्रधानाध्यापक पंकज कुमार राय शामिल थे। कक्षा 9 (अ) और 9 (इ) के बच्चों के बीच मुकाबला खेला गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। जिसमें कक्षा 9 (अ) की छात्रा अंजली पाण्डेय, अंजली कुमारी, अर्चना पाण्डेय, अंशु कुमारी, खुशी कुमारी विजई रही। वहीं कक्षा 9 (ब) के छात्र अमन कुमार, सूरज कुमार, गोविंद पाण्डेय, आशीष पाण्डेय, बालकृष्ण उपविजेता रहे। मौके पर शिक्षक अजय कुमार, श्रीराम प्रसाद, अभिषेक राय, विजय शंकर पाण्डेय, जितेंद्र कुमार, प्रभाकर प्रसाद, रानी कुमारी, अशोक यादव, अर्चना कुमारी, कुमारी विभा उपस्थित थे।

बच्चों ने कई कठिन शब्द एंटीडिसइस्टेब्लिशमेंटेरियनिज्म, सुपरकैलिफ्रैगिलिस्टिकएक्सपियालि डोसियस जैसे आदि एक शब्दों का प्रयोग किया। विद्यालय के अंग्रेजी शिक्षक विनोद कुमार तिवारी ने कहा कि हमारे विद्यालय के बच्चों ने पूरी डिक्शनरी को याद करने का प्रण लिया है। यह बच्चे अंग्रेजी सीख कर पूरे विश्व में अपना वर्चस्व कायम करेंगे तथा अपने बिहार का नाम रौशन करेंगे। अंग्रेजी भाषा को लेकर जो सरकार का प्रयास है वह काफी तारीफ के योग्य है। उन्होंने बताया की अगस्त में बिहार शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ के नेतृत्व में कक्षा एक से लेकर बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं को एफ एल एन किट उपलब्ध कराया गया था। जिसमें नवमी और दसवीं के बच्चों को स्कूल एटलस, ग्राफ बुक, पेन, बॉक्स तथा ऑक्सफोर्ड मिनी डिक्शनरी दिया गया था।

रोहतास जिलाधिकारी ने सभी फरियादियों को बारी-बारी से बुलाकर उनकी समस्याओं को सुना

जर्जर मकान में रह रही कलावती को डीएम की पहल मिलेगा आवास

- डीएम के जनता दरबार में बड़ी संख्या में पहुंची महिलाएं

केटी न्यूज/सासाराम



शनिवार को बड़ी संख्या में महिला फरियादी अपनी फरियाद लेकर जिलाधिकारी उदिता सिंह के पास पहुंची। जिलाधिकारी ने सभी फरियादियों को बारी-बारी से बुलाकर उनकी समस्याओं को सुना और इनपर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। सासाराम के मुरादाबाद गांव की निवासी कलावती कुंवर बताती हैं कि उनके पति के देहांत के बाद अब वे भीख मांग कर अपना गुजर-बसर कर रही हैं। उनके पास जर्जर स्थिति में एक घर है, जो अब रहने लायक नहीं है। आवास मुहैया कराने को लेकर कलावती कुंवर आज जनता दरबार में फरियाद लेकर पहुंची थी। जिलाधिकारी उदिता सिंह ने उनके आवेदन को संज्ञान में लेते हुए संबंधित विभाग के पदाधिकारी को उक्त मामले में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

समरडीहा निवासी बिंदा देवी विकलांग हैं और पति के साथ भीख मांग कर किसी तरह अपना और अपने परिवार का गुजर-बसर कर रही हैं। वे बताती हैं कि एक सड़क दुर्घटना में धक्का लगने से उनके पति का शरीर काम करने में असमर्थ हो गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें आवास बनाने के लिए सरकार के द्वारा भूमि और ट्राई साइकिल मुहैया कराई जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के पदाधिकारी और सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

करन सराय मोहल्ला के निवासी राजकुमारी देवी ने बताया कि वे बेहद गरीब हैं और भीख मांग कर परिवार का जीवन निर्वहन कर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास रहने को घर नहीं है और ना ही राशन कार्ड है। उन्होंने जिलाधिकारी से घर बनाने हेतु भूमि उपलब्ध कराने और राशन कार्ड बनवाने के संबंध में आवेदन दिया है। जिलाधिकारी ने लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को इस मामले में कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। दिनारा थाना अंतर्गत रेही गांव की निवासी शिमला देवी बताती हैं कि जमरोठ पंचायत अंतर्गत स्वच्छता पर्यवेक्षक के पद पर जिस महिला का बहाली पूर्व में हुआ था, गलत सर्टिफिकेट के कारण उनकी बहाली रद कर दी गई थी और उसके उपरांत प्रखंड एवं जिला समन्वय पदाधिकारी के द्वारा मेरे नाम को स्वच्छता पर्यवेक्षक के तौर पर बहाली करने के लिए प्रेषित किया गया था। लेकिन जिनका सर्टिफिकेट गलत था उसी महिला को स्वच्छता पर्यवेक्षक के तौर पर रख लिया गया है। जिलाधिकारी ने उक्त मामले में उप विकास आयुक्त को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

एक नजर

राजस्व संबंधी मामलों में जिले की रैंकिंग में व्यापक सुधार की आवश्यकता: डीएम



छपरा। डीसीएलआर और अंचल अधिकारियों के साथ बैठक में जिलाधिकारी ने राजस्व संबंधी मामलों में जिले की रैंकिंग पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने प्रत्येक अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से रैंकिंग बेहतर करने के लिए रणनीतिक रूप से काम करने के निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि दस पैरामीटर हैं जिनके आधार पर सीओ की रैंकिंग की जाती है और उसके बाद जिले को रैंकिंग मिलती है। डीएम ने प्रत्येक सीओ को निर्देश दिया कि जिस क्षेत्र में रैंकिंग सबसे ज्यादा प्रभावित है, उस क्षेत्र पर काम करें।जिसमें अतिक्रमण, भूमि सर्वेक्षण, म्यूटेशन आदि शामिल हैं। उन्होंने सभी सीओ और डीसीएलआर को अभियान बसेरा के लिए जमीन तलाशने का निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, डीएम ने अधिकारियों को बंजर भूमि की तलाश करने के भी निर्देश दिए, जिसे वन विभाग को वृक्षारोपण के लिए आवंटित किया जा सके।अधिकारियों को आपदा राहत से संबंधित अगस्त माह तक के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश भी दिए गए।

हिंदी दिवस के मौके पर लायंस क्लब ने आयोजित की भाषण प्रतियोगिता



छपरा। सामाजिक संगठन लायंस क्लब छपरा टाउन के द्वारा सेंट जोसेफ एकेडमी स्कूल में हिंदी दिवस के मौके पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे सेंटर पब्लिक स्कूल, कास्टरब्रिज पब्लिक स्कूल, सेट जोसेफ एकेडमी छपरा और गरखा स्कूल, सेंट माईकल गरखा, विशेश्वर सेमिनरी स्कूल के बच्चो ने भाग लिया। लायंस अध्यक्ष विकास गुप्ता ने बताया कि हिंदी दिवस के मौके पर लायंस क्लब के द्वारा राष्ट्र भाषा का महत्व के सारांश पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे बच्चो के द्वारा एक से बढ़ के एक बातों को भाषण के माध्यम से प्रस्तुत किया, इसका मुख्य उद्देश्य बच्चो को एक मंच देना है जिससे युवा बच्चे बच्चियों के नेतृत्व क्षमता सहयोग एवं सहकारिता की भावना का विकास एवं स्कूल की सह-शैक्षणिक कार्यक्रमों में रुचि एवं अपनत्व की भावना का विकास करना है। कार्यक्रम में लायंस सदस्य राखी गुप्ता, कुंवर जयसवाल, मयंक जयसवाल, गोविंद सोनी, आदि मौजूद रहे।

दिघवारा में जनसुराज कार्यवाहक समिति घोषित



छपरा। दिघवारा प्रखंड कार्यवाहक समिति की घोषणा जनसुराज सारण के संयोजक प्रियरंजन युवराज की उपस्थिति में जिला अध्यक्ष बच्चा प्रसाद राय ने किया। इस अवसर पर सभा को सम्बोधित करते हुए प्रियरंजन युवराज ने कहा कि आगामी 2 अक्टूबर को जनसुराज पार्टी का गठन पटना के धरती पर किया जाना है। जिसमें दिघवारा प्रखंड से भारी संख्या में जनसुराजी साथियों को चलना है तथा नया बिहार बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करना है। बिहार में अगली सरकार जनसुराज की बनेगी। बैठक में प्रखण्ड अध्यक्ष अजीत कुमार पप्पू, संगठन महासचिव मनोज कुमार गुप्ता ,महिला अध्यक्ष मैमून निशा, किसान अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह,युवा अध्यक्ष मुकेश कुमार शर्मा, सोशल मीडिया प्रभारी नीरज कुमार, कार्यालय प्रभारी शंकर सिंह, प्रवक्ता रविन्द्र प्रसाद महतो, शशि भूषण साह, अभियान संयोजक अजीत सिंह की नामों की घोषणा की गई। इस अवसर पर जिला महिला अध्यक्ष अमिता साहनी, वरिष्ठ नेत्री डॉ. कामिनी सिंह, अनुमंडल अध्यक्ष सुधीर सिंह, हरिहर सिंह, डॉ. अर्जुन यादव, राजनंदन यादव, ऊषा देवी, नवल यादव समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

परिभ्रमण से छात्र-छात्राओं को ऐतिहासिक स्थलों का होता है ज्ञान: प्रधानाध्यापक



करगहर। प्रखंड क्षेत्र के सरस्वती बाल विद्यालय करगहर के छात्र-छात्राओं का दल शनिवार को तीन दिवसीय शैक्षणिक परिभ्रमण के तहत सासाराम, बोधगया, राजगीर, पावापुरी, नालंदा एवं पटना के लिए करगहर बस से छात्र छात्राओं का टोली रवाना हुआ। इस शैक्षणिक परिभ्रमण टोली को प्रधानाध्यापक अनिल कुमार मिश्र ने वर्ग छह से आठ तक के कुल 45 छात्र -छात्राओं के दल को हरी झंडी दिखाकर परिभ्रमण के लिए रवाना किया। इस मौके पर स्कूली बच्चों में गजब का उत्साह देखा गया। मौके प्रधानाध्यापक अनिल कुमार मिश्र ने कहा कि परिभ्रमण का मुख्य उद्देश्य बच्चों को बिहार के इतिहास को जानने एवं समझने का है। परिभ्रमण से छात्र -छात्राओं का बौद्धिक विकास होता है। ऐतिहासिक स्थल पर जाने के बाद वहां की स्थिति की जानकारी मिलती है और बच्चे इतिहास को करीब से देखते हैं। बच्चें जो किताबों में कहानी के माध्यम से पढ़ते हैं उसे करीब से देखकर ज्ञान अर्जित करते हैं साथ कहा कि परिभ्रमण से बच्चों को ऐतिहासिक स्थलों का ज्ञान होता है। जो शिक्षा की अहम कड़ी है। परिभ्रमण के द्वारा बच्चों को नई-नई चीजों को जानने का मौका मिलता है जिससे उसका मानसिक विकास होता है। मौके पर सहायक शिक्षक बब्लू राज, रामनिवास शर्मा, रत्न कुमार मिश्र,त्रियोगी नारायण पांडेय, मुद्रिका पासवान, शिक्षिका शबाना खातुन, शिक्षिका सुमन कुमार, रंजीत कुमार, हिमांशु तिवारी सहित अन्य स्कूल शिक्षक व शिक्षिका, छात्र -छात्राओं मौजूद थे।

ट्रेन पर चढ़ते वक्त गिरा व्यापारी, कटा दोनों पैर, आक्रोशित व्यापारियों ने रेवती हाल्ट पर दिया धरना

केटी न्यूज/बलिया

- वाराणसी जाने के लिए इंटरसिटी एक्सप्रेस पर चल रहा था व्यापारी
- एक माह में मांग पूरी नहीं होने पर व्यापारियों ने आंदोलन की दी चेतावनी





रेवती हाल्ट रेलवे स्टेशन पर शनिवार की सुबह ट्रेन पर चढ़ते समय पैर फिसल जाने से एक व्यापारी गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे में व्यापारी का दोनों पैर कट गया। जिससे आक्रोशित व्यापारियों ने रेवती बाजार बंद कराते हुए रेवती हाल्ट रेलवे स्टेशन पर धरने पर बैठ गए। उधर घायल व्यापारी को लोगों ने सीएचसी रेवती पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने स्थिति नाजुक देख उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया, जहां से चिकित्सक ने वाराणसी रेफर कर दिया।

बता दे कि रेवती वार्ड नंबर एक निवासी संतोष कुमार केशरी (50) पुत्र स्व. कन्हैया प्रसाद केशरी शनिवार की सुबह रेवती हाल्ट रेलवे स्टेशन पर वाराणसी जाने के लिए इंटरसिटी ट्रेन को पकड़ने के लिए निकला। जहां ट्रेन पर चढ़ते वक्त उसका पैर फिसल गया। जिसकी चपेट में आने से उसका दोनों पैर कट गया। इसकी सूचना मिलते ही व्यापारी आक्रोशित हो गए और अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष अरविन्द गांधी के नेतृत्व में बाजार बंद कराते हुए रेवती हाल्ट रेलवे स्टेशन पर धरने पर बैठ गए। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष रेवती रोहन राकेश सिंह सहित आरपीएफ मौके पर पहुंच गई। धरनारत लोगों ने कहना था कि आज जो सन्तोष केशरी के साथ दुर्घटना हुई है। ऐसी तमाम घटनाएं यहां हो चुकी है। अभी कुछ दिन पहले महिला गिर गयी थी। जिनका पैर कट गया था। जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गयी थी। कहा कि सैकड़ों गांव के लोगों के आवागमन का साधन रेवती हाल्ट रेलवे स्टेशन हैं। यह पहले पूर्ण स्टेशन था। जिसे रेल प्रशासन ने हाल्ट कर दिया गया। यहां से सारी व्यवस्था हटा ली गई। तब से लगातार घटनाएं हो रही है। उन्होंने मांग किया कि हाल्ट स्टेशन को पहले की तरह पूर्ण स्टेशन का दर्जा बहाल किया जाय। प्लेटफार्म का उच्चीकरण, घायल को 20 लाख का मुआवजा दिया जाय। नई पटरी का निर्माण, यात्री सुविधा का विस्तार तथा स्टेशन पर 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था दी जाय। चेताया कि अगर एक माह के अन्दर हमारी मांग नहीं मानी जाती है तो फेफना की तरह यहां भी अनवरत आंदोलन शुरू होगा। धरनारत लोगों ने पांच सूत्रीय मांग पत्र एसडीएम बांसडीह अभिषेक प्रियदर्शी को सौंपा। धरने को रेल संघर्ष समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण पाण्डेय, राणा योगेन्द्र विक्रम सिंह मांडलू, विरेन्द्र गुप्ता, अनिल केशरी, शान्तिल गुप्ता, सुनील केशरी, हरे राम यादव, महावीर तिवारी आदि ने संबोधित किया। संचालन भोला ओझा ने किया।

एक नजर

सुलह कर लो वरना परिवार को भी मार देंगे...

बलिया। बांसडीह कस्बे के रोहित पाण्डेय हत्याकांड में जेल में बंद आरोपियों ने मामले में सुलह न करने पर वादी मुकदमा रोहित के चचेरे भाई राजेश पाण्डेय को परिवार सहित हत्या करने की धमकी दी हैं। कोतवाली पुलिस ने राजेश की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। बांसडीह कोतवाली गेट पर 20 जुलाई को कस्बे के मिरीगिरी टोला निवासी रोहित पाण्डेय की बदमाशों ने दिनदहाड़े धारदार हथियार से गला काट कर हत्या कर दिया था। मामले में रोहित के चचेरे भाई राजेश पाण्डेय ने सात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। रोहित ने शनिवार को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि जेल में बंद पिण्डहरा गांव निवासी ओमप्रकाश यादव उर्फ प्रकाश यादव ने कुछ लोगों को सूचना देकर मामले में सुलह करने को कहा हैं। ओमप्रकाश ने कहा है कि राजेश पाण्डेय सुलह कर ले नही तो उनका भी परिवार सहित हत्या कर दिया जायेगा। जेल में ही हत्या करने की साज़िश रचा जा रहा है। राजेश ने आरोप लगाया है कि जेल में बंद आरोपी दुर्दांत किस्म के हैं तथा कभी भी मेरा तथा मेरे परिवार के साथ घटना कर सकते हैं। कोतवाल संजय सिंह ने बताया कि राजेश पाण्डेय की तहरीर पर बीएनएस की धारा 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच किया जा रहा है। राजेश पाण्डेय की सुरक्षा में पहले से ही एक पुलिस तैनात हैं।

सर्पदंश से वृद्धा की मौत, घर में मातम

गाजीपुर। सुहवल थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनवल गांव में बीती रात सर्पदंश से वृद्धा देवंती देवी-70 का अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद परिजन महिला के शव को लेकर घर चले आए। शव घर पहुंचते ही परिजन रोने -बिलखने लगे। जबकि गांव में घटना के बाद से ही सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना की सूचना परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस को दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मृत महिला के पति मोहन गुप्ता ने बताया कि वह गांव पर ही सड़क किनारे झोपड़ी में चाय- समोसे की दुकान चलाकर परिवार का जीविकोपार्जन किसी तरह करती है। बताया कि वह दुकान पर ही था कि घर से सूचना मिली कि उसकी पत्नी को सर्प ने डंस लिया है। पति ने बताया कि इसके बाद वह आनन-फानन में दुकान बंद कर घर पहुंचा। देखा कि उसकी पत्नी अचेत पड़ी हुई है। बताया कि उसे तत्काल वाहन से गाजीपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी पत्नी ने दम तोड दिया।

कोर्ट का फर्जी रिलीज भेजना पड़ा भारी

बलिया। दीवानी न्यायालय के परिसर में फजीर्वाड़ा करने वाले जालसाजों का धीरे-धीरे भंडा फूटना आरम्भ हो गया है। ऐसा ही मामला शुक्रवार को देखने को मिला, जहां कोतवाली थाना क्षेत्र के उमरगंज निवासी दीपांशु गुप्ता पुत्र मुन्ना गुप्ता को सीजेएम पराग यादव की अदालत ने न्यायिक अभिरक्षा में चौदह दिनों के रिमांड पर पूछताछ करने के उपरांत जिला जेल भेजने का आदेश पारित किया। यह मामला सहतवार थाना के अवैध शराब से जुड़ा बताया जा रहा है। आपको बता दे कि अभी कुछ ही माह पहले उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के फर्जी हस्ताक्षर करके धोखाधड़ी करते हुए कई लड़कों का नियुक्ति किया गया था। जिसमे कई लोग जेल भी जा चुके है। वह मामला अभी शांत भी नहीं हुआ कि दूसरा जिन्न पैदा हो गया। अभियोजन के मुताबिक न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम के लिपिक ने थाने में तहरीर दर्ज कराई थी कि आदेश 23 अगस्त 2024 अपराध संख्या 22/2024, सरकार बनाम अभिषेक सिंह, धारा 60/63 आबकारी अधिनियम, थाना सहतवार व अपराध संख्या 25/2024, सरकार बनाम मिथिलेश अंतर्गत धारा 60/63 आबकारी अधिनियम सहतवार से संबंधित रिलीज आदेश पर फर्जी हस्ताक्षर एवं कार्यालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है जो मेरे कार्यालय से जारी नहीं है।

खबरें फटाफट

16 सितंबर को होने वाली कुश्ती ट्रायल निरस्त

मऊ। आगामी 16 सितम्बर 2024 को आयोजित होने वाली जनपदीय कुश्ती चयन/ट्रायल्स खेल निदेशालय के आदेशानुसार अग्रिम आदेश तक निरस्त कर दिया गया है आदेश मिलने पर जिला खेल कार्यालय द्वारा पुनः चयन/ट्रायल्स की दिनांक व समय निर्धारित किया जाएगा।

सब्जियों के दाम में गिरावट से राहत आलू-प्याज पूर्ववत

सिपाह इब्राहिमाबाद (मऊ)। क्षेत्र में आवश्यकता के सापेक्ष कम बारिश होने के कारण जहाँ धान की फसल प्रभावित होती नजर आ रही है वहीं हरी सब्जियों की पैदावार अच्छी होने से उनके दामों में भारी गिरावट आई है। लिहाजा भोजन की थाली में हरी सब्जियाँ भरपूर मात्रा में नजर आने लगी हैं। हालांकि आलू और प्याज की कीमतें न सिर्फ पूर्ववत कायम हैं बल्कि उनमें और भी तेजी के संकेत हैं। इन दिनों क्षेत्र में उगाई जाने वाली सब्जियों की पैदावार काफी बेहतर होने से उनके दामों में कमी आ गई है। महज हफ्ते भर पहले तक सब्जी का जो थैला ढाई से तीन सौ रुपए में भी पूरी तरह भर नहीं पाता था अब डेढ़ से दौ सौ रुपए में ही फुल हो जा रहा है।

कम बारिश से प्रभावित हो सकता है धान का उत्पादन

सिपाह इब्राहिमाबाद (मऊ)। इधर भादो महीने की शुरूआत ने अपने नाम की सार्थकता को परवान चढ़ाया तो दूसरी ओर क्षेत्रीय किसानों की उम्मीदों को भी पंख लगते नजर आए। किंतु पिछले लगभग दस दिनों से क्षेत्र में लगभग अवर्षण जैसी स्थिति के कारण यौवनावस्था में पहुँच चुके धान की फसल को लेकर किसानों में चिंता व्याप्त है। कतिपय किसानों ने बताया कि सावन के महीने में हुई भरपूर बारिश से धान की फसल बेहद अच्छी थी। लिहाजा पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा उत्पादन के प्रति हम बेहद आशान्वित थे। किंतु भादो महीने की बारिश जो धान की फसल के लिए अत्यंत लाभकर होती है,ने हमारी आशाओं को गतिरुद्ध किया गया है।

हिंदी दिवस पर साहित्यिक व कवि गोष्ठी का हुआ आयोजन

सूरत से आसाम है हिंदी, घूमो चारों धाम है हिंदी

केटी न्यूज/बलिया



हिंदी दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर पर साहित्य चेतना समाज बलिया इकाई के तत्वावधान में तीखमपुर स्थित एक आवास पर साहित्यिक व कवि गोष्ठी की गई। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती की वाणी वंदना से हुआ। अध्यक्षता करते हुए रिटायर्ड एसडीएम केशव कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी हमारे रोम- रोम में बसी है। यह अत्यंत सहज एवं सरल भाषा है। इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा आतिशीघ्र मिलना चाहिए। इसी से हमारे देश की पहचान है। डॉ शशी प्रेमदेव ने जीवन के आपाधापी में जिंदगी को रेखांकित करते हुए सुनाया जिंदगी गद्य सी बेसुरी ही सही गीत सा हम उसे गुनगुनाते रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ नवचंद्र तिवारी ने हिंदी की मधुरता व व्यापकता का गुणगान करते हुए सुनाया 'सूरत से आसाम है हिंदी। घूमो चारों धाम है हिंदी। सबको पिरोये एक सूत्र में, सुबह से लेकर शाम है हिंदी से वाह - वाही लूटी। डॉ कार्दबिनी सिंह की रचना आया नहीं जाता तेरी चौखट पे इसलिए, अच्छा नहीं कि हम तेरे पहलू में शब करें से जबरदस्त तालियां बटोरी। युवा कवि श्वेतांक सिंह ने हिंदी की दुर्दशा पर हिंदी का दुख उस रोटी का दुख है जो पिज्जा मिलते ही कूड़ेदान में फेंक दी जाती है कहकर हिंदी के प्रति वर्तमान कथित प्रयास पर तंज कसा। डॉ फतेहचंद बेचैन ने अपने चिर - परिचित अंदाज में हिंदी हिंद की भाषा है इसका हमें विकास चाहिए सुना कर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध किया। संगीत प्रशिक्षक डॉ अरविंद उपाध्याय ने जब लय से आबद्ध अपनी रचना मान है हिंदी, सम्मान है हिंदी। जो भी दिखे वह ज्ञान है हिंदी सुनाया तो लोग रसरक्ति के सागर में गोते लगाने लगे। प्रेमचंद गुप्ता ने हिंदी की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर मताक्षरा, सरोज सिंह, गोवर्धन भोजपुरी, शिवम, प्रांजल आदि थे। संचालन डॉ नवचद्र तिवारी ने किया। आभार डॉ आदित्य कुमार ने व्यक्त किया।

चलता पुस्तकालय में हिंदी दिवस समारोह आयोजित

बलिया। हिंदी प्रचारिणी सभा द्वारा नगर के टाउन हॉल के चलता पुस्तकालय में शनिवार की शाम हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ मुख्य अतिथि जिले के प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. रघुवंश मणि पाठक, डॉ. श्रीपति कुमार यादव विभागाध्यक्ष सतीश चन्द्र कॉलेज, डॉ. गणेश पाठक पर्यावरणविद्, पूर्व प्राचार्य दूबे छपरा डिग्री कॉलेज के द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके बाद टीडी कॉलेज के संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द उपाध्याय और उनकी टीम ने मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। उन्होंने अतिथियों के स्वागत के पश्चात उनके सम्मान में स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया। शिवजी पाण्डेय रसराज के द्वारा हिन्दी के विकास पर लिखित रचना को भी उन्होंने अपना स्वर दिया। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित था। कार्यक्रम के पहले सत्र में 75 वर्ष से अधिक की आयु के 21 हिंदी साहित्य सेवियों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र देकर 'हिंदी भाषा गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में डॉ. जनार्दन राय, डॉ. रामबदन राय, डॉ. विश्राम यादव, डॉ. फतेहचंद बेचैन, डॉ. भोला प्रसाद आग्नेय, हैदर अली, अशोक जी, राधिका तिवारी, सुदेश्वर अनाम, आशुतोष सिंह आदि प्रमुख नाम रहे। युवाओं में लेखक अतुल राय, और रंगमंच कलाकार ट्विंकल गुप्ता को भी सम्मानित किया गया।



वन विभाग एवं जिला पोषण समिति की बैठक हुई संपन्न

केटी न्यूज/मऊ

- पौधरोपण एवं जियो टैगिंग शत प्रतिशत पूर्ण कराने के दिए निर्देश
- समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों पर कम से कम 50 प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति के प्रयास के दिए निर्देश

जिला वृक्षारोपण, पर्यावरण एवं गंगा समिति जिला पोषण समिति एवं राष्ट्रीय पोषण के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

बैठक के दौरान प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी अधिकारी ने वृक्षारोपण के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि वृक्षारोपण एवं जियो टैगिंग का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है शेष 6 विभागों द्वारा जियो टैगिंग का कार्य पूर्ण न होने के कारण लक्ष्य को पूरा नहीं किया जा सका है। जिसमें माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, बेसिक शिक्षा, जल शक्ति विभाग, सहकारिता विभाग तथा कृषि विभाग द्वारा जियो टैग का कार्य सत प्रतिशत न करने के कारण वृक्षारोपण की स्थिति पूर्ण न हो सकी है। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को कड़े निर्देश दिए की वृक्षारोपण एवं जियो टैग का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करा लें, जिससे जनपद का लक्ष्य पूरा हो सके।

इसके साथ ही जिन विभागों की जियो टैगिंग पूर्ण हो गई है उन विभागों की जिलाधिकारी द्वारा प्रशंसा की गई। जिलाधिकारी ने वृक्षारोपण को शत प्रतिशत जीवित रखने तथा वृक्षारोपण स्थलों की सुरक्षा हेतु तार फेंसिंग, ट्री गार्ड एवं सिंचाई व्यवस्था के कार्यों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

जिला पर्यावरण समिति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने प्रदूषण नियंत्रण द्वारा विकसित बेब पोर्टल पर विषयवार टेम्पलेट को संबंधित विभाग विषयवार सूचना टेम्पलेट में भरकर प्रति माह के प्रथम कार्य दिवस में जिला वन अधिकारी को उपलब्ध कर दें, ताकि सूचना वेब पोर्टल पर समय से अपलोड किया जा सके।

कटरिया मोड़ के पास बदमाशों ने 10 हजार रुपए छीन कर फरार

बलिया। फेफना थाना के कटरिया मोड़ के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने पैदल जा रहे युवक को डरा धमकाकर दस हजार रुपए छिनकर फरार हो गये। घटना गुरूवार की देर शाम की बतायी जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस बाइक सवार बदमाशों की तलाश में जुट गयी। जानकारी के अनुसार फेफना थाना के कटरिया गांव निवासी बबलू यादव शाम को शहर से घर जा रहा था। ई-रिक्सा से उतरने के बाद गांव के मोड़ पर खड़ा था।

इस दौरान बाइक सवार तीन युवक उससे पता पूछने लगे। अभी बबलू कुछ कदम आगे बढ़ा होगा कि तीनों बाइक सवार बदमाश उसके पास पहुंचे। धमकाते हुए उसके पॉकेट से दस हजार रुपये निकालकर भाग गए। सूचना के बाद फेफना, सुखपुरा, गड़वार व कोतवाली पुलिस अलर्ट हो गई। पीड़ित की निशानदेही पर बाइक सवार युवकों की तलाश करने लगी। फेफना थाना प्रभारी बृजमोहन सरोज ने कहा कि बदमाशों की तलाश की जा रही है। बदमाशों की शिनाख्त के लिए आसपास के सीसी कैमरों को खंगाला जा रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने डॉ भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

- दुकानदारों से मिसकाल कराकर बनाया सदस्य, सदस्यता अभियान को दी धार

केटी न्यूज/मऊ



भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सदर विधान सभा के अंतर्गत नगर पूर्वी में भीटी चौराहे पर स्थित डा अंबेडकर की विशाल प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए स्थानीय दुकानदारों से मिसकाल करवाया तथा उन्हें भाजपा का सदस्य बनाया वही नगर पश्चिमी के कई स्थानों पर जन सम्पर्क कर लोगों को सदस्य बनाकर सदस्यता अभियान को आगे बढ़ाया।

जनपद मऊ की सदर विधानसभा के डूमराव ग्राम के बूथ संख्या 340 अंतर्गत भाजपा संगठन महापर्व सदस्यता अभियान-2024 के तहत किसान मोर्चा द्वारा आयोजित 'सामूहिक एकत्रीकरण सदस्यता अभियान' कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर गरीब कल्याण को समर्पित भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करायी तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों से अवगत कराया।इस अभियान से जुड़ने के लिए टोल फ्री नंबर-8800002024 पर मिस्ड कॉल या नमो ऐप के माध्यम से भाजपा परिवार का सदस्य बनकर राष्ट्र उत्थान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। तथा आम जनता को सम्बोधित करते हुये कहा कि सदस्यता अभियान के माध्यम से हर व्यक्ति व हर वर्ग को भाजपा से जोड़ने का काम कर रहे है, हम केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं व नीतियों को लेकर जनता के बीच पहुंचेंगे साथ ही विपक्ष के फैलाए झूठ, भ्रम और देश व समाज को तोड़ने की राजनीति को बेनकाब करने का काम करेंगे। भाजपा सरकार ने देश व प्रदेश की तस्वीर बदली है। जन अपेक्षाओं को पूरा करने का काम हुआ है। अब सदस्यता अभियान के माध्यम से जनमानस को भाजपा परिवार से जोड़ना है। प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनाने हैं।

कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलने वाली सरकार की प्राथमिकता है उत्तर प्रदेश में बेहतर-कानून का राज कायम करना । हमारी सरकार ऐसे तत्वों पर जो गैरकानूनी काम करते हैं, अराजकता करते हैं, जिनकी समाज विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता पाई जाती है, कठोर कार्रवाई कर रही है।

पार्टी के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उनसे इस कार्यक्रम के साथ जुड़कर सबसे अधिक साधारण और सक्रिय सदस्य बनाने के टारगेट को पूरा करने की अपील की।

क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने कहा की भारतीय जनता पार्टी के प्रति लोगों के मन में श्रद्धा और सम्मान का भाव है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पूरब से लेकर पश्चिम तक, भारत की माटी से प्यार करने वाला हर व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी से जुड़ना चाहता है। जब हम लोग उस तक पहुंचते नहीं हैं तो उसको पीड़ा होती है। तब वह उन संकीर्णताओं के दायरे में आता है, जो जाति के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर, भाषा के नाम पर भारत के सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने और भारत की एकता और अखंडता को चुनौती देने के लिए फैलाई जाती हैं। इन स्थितियों में हमें हर उस व्यक्ति तक पहुंचना है जो हमारी प्रतीक्षा कर रहा है। हमारा लक्ष्य एक ही होना चाहिए कि राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहाँ बिश्राम। जिला प्रभारी रमेश सिंह ने कहा की हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हम दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भारत के अंदर केवल भारतीय जनता पार्टी ही है जो कैडर आधारित पार्टी है।

भाजपा प्रदेश

सत्यदेव डिग्री कॉलेज में हिंदी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

केटी न्यूज/गाजीपुर





सत्यदेव डिग्री कॉलेज अंतर्गत लॉ कॉलेज के सभागार में हिंदी दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि हिंदी के कवि यशवंत सिंह 'यश' रहे। यश जी ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ संगोष्ठी का शुभारंभ किया। प्रारंभ में ही यश जी का माल्यार्पण करते हुए उन्हें अंगवस्त्रम प्रदान कर सत्यदेव ग्रुप ऑफ कॉलेज की काउंसलर दिग्विजय उपाध्याय और प्राचार्य डॉ. रामचंद्र दुबे ने किया। इस अवसर पर सत्यदेव इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य चंद्रसेन तिवारी ने हिंदी भाषा की श्रेष्ठता पर सारगरभीत संभाषण करते हुए एक बहुत ही सुंदर स्वरचित कविता कर्मयोगी सत्यदेव सिंह के संबंध में सुनाया। इस अवसर पर सत्यदेव डिग्री कालेज के हिंदी के आचार्य विजय शंकर ने हिंदी भाषा की गरिमा की जानकारी देते हुए एक स्वरचित कविता का भी वाचन किया। इस मौके पर सत्यदेव ग्रुप आफ कॉलेज के प्रबंध निदेशक प्रोफेसर सानंद सिंह ने बोलते हुए कहा कि हमें अपने मातृभाषा हिंदी पर गर्व करना चाहिए।

पिछले 10 वर्षों में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री जहां कहीं भी विदेश में गए वहां वह बिना दुभाषिए के गए उन्होंने अपने संभाषण हिंदी में दिए और उसका अनुवाद वहां के स्थानीय भाषा भाषी ने अपने भाषा में करके लोगों तक पहुंचाया। यह भारत के लिए गर्व की बात है उन्होंने अपने संस्मरण में सुनाया की जब वे कश्मीर से कन्याकुमारी तक 13 राज्यों के पदयात्रा पर निकले थे तो उनके साथी सभी भाई हिंदी में ही सभी जगह संवाद करते रहे। उन्हें कहीं कोई कठिनाई नहीं हुई। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अनुरोध किया की वह हिंदी के संवर्धन हेतु अपना प्रयास निरंतर जारी रखें। सत्यदेव डिग्री कॉलेज को कल ही ला के तीन वर्षीय कोर्स की अनुमति प्राप्त हुई। इसके लिए उन्होंने सभी को बधाई दिया। अंत में प्रबंधक ने सभी आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही विद्यार्थियों को धैर्य के साथ लंबे समय तक कार्यक्रम में लगे रहने के लिए धन्यवाद दिया। इसके साथ ही सभा के समापन की घोषणा भी की। पूरे सभा का संचालन सत्यदेव डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर रामचंद्र दुबे ने किया। इस कार्यक्रम में सत्यदेव डिग्री कॉलेज के लिए नव नियुक्त उप प्राचार्य नवनीत वर्मा को पुष्प माला बनाकर एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर उनका इस परिसर में अभिवादन व सम्मान प्रबंधक, काउंसलर तथा प्राचार्य द्वारा किया गया। इस तरह पूरा कार्यक्रम निर्बाध रूप से सायंकाल तक चलता रहा।

आशाओं के पहले बैच का प्रशिक्षण समाप्त तीस आशाओं को प्रमाण -पत्र वितरित

केटी न्यूज/सेवराई



सीएचसी रेवतीपुर में जारी पांच दिवसीय एचबीएनसी के तहत गृह आधारित नवजात शिशु की देखभाल के लिऐ आशाओं का पहले बैच का प्रशिक्षण शनिवार को समाप्त हो गया। इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी तीस आशाओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

चिकित्सा अधीक्षक ने चेताया कि स्वास्थ्य विभाग के किसी भी कार्यक्रम में बिना ड्रेस कोड के आने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके उपरांत दूसरे बैच के आशाओं का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। इस दौरान ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी,सभी तीस आशाओं को किट का भी वितरण किया गया। इसके जरिए वह अपने काम को आसानी से और समय पर पूरा कर सकें। मालूम हो कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंर्तगत नवजात शिशु की गृह आधारित देखभाल के लिए आशाओं को प्रथम चरण का मॉडयूल प्रशिक्षण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बीते नौ सितंबर से शुरू किया गया था।

इस पूरे प्रशिक्षण में कुल 194 आशाओं को अलग-अलग बैच में प्रशिक्षित किया जाना प्रस्तावित है। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक और प्रभारी अधिकारी डाक्टर अमर कुमार ने बताया कि आशाओं को नवजात शिशु की देखभाल के साथ उसे बीमारियों से कैसे बचाव जाए इसके बारे में बताया गया,साथ ही महिलाओं को स्तनपान के लिए प्रेरित करने पर भी जोर दिया गया। कहा कि आशाओं को साफ सफाई रखने और हाथों को सही प्रकार से धोने के तरीके भी बताए। कहा कि इस चलने वाले प्रशिक्षण के दौरान जन्म से 45 दिन तक आशो कार्यकर्ता को एचबीएनसी के तहत नवजात शिशु और उसकी मां की देख-रेख किया जाना प्रस्तावित है।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहर्त ग्राम पंचायत से 2-3 रुपर्ये में प्लास्टिक पिलेट्स खरीदेगी कंपनी

केटी न्यूज/वाराणसी

♦ वाराणसी के तीन विकासखंड में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का जल्द शुरू होने वाला है संचालन



डबल इंजन सरकार के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायतें पर्यावरण संरक्षणे के साथ ही अब अपनी आय बढ़ने पर भी काम कर रही है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहते वाराणसी के गांवों को प्लास्टिक मुक्त किया जा रहा है। इसके लिए वाराणसी के तीन विकासखंडे में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का संचालन जल्द शुरू होने वाला है। गॉव से एकत्र किये गए प्लास्टिक से प्लास्टिक पिलेट्स बनाया जाएगा, जिसे प्लास्टिक री-साइकिल करने वाली कंपनी को बेचा जायेगा। गांव से निकलने वाले प्लास्टिक से सड़कों के निर्माण की भी योजना है। पीडब्लूएमयू (प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट) के जरिये कार्बन क्रेडिट से भी ग्राम पंचायत की आय होगी।

ग्रामीण क्षेत्रों को प्लास्टिके मुक्त करने के लिए श्री आर मेथड पर कार्य किया जा रहा है। इसमें रिड्यूज,रीयूज,रिसाईकल मेथड को फॉलो कर पर्यावरण संरक्षण का काम हो रहा है। मुख्य विकासे अधिकारी हिमांशु नागपाल ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा इस्तेमाले करने वाले प्लास्टिक को रिसाइकिल किया जाएगा। इसके लिए गांव में सार्वजनिके स्थलों पर बोरे टागे गए है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर 100 बोरे लगे हैं। ग्रामीणों को प्रेरित किया जा रहा है कि प्रयोग की गई प्लास्टिक को इस बोरे में ही डाला जाए। फिर इस प्लास्टिक को तीन विकासखंडे पिंडरा ब्लाक के नोहिया, सेवापुरी ब्लाक के भीषमपुर और चिरईगांव के बर्थराकला गांव में लगे पीडब्लूएमयू में ले जाकर रिसाइकल करके प्लास्टिक पिलेट्स बनाया जायेगा। कानपुर की एक कंपनी से इसे उचित दामों पर खरीदने की बात चल रही है। इसके लिए सभी ग्राम पंचायतों से एमओयू भी किया गया है। इसे बेचने से ग्राम पंचायतों की आय भी बढ़ेगी। इसके अलावा चिरईगांव मे लगे पीडब्लूएमयू से निकले प्लास्टिक को पीडब्यूडी, आरईएस और जिला पंचायत की सड़क बनाने के लिए बेचा जायेगा। इससे सड़कों की

'ओने रिसोर्स रेवेन्यू मॉडल' पर हो रहा है काम

एडीपीआरओ राकेश यादव ने बतायो कि गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'ओने रिसोर्स रेवेन्यू मॉडल' पर काम हो रहा है। ग्राम पंचायत से कंपनी दो से तीन रुपये में प्लास्टिक पिलेट्स खरीदेगी। कार्बन क्रेडिट से भी ग्राम पंचायतों को आमदनी होगी। एक ब्लॉक से लगभग एक टन हर महीने प्लास्टिक निकलने की संभावनो है, जिसे कंपनी रीसाइकल करेगी। एक यूनिट से स्वयं सहायतो समूह की लगभग पांच से 10 महिलाओं और मशीन संचालन के लिए अन्य लोगों को रोजगार मिलेगा।

एक नजर

जिलाधिकारी ने कंपोजिट विद्यालय मुंगेसर रकौली का किया आकस्मिक निरीक्षण



मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने शिक्षा क्षेत्र परदहां स्थित कंपोजिट स्कूल मुंगेसर रकौली का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नामांकन के सापेक्ष बच्चों की उपस्थिति काफी अच्छी थी। जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधित प्रधानाध्यापक को शत प्रतिशत उपस्थिति हेतु और प्रयास करने को कहा। उन्होंने बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति हेतु एसएमसी का भी सहयोग लेने को कहा। इस दौरान उन्होंने बच्चों से भी संवाद किया तथा उनके पढ़ाई लिखाई के स्तर की जांच भी की। निपुण तालिका के अनुसार भी जिलाधिकारी ने बच्चों से सवाल जवाब किया, जिनका संतोषजनक उत्तर बच्चों द्वारा दिया गया। इसके अलावा शिक्षणेत्तर गतिविधियों में भी जिलाधिकारी शामिल हुए। विद्यालय में समस्त शिक्षक भी उपस्थित थे तथा विद्यालय का शैक्षिक परिवेश भी ठीक था। जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को एसएमसी की नियमित बैठक कर विद्यालय में बच्चों को निपुण बनाने एवं उनकी उपस्थिति में और वृद्धि करने हेतु निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी विभिन्न कक्षाओं में एक शिक्षक के रूप में भी नजर आए। उन्होंने बच्चों को पढ़ाया भी और उनसे सवाल जवाब भी किए।

प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता के लिए मऊ के जनपदीय टीम का चयन

मऊ। क्रीडाधिकारी डी0पी0सिंह ने बताया कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 18–20 सितम्बर, 2024 तक क्षेत्रीय खेल कार्यालय, देवी पाटन गोण्डा में किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु आजमगढ़ की मंडलीय टीम हेतु मऊ का जनपदीय चयन / ट्रायल्स दिनांक 16 सितम्बर, 2024 को सायं 03:00 बजे से जिला खेल कार्यालय, डॉ0 भीम राव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, मऊ में चयन / ट्रायल्स किया जायेगा। उक्त चयन / ट्रायल्स में प्रतिभाग करने वाले सीनियर पुरूष कबड्डी खिलाड़ियों को अपने साथ आधार कार्ड लाना अनिवार्य है। जिले के इच्छुक सीनियर पुरूष कबड्डी खिलाड़ी इस चयन / ट्रायल में भाग ले सकते हैं। जनपद स्तर पर चयनित सीनियर पुरूष कबड्डी खिलाड़ी का मंडलीय चयन/ट्रायल्स दिनांक 17 सितम्बर 2024 को प्रातः 10:00 बजे से क्षेत्रीय खेल कार्यालय सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम आजमगढ़ में सम्पन्न कराया जाएगा। मण्डल स्तर पर चयनित खिलाडी दिनांक 18 से 20 सितम्बर, 2024 तक क्षेत्रीय खेल कार्यालय, देवी पाटन गोण्डा में आयोजित प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। विस्तृत जानकारी हेतु किसी भी कार्यालय दिवस में जिला खेल कार्यालय, मऊ में सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

अपराध पर नकेल कसने की एसपी रेलवे ने दी सीख



चंदौली। एसपी जीआरपी अभिषेक यादव ने शनिवार को पं . दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन का निरीक्षण किया। इस दौरान यहां सुरक्षा व्यवस्था परखी। उन्होंने जीआरपी कोतवाली में पहुंच जीआरपी के ?अधिकारियों को संगठित अपराध पर नकेल कसने की सीख दी। विशेष कर रेलवे की पटरियों और ट्रेनों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ के सहयोग से निगरानी करने का निर्देश दिया। जीआरपी के एसपी अ?भिषेक यादव शनिवार की दोपहर में पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने जीआरपी कोतवाली का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने अपराध रजिस्टर, मालखाना, शस्त्रागार, अ?भिरक्षागार आदि को देखा। इसके बाद जीआरपी के निरीक्षक और उपनिरीक्षकों संग बैठक कर अपराध की समीक्षा की। इस दौरान ट्रेनों में होने वाले अपराध को रोकने, ट्रेनों से होने वाली शराब तस्करी, सोने चांदी और नशीले पदार्थों की तस्करी की रोकथाम की व्यापक योजना बनाने का निर्देश दिया। पिछले दिनों ट्रेन में आरपीएफ के दो जवानों की हत्या को देखते हुए संगठित रूप से अपराध करने वाले गिरोहों के ?खिलाफ कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया। देश में कुछ दिनों से रेलवे की पटरियों की छेड़छाड़, पटरियों पर पत्थर आदि रख कर ट्रेनों और यात्रियों को नुकसान पहुंचाने की साजिश को देखते हुए आरपीएफ के साथ मिलकर पटरियों की निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने रेलवे पटरियो के आस पास रहने वाले संदिग्धों की पहचान करने का भी निर्देश दिया। ट्रेनों में स्कोटिंग के दौरान या?त्रियों से नम्र व्यवहार करने का भी निर्देश दिया। बाद में रेलवे स्टेशन के आठों प्लेटफार्मों पर भ्रमण करते हुए यहां सुरक्षा व्यवस्था की ?स्थिति को देखा। प्रवेश द्वार पर खराब पड़े लगेज स्कैनर को लेकर इसकी रिपोर्ट मांगी।

खबरें फटाफट

डॉक्टर लूटकांड में गंगा दिखाने लगी अपना रौद्र रूप

चंदौली। पहाड़ी इलाकों में हुई भारी बारिश से गंगा का जलस्तर फिर बढ़ना शुरू हो गया है। बलुआ क्षेत्र में एक रात में करीब दस फीट जलस्तर बढ़ने से गंगा के तटवर्ती गांवों में दहशत है। पिछले कुछ दिनों तक गंगा का जलस्तर थमने व घटने के बाद थोड़ा बहुत उतार चढ़ाव होता रहा। शुक्रवार रात में जलस्तर करीब दस फीट ऊँचाई में बढ़ा है। बीते दिनों पानी घटने से बलुआ गंगा घाट पर दोनों महिला चेंजिंग रूम दिखने लगे था जो बीते शुक्रवार की रात में ही पूर्ण रूप से डूब गया। नया चेंजिंग रूम भी आधा से ज्यादा डूब चुका है। एकाएक पानी बढ़ने से तटवर्ती गाँव कांवर, महुअरिया, बिसुपुर, महुआरी, सराय, बलुआ, डेरवा, महुअर, हरधन जुड़ा, गणेश पूरा, टाण्डा, बड़गांवा, तीरगांवा, हसनपुर, नादी निधौरा आदि गांवो के ग्रामीणों की चिंता बढ़ने लगी है।

डॉक्टर लूटकांड में टीमें गठित, खुलासा जल्द : सीओ

गाजीपुर। सुहवल थाना क्षेत्र के अंधारीपुर गांव के समीप बीते गुरुवार की देर रात स्कूटी सवार चिकित्सक से हुई 50 हजार नगदी और मोबाइल की लूट का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस घटना के तीन दिन बाद भी लुटेरों का सुराग नहीं पता कर पाई है। इस लूट की घटना को चुनौती के रूप में लेते हुए एसपी के निर्देश पर एसओजी, स्थानीय थाना पुलिस सहित कई टीमें गठित की गई है। पुलिस घटना में शामिल लुटेरों तक पहुंचने में जी जान से लगी हुई है। मगर अभी तक गठित टीमें लुटेरों की परछाई तक भी नहीं पहुंच सकी है। गठित जांच टीमें इलाके के संदिग्ध मोबाइल नंबरों को सर्विलांस पर लगाने के साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। अब देखना है कि पुलिस इस घटना का कब तक खुलासा करने के साथ ही लुटेरों और लूटे गए सामानों तक पहुंच पाती है।मालूम हो कि सब्बलपुर खुर्द निवासी सत्य सिंधू उपाध्याय जो एक पेशे से निजी चिकित्सक हैं,वह सुहवल शिवाला पर अपनी क्लिनिक खोले हैं।

चकबंदी कार्यों में सरकार ने स्थापित किया 10 वर्षों का नया कीर्तिमान

63 वर्षों बाद आजमगढ़ के महुवा ग्राम में पूर्ण कराई गयी चकबंदी प्रक्रिया

♦ ७वर्ष 2022-23 में कुल 463, वर्ष 2023-24 में 781 तथा वर्ष 2024-25 में प्रदेश के 82 ग्रामों में चकबंदी की प्रक्रिया हुई पूरी

केटी न्यूज/लखनऊ



योगी सरकार अन्नदाताओं के हितों के लिए लगातार आवश्यक कदम उठा रही है। इसी के तहत योगी सरकार ने पिछले वर्ष सितंबर माह में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान चकबंदी विभाग को किसानों के खेत की सीमा संबंधी विवादों को सुलझाने, गांवों को विकास से जोड़ने, सरकारी योजनाओं का लाभ देने एवं सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए निर्देश दिये थे। साथ ही, गांवों में ग्राम अदालत लगाकर वादों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये थे। सीएम योगी की मॉनीटरिंग का ही नतीजा है कि योगी सरकार ने चकबंदी संबंधी कार्यों में पिछले एक वर्ष में 10 वर्षों का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में आठ माह में प्रदेश के 40 जिलों के 82 ग्रामों में अब तक चकबंदी करायी जा चुकी है। वहीं पिछले वर्ष 2023-24 में प्रदेश के 74 जिलों के 781 गांवों में चकबंदी करायी गयी। इसके अलावा पिछले साल सितंबर से अब तक 705 ग्राम अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें 25,523 वादों का निस्तारण किया जा चुका है।

तीन वर्षों में 1475 ग्रामों में पूरी की गयी चकबंदी प्रक्रिया : चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अन्नदाताओं के खेत संबंधी विवादों को पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से निपटाने के लिए चकबंदी कराने के निर्देश दिये थे। उन्होंने इसके निस्तारण के लिए अभियान और ग्राम अदालत लगाने के निर्देश दिये थे। इसी क्रम में इस वित्तीय वर्ष में आठ माह में 40 जिलों के 82 ग्रामों में चकबंदी करायी जा चुकी है। वहीं 51 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया संभव न होने के कारण अधिनियम की धारा 6 (1) के तहत चकबंदी प्रक्रिया से अलग किया गया। इसी तरह वर्ष 2023-24 में 74 जिलों के 781 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गयी। इसमें 330 ग्राम 10 वर्षों से अधिक अवधि के थे। वर्ष 2022-23 में 463 ग्रामों एवं 2021-22 में 231 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गयी, जो पिछले 10 वर्षों की तुलना में एक कीर्तिमान है। कुल मिलाकर वर्ष 2021-2022, 2022-23 तथा 2023-24 में 1475 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी हुई है। वहीं, 50 वर्ष से अधिक अवधि से लंबित 8 ग्राम, 30 वर्ष से 50 वर्ष तक लंबित 72 ग्राम और 10 वर्ष से 30 वर्ष तक लंबित 296 ग्राम में चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गयी। इसमें आजमगढ़ के ग्राम महुवा और गोमाडीह में क्रमशः 63 वर्ष और 56 वर्ष से लंबित, विचाराधीन चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गयी। इसके अलावा गाजीपुर के ग्राम सवना व बरेजी चकबंदी प्रक्रिया 59 वर्षों एवं ग्राम बेलसड़ी की चकबंदी प्रक्रिया 55 वर्षों से विचाराधीन थी, जिसे पूरी

एआई, ब्लॉक चेन, ड्रोन और रोवर से भी होगी चकबंदी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चकबंदी संबंधी पुराने लंबित वादों को निस्तारित करने के लिए ग्रामों में ग्राम अदालत लगाने के निर्देश दिये थे। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद पिछले वर्ष सितंबर से अब तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में 705 ग्राम अदालत का आयोजन किया गया। इसके जरिये 25,523 वादों को निस्तारण किया जा चुका है। इसके अलावा किसानों के हित एवं पारदर्शिता के मद्देनजर एआई, ब्लॉक चैन, ड्रोन एवं रोवर सर्वेक्षण आधारित चकबंदी संचालित करने के लिए पायलेट प्रोजेक्ट के तहत आईआईटी रूड़की के साथ परीक्षण चल रहा है। इसके साथ ही जीआईएस बेस्ड सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल ऐप विकसित करने की भी कार्रवाई चल रही है। जल्द ही इन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर चकबंदी प्रक्रिया संचालित की जाएगी।

जौनपुर में नवागत जिलाधिकारी दिनेश चंद्र ने संभाला कार्यभार

♦ जन शिकायतों का निस्तारण पहली प्राथमिकता रहेगी

केटी न्यूज/जौनपुर



जनपद के नवागत जिलाधिकारी दिनेश चन्द्र सिंह ने शनिवार को जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कोषागार में पदभार ग्रहण किया।इसके साथ ही उन्होंने कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास व राजस्व कार्यो की जानकरी भी ली। उन्होंने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विकास परक योजनाओं को जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सहयोग से धरातल पर लाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि जन शिकायत का निस्तारण उनकी प्राथमिकता रहेगी। इसके साथ ही किसानों से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया जाएगा। सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिलाया जाएगा। विकास कार्यों को प्राथमिकता पर पूर्ण कराया जाएगा व योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा।

वर्ष 2012 बैच के आईएएस ऑफिसर दिनेश चंद्र ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान निर्देशित किया कि धारा 80 के एक भी विवाद लंबित न रहे। वरासत दर्ज करने के मामलों में शिथिलता न बरते।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 44084 मामलों का निस्तारण

केटी न्यूज/मऊ



राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,मऊ के तत्वावधान में आज दिनांक 14 सितम्बर 2024 को दीवानी न्यायालय,मऊ में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न प्रकृति के कुल 44084 मामलों का निस्तारण करते हुए 68410867 रुपये का समझौता राशि जमा कराया गया। वही इसमें कुल 2953235 रु0 का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी हुआ। जनपद न्यायाधीश श्री रामेश्वर 05 मामलों का निस्तारण किया। पीठासीन अधिकारी एम.ए.सी.टी. विशम्भर प्रसाद द्वारा कुल 89 मामलों का निस्तारण करते हुए रु0-17015000 की क्षतिपूर्ति दिलायी गयी। प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मो0 रिजवानुल हक ने 35 वादों का निस्तारण किया गया। अपर जनपद न्यायाधीश-प्रथम अशोक कुमार द्वारा 03 मामलों का निस्तारण किया गया, विशेष न्यायाधीश,एस.सी./एस.टी./नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत हरेन्द्र प्रसाद द्वारा कुल 09 मामलों का निस्तारण किया गया। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट राजबीर सिंह द्वारा 24 मामलों का निस्तारण करते हुए 11500 रु0 का अर्थदंड जमा कराया, अपर जनपद न्यायाधीश कोर्ट संख्या-02 जर्नादन प्रसाद यादव ने 01 मामले का निस्तारण किया। अपर जनपद न्यायाधीश/एफ0टी0सी0 प्रथम मिथिलेश कुमार तिवारी ने 104 मामलों का निस्तारण किया। न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डा0 कृष्ण प्रताप सिंह द्वारा 3793 मामलों का निस्तारण करते हुए 742100 रु0 का अर्थदंड जमा कराया गया। सिविल जज सीनियर डिवीजन नसेहा वसीम ने 78 मामलों का निस्तारण किया सिविल जज सीनियर डिवीजन एफ.टी.सी सिद्धार्थ चतुर्वेदी द्वारा 108 मामलों का निस्तारण किया गया।

शाम सात बजे पीडीडीयू जंक्शन पर होगा स्वागत समारोह

आज से देवघर और वाराणसी के बीच दौड़ेगी वंदे भारत

केटी न्यूज/चंदौली



देवघर से वाराणसी के बीच वंदे भारत 15 सितंबर को स्पेशल के रूप में चलाई जाएगी। इसी तरह गया से हावड़ा के लिए चलने वाली वंदे भारत भी रविवार को स्पेशल बनकर चलेगी। 16 सितंबर से देवघर वाराणसी जबकि 18 सितंबर से गया हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें नियमित रूप से चलेगी। रविवार को दोनों ट्रेनों के जगह जगह भव्य स्वागत की तैयारी की गई है। देवघर वाराणसी वंदे भारत स्पेशल का पीडीडीयू जंक्शन पर शाम सात बजे स्वागत किया जाएगा और हरी झंडी दिखाकर वाराणसी के लिए रवाना किया जाएगा।

पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए गया, नवादा, किउल के रास्ते वाराणसी और देवघर के बीच अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेन का परिचालन शुरू किया जा रहा है। रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छह वंदे भारत को हरी झंडी दिखाएंगे। इसी क्रम में पहले दिन वाराणसी देवघर वंदे भारत और गया हावड़ा वंदे भारत पहले दिन स्पेशल के रूप में चलेगी। पीडीडीयू जंक्शन पर इसका स्वागत वाराणसी देवघर वंदेभारत का शाम पौने सात बजे स्वागत किया जाएगा। वहीं गया रेलवे स्टेशन से सुबह सवा नौ बजे गया हावड़ा वंदे भारत स्पेशल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। 16 सितंबर से दोनों ट्रेनें नियमित रूप से चलेगी। इसके लिए टाइम टेबल भी जारी कर दिया गया है।

मंगलवार को छोड़ सप्ताह में छह दिन चलेगी ट्रेन

वाराणसी देवघर वंदे भारत अप और डाउन में मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। गाड़ी संख्या 22500 वाराणसी से 06.20 बजे खुलकर 07.00 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पहुचेगी। यहां से खुलकर 08.15 बजे सासाराम, 09.25 बजे गया, 10.20 बजे नवादा, 11.30 बजे किउल, 13.15 बजे जसीडीह रूकते हुए 13.40 बजे देवघर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 22499 देवघर से 15.15 बजे खुलकर 15.22 बजे जसीडीह, 16.40 बजे किउल, 17.48 बजे नवादा, 19.10 बजे गया, 20.18 बजे सासाराम एवं 21.30 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर रूकते हुए 22.30 बजे वाराणसी पहुंचेगी।

बृहस्पतिवार को गया हावड़ा वंदे भारत नहीं

हावड़ा गया वंदे भारत ट्रेन 18 सितंबर से नियमित रुप से चलेगी। यह ट्रेन गया और हावड़ा से बृहस्पतिवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। गाड़ी संख्या 22303 हावड़ा गया वंदे भारत एक्सप्रेस हावड़ा से 06.50 बजे खुलकर 08.28 बजे दुगार्पुर, 08.53 बजे आसनसोल, 09.43 बजे धनबाद, 10.13 बजे पारसनाथ एवं 10.58 बजे कोडरमा रूकते हुए 12.30 बजे गया पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 22304 गया-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस गया से 15.15 बजे खुलकर 16.15 बजे कोडरमा, 17.15 बजे पारसनाथ, 18.00 बजे धनबाद, 18.48 बजे आसनसोल, 19.11 बजे दुगार्पुर रूकते हुए 21.05 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

खेल मंत्री गिरीश यादव ने अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता का किया उद्घाटन

♦ सरकार ने खेलो को बढ़ावा देने के लिए नई खेल नीति बनाई है : गिरीश चंद्र यादव

केटी न्यूज/जौनपुर



शिया कालेज में इंडो निहान शोतोकान कराटे डू फेडरेशन द्वारा आयोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवम युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने किया। इस प्रतियोगिता में भारत सहित नेपाल , श्रीलंका तथा भूटान के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

खेल मंत्री गिरीश यादव ने कहाकि यूपी के ग्रामीण एवम शहरी इलाकों के खिलाड़ियों को प्रदेश सरकार ने नई सौगात दी है सरकार ने खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए नई खेल नीति को मंजूरी दी है । उन्होंने कहाकी नई खेल नीति में खिलाड़ियों की शारीरिक दक्षता से लेकर उनकी ट्रेनिंग तक का खास ख्याल रखा गया है। नई खेल नीति में राज्य खेल प्राधिकरण की स्थापना किए जाने को भी अमली जामा पहनाने का काम किया जा रहा है। साथ ही अब पदक विजेता खिलाड़ियों को क्लास टू की नौकरी देने का भी प्रावधान दिया जा रहा है सभी विभागों में खिलाड़ियों के लिए अलग से नौकरी में आरक्षण की व्यवस्था भी की गई है।

सुभाषितम्

इच्छा सभी उपलब्धियों का प्रारंभिक बिंदु है

- नेपोलियन हिल

सीबीआई अब पिंजरे का तोता बना

भारत की शीर्ष जांच एजेंसी, सीबीआई पर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। सीबीआई की जांच में निष्पक्षता और उसके तौर-तरीके को लेकर शुरूआती दौर पर सीबीआई के ऊपर सभी को बहुत भरोसा था। पिछले 2 दशकों में यह भरोसा पूरी तरह से टूटता हुआ दिख रहा है। सीबीआई की निष्पक्षता पर कई बार सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में आलोचना की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में सीबीआई को ह्यपिंजरे का तोताह्न कहा था। 2014 से केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने एक बार फिर सीबीआई जैसी महत्वपूर्ण संस्था के ऊपर पिंजरे में बंद तोते के रूप में टिप्पणी की है। यह टिप्पणी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ऊपर जिस तरह से सीबीआई ने पिछले दो वर्षों से अपना शिकंजा कसकर रखा हुआ था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जैसे ही ईड़ी के मामले में अरविंद केजरीवाल की जमानत हुई। उसी मामले में 2 साल के बाद सीबीआई ने जेल के अंदर से केजरीवाल की गिरफ्तारी कर ली। सुप्रीम कोर्ट को इस कारण से सीबीआई के ऊपर सबसे सख्त टिप्पणी करनी पड़ी। 2013 में कोयला घोटाले की जांच में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पिंजरे का तोता कहा था। अब केजरीवाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वही टिप्पणी की है। सीबीआई अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करती है। सीबीआई की कार्य प्रणाली से यह खुलासा, जांच एजेंसी की स्टेटस रिपोर्ट को, सरकार की मंजूरी के बाद किया गया। यह एक गंभीर मुद्दा है, जिसने सीबीआई की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सीबीआई का गठन एक स्वतंत्र जांच एजेंसी के रूप में हुआ था। जिसका उद्देश्य अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रभावी जांच कर कार्रवाई करना था। जैसे-जैसे समय बीतता गया, सीबीआई के अधिकारियों के ऊपर राजनीतिक प्रभाव बढ़ता गया। केंद्र में किसी भी दल की सरकार हो। सीबीआई का उपयोग सरकारें राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने अथवा बचाने के लिए किया जाने लगा। पिछले दो दशकों में पूरी तरह से यह स्पष्ट हो गया है। प्रश्न उठता है, क्या सीबीआई अपनी वैधानिक भूमिका बनाए रखने में स्वतंत्र हैं? या सरकार के इशारे पर काम करने वाली राजनीतिक उपकरण का हिस्सा बन चुकी है? सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सीबीआई की स्वतंत्रता पर सरकार का शिकंजा है। सरकार के विपक्षियों का उत्पीड़न करने की सीबीआई जांच एजेंसी की भूमिका सामने आई है। लोकतंत्र की शासन व्यवस्था में, जांच एजेंसियों का निष्पक्ष होना, आवश्यक है। सभी जांच एजेंसियां कानून और न्याय के लिए रीढ़ के हड्डी की तरह होती हैं। अगर जांच एजेंसियां राजनीतिक दवाब में काम करेंगी, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्यायिक प्रणाली पर विश्वास करना संभव नहीं होगा। सीबीआई के अधिकारी कहते हैं, वह निष्पक्षता के साथ काम करने की कोशिश करते हैं। कई मामलों में सरकार की स्वीकृति के बिना कार्रवाई करना संभव नहीं होता है। शीर्ष अधिकारियों की नियुक्ति, पोस्टिंग और कार्यकाल केंद्र सरकार ही तय करती है। ऐसी स्थिति में सरकार को इग्नोर करना सीबीआई के वश की बात नहीं है। कुछ इसी तरह की स्थिति चुनाव आयोग की देखने को मिल रही है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की भी लगभग यही स्थिति है। संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और जवाबदेही तय करने के लिए वर्तमान व्यवस्था को बदलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। संवैधानिक संस्थाओं और जांच एजेंसियों को सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग आयुक्त और सदस्यों की नियुक्ति पर एक फैसला दिया था। जिसमें सीजेआई, प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष की कमेटी को चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति करने का अधिकार दिया था। जिसे सरकार ने कानून बनाकर पलट दिया। अब प्रधानमंत्री उनके द्वारा एक नियुक्त मंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति कर रहे हैं। इसके बाद भी सुप्रीम कोर्ट चुप है। वर्तमान चुनाव आयोग को लेकर 68 फीसदी जनता में यदि अविश्वास है, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे चिंता का विषय है।

चिंतन-मनन

कैंची काटती है, सुई जोड़ती है



कैंची काटती (तोड़ती) है और सुई जोड़ती है। यही कारण है कि तोड़ने वाली कैंची पैर के नीचे पड़ी रहती है और जोड़ने वाली सुई सिर पर स्थान पाती है। इसलिए मनुष्य का यही धर्म है कि इनसान को जोड़े न कि तोड़े। उन्होंने सास-बहू में एका होने का आह्वान भी किया। राष्ट्र संत तरुण सागर महाराज ने कई उदाहरणों के माध्यम से अपनी बातें रखीं। एक पिता अपने छोटे से पुत्र को विश्व का एक नक्शा देता है। फिर उसे टुकड़े-टुकड़े कर पुत्र को जोड़ने के लिए कहता है। पुत्र उस नक्शे को ज्यों का त्यों जोड़ देता है। अपने बेटे की प्रतिभा से आश्चर्यचकित पिता पूछता है कि बेटे तुमने यह असंभव कार्य कैसे कर लिया। बेटा कहता है कि पिताजी, नक्शा के पीछे इनसान बना हुआ था। मैंने इनसान को जोड़ा तो नक्शा भी ज्यों का त्यों जुड़ गया। मुनिश्री ने कहा कि इनसान को जोड़ने से पूरा विश्व एक हो सकता है। हे मानव 36 का आँकड़ा बहुत बना लिए, अब 63 का आँकड़ा बनाइए। बुजुर्गों के अनुभव का बखान करते हुए मुनिश्री ने कहा कि बुजुर्ग की एक-एक झुर्री पर एक-एक शास्त्र का ज्ञान लिखा होता है। बुजुर्ग की अवहेलना मत करिए। वे जो कह रहे हैं, उसे सुनो। उल्टा जवाब मत दो। जवाब दोगे तो घर का माहौल खराब हो जाएगा। झगड़ा, क्लेश व द्वेष फैलेगा। बुजुर्गों का सम्मान करना सीखो। आज जो बुजुर्गों के साथ करोगे, वहीं तुम्हारे साथ होगा।

बुढ़ापे का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच बनाने की सराहनीय पहल

- ललित गर्ग



केंद्र सरकार ने अब सत्तर साल से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है, जो सुखद एवं स्वागतयोग्य कदम है। अपने देश के करीब साढ़े चार करोड़ परिवार के छह करोड़ बुजुर्ग इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज करा सकेंगे। दरअसल वर्ष 2018 में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना में अब तक केवल गरीब परिवार ही शामिल हो सकते थे, जिन्हें पांच लाख का कैशलेस कवर दिया जाता था। अब इस सार्वभौमिक स्वास्थ्य योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। इस योजना से हम एक ऐसी दुनिया बना सकेंगे जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सकेंगे। इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी जनकल्याणकारी सरकार को साधुवाद दिया जाना चाहिए। पारिवारिक एवं सामाजिक घोर उपेक्षा एवं उदासीनता के कारण बुढ़ापा अपने आप में एक रोग ही बनता गया है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार की नयी पहल का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन हुआ तो यह फैसला इस आयुवर्ग के बुजुर्गों की सेहत को लेकर सुरक्षा कवच का काम करेगा। यह जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही थी क्योंकि आने वाले बीस वर्ष में भारत की बुजुर्ग आबादी तीन गुना होने की संभावना है। नये भारत-विकसित भारत की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण एवं उचित स्वास्थ्य-सेवाओं को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सृसंस्कृत परिवार परम्परा पर तो काला दाग है ही, शासन-व्यवस्थाओं के लिये भी लज्जाजनक है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने एवं उनके स्वास्थ्य विषयक खर्चों एवं चिन्ताओं को दूर करने के लिये केन्द्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को वित्तीय लाभ देने का फैसला लिया है, वह सराहनीय एवं प्रासंगिक निर्णय है। इस फैसले की जरूरत इसलिए थी क्योंकि सामाजिक सुरक्षा के मामले में भारत बहुत पीछे है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 2019-21 की रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में ऐसे परिवारों की संख्या केवल 41 प्रतिशत है, जिनके कम से कम एक सदस्य का स्वास्थ्य बीमा हो। बिहार, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों में तो यह राष्ट्रीय औसत के करीब आधे के बराबर है। स्वास्थ्य बीमा को लेकर यह उदासीन रवैया हमारी उस आदत की वजह से है, जिसमें ज्यादातर लोग यह सोचते हैं कि जब बीमारी आएगी तो देखा जाएगा। बहुत से लोग जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा को एक ही चीज समझ लेते हैं। लेकिन, जब बीमारी सिर पर आती है, तो पूरे घर के बजट को तहस-नहस एवं असंतुलित कर देती है। सरकार का मौजूदा कदम कई परिवारों को ऐसे आर्थिक दुष्चक्र में फंसने से बचा सकता है। भारत में इलाज दिनों-दिन महंगा होता जा रहा है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। अकसर भारत में कर्मचारी व आम लोग सोचते हैं कि वे जीवन भर आयकर चुकाते हैं, लेकिन बुढ़ापे में सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा ना के बराबर होती है। लेकिन अब मोदी सरकार ने लोकतंत्र के सामाजिक कल्याणकारी स्वरूप को तरजीह दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उसने वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू किया है। इन योजनाओं को लागू करने की जरूरत इसलिये सामने आयी है कि वृद्धों को आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा, बंधन माना जाने लगा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते पारिवारिक-सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। अब जब स्वास्थ्य बीमा का दायरा बढ़ाया गया है तो यह उम्मीद की जानी चाहिए कि खर्च को लेकर परिजनों का डर कम होगा। इस योजना का पूरा खाका सामने आना बाकी है। लेकिन यह सुनिश्चित तो करना ही होगा कि बीमा सुरक्षा कवच होने के बावजूद बुजुर्ग मुफ्त उपचार से वंचित न रह जाएं। खास तौर से सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं को लेकर निजी अस्पतालों के रवैये को देखते हुए यह चिंता ज्यादा जरूरी हो जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार भारत में औसत आयु 67.3 साल है। पिछले दो दशकों में ही औसत आयु में पांच बरस से अधिक का इजाफा हो चुका है। निश्चित ही यह अच्छी खबर है, लेकिन इसके साथ यह चिंता भी जुड़ी हुई है कि देश में दिल से जुड़े रोगों और डायबिटीज के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अन्य रोग भी तेजी से बढ़ रहे हैं। अनुमान लगाया गया है कि भारत में 60 वर्ष से ज्यादा उम्र की जो आबादी वर्ष 2011 में 8.6 प्रतिशत थी, वह बढ़कर 2050 तक 19.5 फीसदी हो जाएगी। यह भी अनुमान है कि 2030 तक भारत में स्वास्थ्य देखभाल का 45 प्रतिशत खर्च बुजुर्ग मरीजों पर होगा। ऐसे में बुजुर्गों के सामने अनेक अन्य समस्याओं के साथ नई एवं असाध्य बीमारियां और उनका महंगा इलाज बड़ी समस्या है। ऐसी स्थितियों में अब इस योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। बहुत संभव है कि इस समय जब कुछ राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया चल रही है तो इस घोषणा के राजनीतिक निहितार्थों पर चर्चा हो सकती है। लेकिन भाजपा ने 2024 में लोकसभा चुनाव के लिये जारी घोषणापत्र में किये वायदे को ही आकार दिया है। वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ निजी व राजकीय अस्पतालों में ले सकते हैं। वहीं सरकार की ओर से बताया गया है कि जो सत्तर साल से अधिक के नागरिक प्राइवेट बीमा योजना या फिर राज्य कर्मचारी बीमा योजना का लाभ ले रहे हैं, वे भी नई योजना का लाभ लेने के अधिकारी होंगे। लेकिन उन्हें इस योजना के लिये आवेदन करना होगा। सरकार ने फिलहाल इस योजना के लिये करीब साढ़े तीन हजार करोड़ का बजट रखा है और आवश्यकता पड़ने पर बजट बढ़ाने की बात कही है। सरकार ने बजट में स्वास्थ्य के लिए कोटा बढ़ाया है। हालांकि चीन और अमेरिका की तुलना में यह अब भी कम है। मेडिकल सुविधाएं एवं साधन बढ़ाने के साथ यह इंतजाम भी करना होगा कि आम जनता उसका फायदा उठा सके।

बेलकीपर मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी

- राकेश अचल





` दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 177 के जेल प्रवास के बाद बेल पर बाहर तो आ गए हैं , लेकिन अब जिम्मेदारी उन्ही की बढ़ गयी है, क्योंकि वे ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो न अपने दफ्तर जा सकता है और न ही किसी फाइल पर दस्तखत कर सकता है। हाँ वे राजनीति कर सकते हैं, जो उन्हें करना चाहिए और उन्हें हरियाणा और जम्मू -कश्मीर विधान सभा चुनाव के प्रचार में शामिल होकर ये साबित करना चाहिए कि वे भाजपा की बी टीम नहीं है। अरविंद केजरीवाल को जिन शर्तों के साथ और जिन परिस्थितियों में जमानत मिली है, वे सामान्य नहीं है। वे अब पहले की तरह संप्रभु मुख्यमंत्री नहीं है। वे अब एक दिव्यांग मुख्यमंत्री हैं। अब उनके सामने दो ही विकल्प हैं कि वे या तो साहस कर अपना पद छोड़कर पार्टी के सुप्रीमो की हैसियत से काम करें या फिर नाम के मुख्यमंत्री बने रहे और अपने तमाम अधिकार अपने किसी निकटस्थ सहयोगी को दे दें अन्यथा नैतिकता हमेशा उनके आड़े आती रहेगी और सत्तारूढ़ भाजपा उन्हें बेलदार मुख्यमंत्री कहकर चिढ़ाती रहेगी। जेल जाने पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं और उन्होंने जमानत पर आने के बाद दोबारा अपना पद हासिल कर लिया था क्योंकि उनकी जमानत में ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं था जैसा कि केजरीवाल की जमानत में है।

केजरीवाल को जमानत भले ही देश की शीर्ष अदालत ने दी है लेकिन आम धारणा है कि उनकी जमानत को परोक्ष रूप से आसान केंद्र की और से बनाया गया। हकीकत जो भी हो लेकिन इस धारणा के चलते केजरीवाल पर ये आरोप आयद हो सकते हैं कि उन्हें हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का खेल खराब करने के लिए जमानत पर छोड़ा गया है। हरियाणा में आम आदमी पार्टी का कांग्रेस से चुनावी समझौता होते-होते रह गया ,ऐसे में यदि आम आदमी पार्टी हरियाणा में वोट -कटुवा पार्टी की भूमिका में चुनाव लड़ती है तो इससे एक तो विपक्ष का नुक्सान होगा दूसरे भाजपा के खिलाफ केजरीवाल की कथित लड़ाई की पोल भी खुल जायेगी।

आपको याद होगा कि केजरीवाल को लोकसभा चुनाव के समय भी चुनाव अभियान में शामिल होने के लिए जमानत मिली थी । केजरीवाल ने इस रियायत का इस्तेमाल भी करने की कोशिश भी की लेकिन उन्हें केवल पंजाब में 3 सीटें ही मिल पायी। दूसरे किसी राज्य में उन्हें कोई कामयाबी नहीं मिली। अब केजरीवाल के लिए जरूरी हो जाता है कि वे विपक्षी एकता को मजबूत बनाने के लिए कुछ समय के लिए ही समय लेकिन दधीच की भूमिका में सियासत का हिस्सा बनें।वे या तो हरियाणा से अपने प्रत्याशी हटा लें या फिर अघोषित रूप से कांग्रेस की विजय के लिए काम करें। क्योंकि हरियाणा या किसी भी दूसरे राज्य में उनकी उपस्थिति अब केवल और केवल भाजपा के लिए ही फायदेमंद रहने वाली है । केजरीवाल को यदि अपनी पार्टी की दशा बसपा जैसी नहीं करना है तो उन्हें अपनी रणनीति बदलना होगी । भाजपा के प्रति उनका विरोध केवल कागजी या दिखावे का नहीं होना चाहिए । उन्हें भाजपा से उसी तीव्रता के साथ लड़ना होगा जैसे कि कांग्रेस या दूसरे गैर भाजपा दल लड़ रहे हैं। भाजपा इस समय उसी तरह खलनायक की स्थिति में है जैसे किसी समय कांग्रेस थी। एक समय इंदिरा हटाओ ,देश बचाओ का नारा लगा था ,आज भाजपा हटाओ ,देश बचाओ का नारा लगना चाहिए ,क्योंकि भाजपा के दस साल के शासन काल में देश का बना कम और बिगड़ा ज्यादा है। देश का संविधान ,समरसता ,सौहार्द सब कुछ दांव पर लगा दिया गया है।

केजरीवाल का ये सौभाग्य है कि भाजपा ने अब तक उनकी सरकार गिराने के लिए राष्ट्रपति शासन लगाने के पहले और आखरी विकल्प का सहारा नहीं लिया ह। भाजपा ऐसा आसानी से कर सकती है किन्तु जान-बूझकर ऐसा कर नहीं रही है । भाजपा ने पिछले दस साल में संविधान के अनुच्छेद 370 को जम्मू-कश्मीर से हटाने के अलावा सत्ता हथियाने के लिए किस संवैधानिक हथियार का इस्तेमाल नहीं किया। भाजपा ने पिछले दस साल में जितने भी राज्यों में चुनाव हारने के बाद सत्ता हथियाई उसके लिए आपरेशन लोटस चला,दल-बदल चला,खरीद-फरोख्त चली ,अनैतिक समझौते हुए किन्तु राष्ट्रपति शासन कहीं भी नहीं लगाया गया ,यह तक कि बंगाल में भी नहीं ,जहां भाजपा की राजनीतिक दुश्मन नंबर एक सुश्री ममता बनर्जी मुख्यमंत्री हैं। काबिले गौर बात ये है कि इस समय भाजपा लोकसभा चुनाव में पिटने के बाद घायल शेर की तरह है । भाजपा अब अपने किसी भी राजनीतिक शत्रु को बख्शने के मूड में नहीं है ,फिर चाहे वे केजरीवाल हों,हेमंत सोरेन हों या ममता बनर्जी हो। भाजपा इन तीनों को मजबूरी में बर्दास्त कर रही है ,लेकिन उसे जैसे ही मौका मिलेगा वो इन तीनों को चित करने की कोशिश करेगी । इसके लिए साम,दाम,दंड और भेद का ही नहीं इससे भी हटकर दूसरे तरीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस समय विपक्ष में आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ही सबसे अधिक संदिग्ध नेता हैं। उन्होंने बार-बार भाजपा विरोधी अभियान को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से नुक्सान पहुंचाया है , ये भूल सुधारने के लिए अरविंद के पास अंतिम सुनहरा अवसर है कि वे हरियाणा ही नहीं बल्कि आने वाले दिनों में महाराष्ट्र,झारखण्ड ,बिहार और फिर अपनी दिल्ली विधानसभाके चुनाव में भी मिलजुलकर चुनाव ' लड़ें अन्यथा उनकी और उनकी पार्टी की भी दशा बसपा जैसी हो सकती है केजरीवाल शातिर राजनेता है। पढ़े-लिखे हैं इसलिए उन्हें क्या करना है ये उन्हें बताया नहीं जा सकता । अब सारा खेल उनकी मति और सुमति का है।

पैगंबर साहब की नसीहतों ने बदला समाज

- मुस्ताअली बोहरा

हजरत पैगंबर मोहम्मद साहब की विलादत को पूरी दुनिया में जश्न की तरह मनाया जाता है, इसीलिए इसे ईद-ए-मिलादुन्नबी भी कहा जाता है। मोहम्मद साहब वही नबी थे, जिनके आने के पहले इंसानियत अंधी और अखलाक बहरा था, और इंसान का किरदार मैला हो गया था। पूरे अरब में हिंसा का बोलबाला था। औरतें और बच्चे महफूज नहीं थे। लोगों के जान-माल की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं थी। इस अंधेरे दौर से दुनिया को बाहर निकालने के लिए अल्लाह ने हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहे वसल्लम को पैगंबर बनाया। मोहम्मद साहब के बताए आदर्शों, नसीहत और सीख के बाद इंसान, इंसान से मोहब्बत करने लग गया था। जुल्मो-सितम की जगह अदल व इंसाफ ने ले ली थी। तलवार के कब्जे पर रखे हाथ अब तालीमे अखलाक के लिए मैदान में निकल आए थे। यह वही ह्नमोहम्मदह्न थे जिन्होंने इंसान को दुनियावी और दीनी तालीम देते हुए हक के रास्ते पर चलने की नसीहत दी। उन्होंने ऐसे आदर्श समाज की स्थापना की जिसमें कई कबीलों और जातियों के लोग बिना किसी भेदभाव के समान अधिकारों के साथ रह सकें। मोहम्मद साहब को अब्द, बशीर, शाहिद, मुबारशीर, नाथिर, सिराज मुनीर, अल मुजम्मिल और अहमद के नाम से भी जाना जाता है। अरब के लोग उन्हें अल-अमीन और अल-सादिक के नाम से भी पुकारते थे। पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहे वसल्लम ने ही इस्लाम धर्म की स?थापना की है। आप हजरत सल्ल. इस्लाम के आखिरी नबी हैं, आपके बाद अब कयामत तक कोई नबी नहीं आने वाला। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक 570 ईसवीं में 12 रबीउल अव्वल मोहम्मद की पैदाईश का दिन। अपने पिता अब्दुल्लाह के इस दुनिया से रूखसत हो जाने के बाद जन्मे इस मासूम बच्चे के बारे में किसने सोचा की थी कि यह शराब-ओ शबाब में खोई, बर्बर और भोग-विलास को अपना धर्म समझने वाली कबीलाई अरब सभ्यता की दशा और दिशा बदलने वाला देवदूत होगा। आपके दादा अब्दुल मुत्तलिब आपकी पैदाइश के दिन ही आपको खाना-ए-काबा ले गए और तवाफ कराकर लाए, और आपका नाम मुहम्मद रखा। आपकी वालिदा ख्वाब में फरिश्ते ने आपका नाम अहमद बताया और इस तरह आपके दो नाम रखे गए। नबी साहब के ये दोनों ही नाम असली है। पैगंबर मोहम्मद साहब का नाम दुनिया में सबसे लोकप्रिय नामों में से एक है। आपके पिता की मौत उनके जन्म से पहले ही हो गई थी, इसके बाद कुछ सालों बाद सिर से मां का साया भी उठ गया। 6 साल की उम्र में अनाथ हो गए, वह अपने चाचा अबू तालिब की सरपरस्ती में रहे। तब उनकी माली हालत भी ठीक नहीं थी। तब वे दमस्क में एक ऊंट की देखभाल करने लगे। 12 साल की उम्र में आप अपने चाचा अबू तालिब के साथ अपने पहले व्यावसायिक सफर पर गए और इसके बाद खुद व्यवसाय पर जाने लगे। मोहम्मद साहब अपने खाली वक्त में वह जबल अल-नूर पर्वत पर गार-ए-हिरा में जाकर ईबादत में मशगूल हो जाते थे। उनके पास ना तो कोई दौलत थी और न सरमाया। ना सोने-चाँदी, हीरे-जवाहारात के ढेर। फिक्रो-फाका, गरीबी और तंगहाली को देख कर कर्म विरोधी लोग अक्सर कहते थे कि ये कैसा नबी है जो रहता है टूटे हुए हुजरे में, बैठता है खजूर की चटाई पर, पहनता है फटी हुई चादर और दावा करता है सारे कायनात के नबी होने का।

आज का राशिफल

मेष आपके लिए धन में वृद्धि के शुभ योग बन रहे हैं। कारोबार में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है।

वृषभ अापका मन नई योजनाओं में लगेगा। कहीं यात्रा पर जाने के शुभ योग आपके लिए बन रहे हैं।

मिथुन आज दिन काफी रचनात?मक है और आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उसका फल उसी समय मिल सकता है।

सिंह धर्म आध्यात्म के मामले में लाभ होगा और आपको पढ़ाई लिखाई के मामले में लाभ होगा।

कन्या आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपसी बातों व्यवहार में संयम और सावधानी बरतें।

तुला करियर में दिन सफलता से भरा होगा। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद सुलझ सकते हैं।

वृश्चिक लाभ होगा और दिन काफी मजबूत रहेगा। दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु थोड़ा लाभ होगा। बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है।

मकर आज दिन लाभ से भरा होगा। भागीदारी में साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा।

कुंभ आज करियर के मामले में सावधान रहने का समय है। आपके धन में वृद्धि होगी।

मीन आज लाभ होगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा।

विशेष

भारतीय मूल की कमला, अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति?

भारतीय मूल की महिला कमला हैरिस अमेरिका में 2 कीर्तिमान स्थापित करने जा रही हैं। अभी तक अमेरिका के इतिहास में कोई महिला राष्ट्रपति नहीं हुई है। अमेरिका में भारतीय मूल का कोई व्यक्ति राष्ट्रपति नहीं बना है। यह दोनों कीर्तिमान कमला हैरिस के नाम होने जा रहे हैं। अभी तक के जो रुझान सामने आ रहे हैं। उसमें भारतीय मूल के लोग भी चाहते हैं, कमला हैरिस अमेरिका की राष्ट्रपति बने। दक्षिण पंथी भारतीय जरूर ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं। इसके कारण भी कमला हैरिस को बढ़त मिल रही है। अमेरिका मे भारतीय मूल के लोग कमला में इंदिरा गांधी जैसी शख्सियत देखते हैं। अमेरिका में हुई प्रेसिडेंशियल डिबेट में कमला हैरिस ने जिस तरह से से अपना झंडा गाड़ा है।

आप का भाजपा से समझौता?

दिल्ली के भाजपा नेताओं ने अरविंद केजरीवाल को लेकर राष्ट्रपति से शिकायत की थी। वह जेल में है जिसके कारण दिल्ली सरकार के कामकाज नहीं हो पा रहे हैं। उस शिकायत को राष्ट्रपति ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजकर कार्रवाई करने पर विचार करने को कहा था। इसके बाद दिल्ली में भाजपा नेताओं ने कहना शुरू कर दिया। दिल्ली सरकार बर्खास्त होने जा रही है। दिल्ली में अब राष्ट्रपति का शासन होगा। 2 दिन के अंदर ही हालात बदल गए। शुक्रवार को अरविंद केजरीवाल की सुप्रीम कोर्ट से जमानत हो गई। दिल्ली सरकार बर्खास्त नहीं होगी। हरियाणा की सभी सीटों पर आम आदमी पार्टी ने अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1861: आधुनिक कर्नाटक के निमार्ता एम. विश्वेश्वरैय्या का जन्म. 1919: प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन ने पश्चिमी मोर्चे पर पहली बार टैंकों का प्रयोग किया. 1935: न्यूरेमबर्ग कानून के तहत यहूदियों को अवैध घोषित करते हुए स्वास्तिक को जर्मनी का ध्वज बनाया गया. 1938: ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविले चैम्बरलेन एडोल्फ हिटलर से मिले. 1942: जर्मनी फौजों ने रूसी शहर स्टालिनग्राद पर हमले किए. 1946: जनमत संग्रह के बाद बल्गारिया गणराज्य की स्थापना की गई. 1948: स्वतंत्र भारत का प्रथम ध्वजवाहक पोत आईएनएस मुंबई बंदरगाह पर पहुंचा. 1959: दिल्ली में टेलीविजन कार्यक्रम का प्रसारण शुरू हुआ. 1967: अरब इसरायल युद्ध के दौरान मिस्त्री फौजों के कमांडर फील्ड मार्शल अब्दुल हकीम अमीर ने आत्महत्या की.

दैनिक पंचांग

15 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	05.57 बजे से
चंद्र	मकर में	तुला	08.08 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.22 बजे से
बुध	सिंह में	धनु	12.38 बजे से
गुरु	वृष में	मकर	14.43 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ	16.30 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	18.03 बजे से
राहु	मीन में	मेष	19.33 बजे से
केतु	कन्या में	वृष	21.13 बजे से
		मिथुन	23.11 बजे से
		कर्क	01.25 बजे से
		सिंह	03.41 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2024 वर्ष का 259 वां दिन दिशाशूल पश्चिम ऋतु वर्षा। विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946 मास भाद्रपद पक्ष शुक्ल तिथि द्वादशी 18.13 बजे को समाप्त। नक्षत्र श्रवण 18.49 बजे को समाप्त। योग अतिगण्ड 15.13 बजे को समाप्त। करण बव 07.32 बजे, बालव 18.13 बजे तदनन्तर कौलव 00.45 बजे रात को समाप्त। चन्द्रायु 11.9 घण्टे रवि क्रान्ति उत्तर 02° 55' सूर्य दक्षिणायन कलि अहर्गण 1872103 जूलियस दिन 2460568.5 कलियुग संवत् 5125 कल्पारंभ संवत् 1972949123 सृष्टि ब्रह्मारंभ संवत् 1955885123 वीरनिर्वाण संवत् 2550 हिजरी सन् 1446 महीना रबि उलाखल तारीख 11 विशेष वामन द्वादशी, प्रदोष व्रत, ओणम, सर एम विश्वेश्वरैया जयंती, इंजीनियर दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बज



ऑनलाइन जॉब सर्च करने से मिल सकते हैं ये फायदे

अगर आप अपने करियर में बहुत आगे तक जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको ऑनलाइन जॉब सर्च करने पर विचार करना चाहिए। इससे आपको अनजाने ही कई फायदे मिल सकते हैं।

आज के समय में हर इंसान सक्सेसफुल होना चाहता है। ऐसे में उसे एक अच्छी जॉब की तलाश होती है। अमूमन एक व्यक्ति अच्छी जॉब पाने के लिए कई जगह अप्लाई करता है। वह अपनी नेटवर्किंग की मदद से एक बेहतर जॉब पाना चाहता है। यकीनन यह जॉब पाने का एक अच्छा तरीका है, लेकिन कई बार यह तरीका काम नहीं आता है। जब लगातार जॉब ढूंढने के बाद भी कोई रिजल्ट नहीं मिलता है तो हम परेशान हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने तरीके में थोड़ा बदलाव करें। आज पूरी दुनिया डिजिटल हो गई है और इसलिए लोगों के काम करने का तरीका भी काफी बदल गया है। अब लोग अपनी जरूरतों के लिए इंटरनेट पर अधिक भरोसा करते हैं। ऐसे में आप अच्छी जॉब पाने के लिए इंटरनेट का सहारा ले सकते हैं। आपको शायद पता ना हो, लेकिन जब आप ऑनलाइन जॉब सर्च करते हैं तो इससे आपको कई फायदे मिलते हैं।

अधिक अवसर तक पहुंच

जब आप सिर्फ अपनी नेटवर्किंग का इस्तेमाल करते हैं तो आपको केवल कुछ ही जॉब अवसरों व वेकेंसी के बारे में पता चलता है। ऐसे में आप कभी-कभी एक अच्छी कंपनी में अप्लाई करने और जॉब करने का अवसर खो देते हैं। जबकि ऑनलाइन दुनिया में आपके पास ऑप्शन की कमी नहीं है। आप अपनी इंडस्ट्री और लोकेशन के अनुसार जॉब लिस्टिंग कर सकते हैं। ऐसे करने से जल्दी और अच्छी नौकरी मिलने के अवसर कई गुना बढ़ जाते हैं। अधिक सुविधाजनक ऑनलाइन जॉब सर्च करने का एक सबसे बड़ा फायदा यह है कि अधिक सुविधाजनक है। आपको अलग- अलग जगहों पर जाकर या फिर अपने रिसोर्स का इस्तेमाल किए बिना कई बेहतरीन जॉब वेकेंसी की जानकारी होती है। ऐसे में आप घर बैठे-बैठे ही बिना किसी परेशानी के एक अच्छी जॉब ढूंढ सकते हैं।

समय की बचत

अगर आप पुराने ट्रेडिशनल तरीके से जॉब ढूंढते हैं तो इसमें आपको अपना बहुत अधिक समय देना होता है। जबकि ऑनलाइन जॉब सर्च करने में आपका काफी सारा समय आसानी से बच जाता है। आप अपनी स्किल्स व काम को ध्यान में रखते हुए जॉब सर्च कर सकते हैं। इतना ही नहीं, ऑनलाइन आप एक साथ कई कंपनियों के लिए अप्लाई कर सकते हैं। ऐसा करने में आपको बिल्कुल भी अपना अतिरिक्त समय बर्बाद नहीं करना पड़ता है।

रियल टाइम अपडेट

जब ऑनलाइन जॉब सर्च करते हैं तो आपको रियल टाइम अपडेट मिलता है। दरअसल, नौकरी लिस्टिंग को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अक्सर अपडेट किया जाता है, जिससे आपको यह पता चल जाता है कि किस कंपनी में आपके पास अवसर है। यह रियल टाइम जानकारी मिलने से आपको जॉब मार्केट ट्रेन्ड्स के बारे में पता रहता है।

जॉब फिल्टर

आजकल अधिकतर ऑनलाइन जॉब पोर्टल फ़िल्टर की सुविधा देते हैं। ऐसे में आप अपनी इंडस्ट्री, लोकेशन और सैलरी रेंज के अनुसार जॉब सर्च कर सकते हैं। जॉब फिल्टर आपको उन नौकरियों को तलाश करने के अवसर प्रदान करता है, जिनकी आपको सच में चाहत है।

ग्लोबल रिसर्च

ऑनलाइन जॉब सर्च करने का एक सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आपके दायरे को बढ़ाता है। मसलन, आप सिर्फ अपने शहर, राज्य या देश तक ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में खुद के लिए अवसर तलाश सकते हैं। ऑनलाइन जॉब सर्चिंग करने से आपके लिए अपनी ड्रीम जॉब को ढूंढना अधिक आसान हो जाता है। यह आपकी प्रोफेशनल ग्रोथ को भी बूस्ट देता है।



हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में सक्सेसफुल होने के लिए सिर्फ किताबी ज्ञान ही काफी नहीं

ऐसे बहुत से लोग हैं, जो हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में अपना करियर देखते हैं। लेकिन इस सेक्टर में सक्सेसफुल होने के लिए आपको अपने कुछ स्किल्स को जरूर शार्प करना चाहिए।



हॉस्पिटैलिटी एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें करोड़ों लोग काम कर रहे हैं और लाखों लोग इस सेक्टर में अपना करियर बनाने का सपना देख रहे हैं। इसके लिए वे संबंधित कोर्स भी करते हैं। हालांकि, सिर्फ कोर्स करना या किताबी ज्ञान लेना ही काफी नहीं है। यह एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें आप कस्टमर्स के साथ हर दिन जुड़ते हैं और कुछ नया एक्सपीरियंस करते हैं। इस फील्ड में सक्सेसफुल होने के लिए आपके अंदर कुछ स्किल्स का होना बेहद ही जरूरी है। अगर आपने वह स्किल्स नहीं है या फिर आप उसे डेवलप नहीं कर पाते हैं तो कोई भी सर्टिफिकेट आपको सक्सेस नहीं दिला सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही स्किल्स के बारे में बता रहे हैं, जो हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में सक्सेसफुल होने के लिए बेहद जरूरी हैं

टीम वर्क स्किल्स

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में सक्सेसफुल होने के लिए आपको टीमवर्क में काम करना आना चाहिए। मसलन, अगर आप एक रेस्टोरेंट के मैनेजर हैं तो आपको फ्रंट ऑफ़ हाउस स्टाफ के साथ काम करना होगा ताकि आपके ग्राहक खुश रहें। इसी तरह किचन टीम के साथ मिलकर काम करना भी आपकी ही जिम्मेदारी का हिस्सा है। अगर आपमें टीमवर्क स्किल्स नहीं हैं तो आप अकेले बेस्ट रिजल्ट नहीं दे पाएंगे।

फ्लेक्सिबिलिटी

अगर आप हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में हैं तो आप बहुत अधिक फ्लेक्सिबल होना बेहद जरूरी है। कई बार आपको बहुत लंबे समय तक काम करना होता है या फिर उन्हें छुट्टियों के दौरान भी काम करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, क्रिसमस और नया साल आमतौर पर हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के लिए काफी अच्छा समय माना जाता है। ऐसे में आपको अपने काम को लेकर फ्लेक्सिबल होना पड़ता है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपके लिए बहुत अधिक आगे तक जाना काफी मुश्किल हो जाएगा।



कम्युनिकेशन स्किल्स

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के लोगों के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स पर काम करना बेहद ही जरूरी है। आपको चाहे अपने कलीग्स के साथ टीमवर्क में काम करना हो या फिर आने वाले गेस्ट को हैंडल करना हो। इसके लिए अच्छे कम्युनिकेशन स्किल्स होना बेहद ही जरूरी है। इसमें सिर्फ ओरल कम्युनिकेशन ही शामिल नहीं है, बल्कि ईमेल व लिखित कम्युनिकेशन पर भी फोकस करना जरूरी है।

इंटरपर्सनल स्किल्स

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर से जुड़े लोगों में इंटरपर्सनल स्किल्स अच्छे होने भी बेहद जरूरी है। उन्हें अपने मेहमान ही नहीं, बल्कि कलीग्स व मैनेजमेंट के साथ भी अच्छे रिलेशन बनाने आने चाहिए। आपका मिलनसार होना और टीम के सभी मेंबर्स की बात सुनकर व समझकर ही अपना काम आगे बढ़ाना आना चाहिए।

पॉजिटिविटी

यह एक ऐसा स्किल है, जिसमें अक्सर लोग मात खा जाते हैं। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कभी-कभी आपको बहुत अधिक प्रेशर का सामना करना पड़ता है या फिर बहुत अधिक नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसे में अक्सर लोग नेगेटिव होने लगते हैं। लेकिन यह एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें आपको हरवक्त पॉजिटिव एटीट्यूड ही रखना होगा। कस्टमर्स के सामने आपके चेहरे की स्माइल और पॉजिटिव एटीट्यूड आपके काम को काफी आगे तक लेकर जाएगा।



आईआईटी से फ्री में करें ये कोर्स, विदेश जाने में भी मिलेगी मदद

अगर कुछ सीखने की चाह हो तो आप अपने लिए कई अवसर खोज करते हैं। आज हम आपके लिए भारत के टॉप संस्थान से मुफ्त में कोर्स करने की जानकारी लेकर आए हैं।

भारत में पढ़ाई-लिखाई के अवसरों में बिल्कुल भी कमी नहीं है। आम लोगों से लेकर बड़े-बड़े संस्थानों द्वारा भी मुफ्त में शिक्षा करवाई जाती है। जी हां, बहुत से लोगों को लगता है कि भारत बड़े-बड़े संस्थानों में मुफ्त में बढ़ने की सुविधा नहीं होती है, दो गलत है। इस आर्टिकल में जानें कि आप आईआईटी से मुफ्त में पढ़ाई कैसे कर सकते हैं।

मशीन लर्निंग इंट्रोडक्शन का कोर्स- आईआईटी खड़गपुर

अगर आप मशीन लर्निंग से जुड़े विषयों की जानकारी लेना चाहते हैं तो आप आईआईटी खड़गपुर द्वारा ऑफर किए जा रहा कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स के दौरान एल्गोरिदम, लॉजिस्टिक, बायेसियन और डीप लर्निंग के बारे में सिखाया जाएगा।

इंट्रोडक्शन ऑफ पॉलीमर फिजिक्स कोर्स- आईआईटी गुवाहाटी

पॉलिमर फिजिक्स से जुड़े विभिन्न मॉडल और थर्मोडायनामिक्स विषयों को समझने के लिए आप आईआईटी गुवाहाटी द्वारा ऑफर किया जा रहा कोर्स कर सकते हैं।

डीप लर्निंग कोर्स- आईआईटी रोपड़

इस पाठ्यक्रम में फीडफॉरवर्ड न्यूरल नेटवर्क, कनवेशनल न्यूरल नेटवर्क, न्यूरल नेटवर्क जैसे विषयों के बारे में पढ़ाया जाता है। अगर आप डीप लर्निंग से जुड़े स्किल्स सीखना चाहते हैं तो आईआईटी रोपड़ जा सकते हैं।

विमान डिज़ाइन से जुड़ा कोर्स - आईआईटी बॉम्बे

यह पाठ्यक्रम छात्रों को विमान के वैचारिक डिजाइन में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में बताता है। एयरक्राफ्ट से जुड़े विषयों में रुचि रखने वाले लोग और करियर बनाने वाले लोगों के लिए आईआईटी बॉम्बे द्वारा ऑफर किया जा रहा यह कोर्स अच्छा विकल्प है।

विदेश जाने में कैसे मदद मिलेगी

अगर आप किसी और क्षेत्र से हैं और फिर भी आईआईटी से फ्री में कोर्स करते हैं, तो आपको अच्छा फायदा मिल सकता है। दरअसल बहुत बार हमें दूसरों से अलग बनने के लिए कुछ नया सीखना होता है। अगर आप विदेश जाना चाहते हैं, तो भी आपको एक स्ट्रोंग पोर्टफोलियो बनेगा।



कहते हैं कि दुनिया में कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता है। हम सभी में बुरी आदतें होती हैं। कभी ना कभी उन बुरी आदतों के कारण हमें नुकसान भी उठाना पड़ता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आपकी बुरी आदतों का असर आपके काम या जॉब पर पड़ने लगे हो। जी हां, कई बार ऐसा भी होता है कि हमारी बुरी आदतों के चलते हमारी जॉब ही चली जाती है।

आपके करियर पर नेगेटिव असर डाल सकती हैं बैड हैबिट्स

दरअसल, ये बुरी आदतें हमें वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल बना देती हैं। जिससे आपका बैड इंप्रेशन पड़ता है और जब भी मंदी का दौर आता है या फिर कंपनी को आपसे बेहतर दूसरा कोई कैंडीडेट मिलता है तो वे तुरंत आपको फायर कर देते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसी ही कुछ बैड हैबिट्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपके करियर पर नेगेटिव असर डाल सकती हैं और इससे आपकी जॉब तक जा सकती है-

टालमटोल करना

हम सभी किसी न किसी हद तक ऐसा करते ही हैं। कई बार हम अपने काम को लेकर टालमटोल करते हैं। हो सकता है कि आपको सच में कोई समस्या हो और इसलिए आप समय पर अपना काम खत्म ना कर पा रहे हों। लेकिन अगर आप लंबे समय से ऐसा ही कर रहे हैं और इसकी वजह से आपका आउटपुट और परफार्मेंस इफेक्ट हो रहा है तो आपको थोड़ा सतर्क हो जाना चाहिए। आपको यह समझना चाहिए कि कंपनी वर्क परफार्मेंस पर ध्यान देती है। अगर आप टारगेट्स को पूरा नहीं कर पा रहे हैं तो वह आपको जॉब से फायर भी कर सकती है।

हर वक्त नेगेटिव रहना

हर कंपनी में कोई ना कोई प्रोब्लम जरूर होती है। हो सकता है कि आप शायद अपने ऑफिस के वर्क कल्चर से बहुत अधिक संतुष्ट ना हों या फिर अपने सहकर्मियों को लेकर आपको शिकायत हो। लेकिन ऐसे में हर समय शिकायत करते रहना अच्छा नहीं माना जाता है। जब आप ऑफिस में हर समय नेगेटिव रहते हैं और हर वक्त शिकायत करते रहते हैं। जिससे आपकी प्रोफेशनल इमेज पर बुरा प्रभाव पड़ता है। कई बार इसके कारण आपकी जॉब पर भी खतरा मंडराता है।

बहुत अधिक छुट्टियां लेना

अक्सर हम सभी अपने पर्सनल कामों के चलते ऑफिस से छुट्टी लेते हैं। कभी-कभार हम सभी ऐसा करते ही हैं। लेकिन अगर आप बहुत अधिक दिनों तक छुट्टी पर रहते हैं या फिर हर कुछ दिन में छुट्टी पर चले जाते हैं तो इससे ऑफिस का काम इफेक्ट होता है। कई बार आपकी बार-बार अनुपस्थिति के कारण आपकी जॉब भी चली जाती है। इसलिए, आपको बार-बार या फिर बिना बताए छुट्टियां करने से बचना चाहिए।

कम्युनिकेशन स्किल्स पर ध्यान ना देना

जब आप ऑफिस में काम करते हैं तो सिर्फ आपका काम ही नहीं देखा जाता है, बल्कि ऑफिस में आपका व्यवहार भी काफी मायने रखता है। अगर आप ऑफिस में अपने कलीग्स व सीनियर्स के साथ इफेक्टिव तरीके से कम्युनिकेट नहीं करते हैं तो इससे ऑफिस में आपकी नेगेटिव इमेज बनती है। कई बार आपके कम्युनिकेशन स्किल्स के कारण आपकी नौकरी पर भी खतरा आ जाता है।

भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत ट्रेन का ट्रायल सफल, 15 सितंबर को होगा शुभारंभ

दुमका, एजेंसी। भागलपुर से हावड़ा के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन का शुक्रवार को दुमका तक ट्रायल हुआ। ट्रेन दोपहर ढाई बजे एक सौ की स्पीड में दुमका स्टेशन पहुंची और आधा घंटे के बाद भागलपुर वापस लौटे गई। हालांकि, स्टेशन पहुंचने से पहले ट्रेन की गति काफी कम हो गई थी।

मालदा डिवीजन के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने ट्रैक से लेकर हर चीज को परखा। उन्होंने ट्रेन के अंदर स्टेशन मास्टर टीवी यादव से और भी जानकारी ली। डीआरएम ने बताया कि यह ट्रेन शुक्रवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन लगातार चलेगी। इस ट्रेन में आठ कोच हैं। चार कोच एक्जीक्यूटिव ओर चार चार चेयर कार है। एक का किराया 17 सौ के आसपास व चेयर का किराया आठ सौ रुपया के आसपास हैं।

15 सितंबर की दोपहर 11 बजे भागलपुर में इसका शुभारंभ होगा। रात को आठ बजे ट्रेन हावड़ा पहुंच जाएगी। इसके बाद 17 सितंबर से ट्रेन का विधिवत परिचालन शुरू हो जाएगा।



17 को यह ट्रेन हावड़ा से 7.45 खुलेगी और दुमका 11.23 बजे पहुंच जाएगी। दो मिनट रूकने के बाद भागलपुर के लिए रवाना हो जाएगी। 2.05 बजे भागलपुर पहुंच जाएगी।

भागलपुर से 3.20 बजे खुलेगी और दुमका 5.17 बजे दुमका पहुंच जाएगी। इसके बाद रात 9.20 पर हावड़ा पहुंच जाएगी। कुल नौ जगह पर ट्रेन का स्टापेज रहेगा।

डीआरएम ने बताया कि इस ट्रेन को पूरी तरह से आधुनिकता के आधार पर तैयार किया गया है। ऐसा सुरक्षा कवच लगा है। अगर किसी तरह के हादसे की संभावना होगी तो ट्रेन में अपने आप ब्रेक लग जाएगी।

इतना नहीं, हर कोच में सीसीटीवी है। पूरी ट्रेन में बाहर से चार सीसीटीवी कैमरा लगा है। जो हर संदिग्ध गतिविधि को रिकार्ड कर लेगा। पहले भी वंदे भारत ट्रेन में पथराव हुआ था, कैमरे की वजह से मुख्य आरोपित पकड़ा जा चुका है।

डालटनगंज में सप्ताह में दो दिन रुकेगी वंदे भारत

मेदिनीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को टाटानगर रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसको लेकर दक्षिण पूर्व रेलवे के द्वारा टाटानगर रेलवे स्टेशन पर तैयारियां की जा रही है। इधर, रेलवे बोर्ड ने टाटा से पटना तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन की समय सारणी जारी कर दी है। इसके तहत सप्ताह में दो दिन रविवार व सोमवार को वंदे भारत ट्रेन मुरी-बरकाकाना-डालटनगंज-गढ़वा रोड-सोननगर-गया के रास्ते चलेगी। इस ट्रेन में कुल आठ कोच होंगे। इसमें कुल 530 लोगों को बैठने की व्यवस्था होगी।यह टाटा से चलने के बाद चंडिल, मुरी, बरकाकना, डालटनगंज, गढ़वारोड, सोननगर एवं गया में रुकते हुए पटना जंक्शन पहुंचेगी। वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत से पलामू व गढ़वा जिला के यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ त्वरित आवागमन का लाभ मिलेगा। 22 सितंबर दिन रविवार को ट्रेन संख्या 21893 सुबह 05.30 बजे टाटा से रवाना होगी और 10.42 बजे डालटनगंज रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। दो मिनट के ठहराव के बाद 10.44 बजे ट्रेन खुलेगी और 11.50 बजे गढ़वा रोड जंक्शन पहुंचेगी। जहां पांच मिनट ठहराव के बाद 11.55 बजे खुलेगी और गया, सोननगर में ठहराव के बाद 15.55 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी।

झारखंड के लाभार्थियों को 15 सितंबर को पहली किस्त जारी करेंगे पीएम मोदी, चुनाव से ठीक पहले केंद्र का बड़ा तोहफा

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 सितंबर को झारखंड राज्य के लाभार्थियों को पीएम आवास-ग्रामीण की पहली किस्त प्रदान करेंगे। केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी झारखंड राज्य के लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभार्थियों को पहली किस्त हस्तांतरित करेंगे। उन्होंने कहा कि रोटी, कपड़ा और मकान गरीब की बुनियादी जरूरत है। वे प्रधानमंत्री आवास योजना.ग्रामीण के कार्यक्रम में दो करोड़ नए सुविधा संपन्न घरों के आवंटन का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में झारखंड के लगभग 20 हजार लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र का वितरण होगा।इसके अतिरिक्त, पांच करोड़ से अधिक की धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक अकाउंट में सिंगल क्लिक के जरिए ट्रांसफर करेंगे। 46 हजार लाभार्थियों के नवनिर्मित घरों का गृह प्रवेश करेंगे।शिवराज सिंह ने कहा कि यह एक महा आयोजन है, जो आने वाले दिनों में योजना के आगे कार्यान्वयन के लिए एक प्रोत्साहन होगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष में झारखंड को 1,13,195 आवासों का लक्ष्य दिया गया है, जिसके लिए 187.79 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के चौथे चरण का शुभारंभ किया जा रहा है।

रांची में दुर्गा पूजा पंडाल के निर्माण पर अड़ंगा, प्रशासन-समिति में तल्खी

रांची , एजेंसी। रांची में पुरानी विधानसभा मैदान में बन रहे शहर के सबसे बड़े दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण बिना कोई कारण बताए जगन्नाथपुर पुलिस ने रोक दिया। थाना प्रभारी दिग्विजय सिंह ने गुरुवार रात में श्रमिकों को पंडाल निर्माण करने पर जेल भेजने की धमकी भी दी। शुक्रवार सुबह भी कारीगरों को काम करने से रोका गया। मामले का पता चलने पर पूजा समितियों के अलावा शहर के लोगों ने निर्माण रोकने का विरोध जताते हुए सड़क पर उतरने की चेतावनी दी।

श्रीराम लला पूजा समिति के लोगों ने थाना प्रभारी से काम रोकने का कारण पूछा तो उन्होंने पूजा के लिए लाइसेंस नहीं लेने की बात कही। साथ ही कहा कि ऊपर से आदेश है कि आयोजन रोका जाए। श्री रामलला पूजा समिति के अध्यक्ष अशोक चौधरी ने कहा कि बिना किसी लिखित आदेश के थाना प्रभारी ने काम रुकवाया है।

दोपहर तीन बजे विधायक नवीन जायसवाल, सीपी सिंह समेत कई पूजा समितियों के प्रतिनिधि पहुंचे। जायसवाल ने पूजा समितियों के प्रतिनिधियों के साथ हाथ में हथौड़ा लेकर पंडाल निर्माण पुनः शुरू कराया। इस अवसर पर रांची जिला दुर्गा पूजा समिति के विक्की यादव, मुनचुन राय, कुणाल आजमानी, अशोक चौधरी, पवन सिंह, हरेंद्र सिंह के अलावा काफी संख्या में लोग मौजूद थे।



समिति के महासचिव कुणाल आजमानी ने बताया कि पंडाल निर्माण के लिए एचईसी से अनुमति लेकर 9 लाख रुपए किराया जमा किया गया है। 300 वाहनों के लिए रेलवे की जमीन पार्किंग के लिए ली गई है। पूजा आयोजन की एसएसपी से लेकर अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी जा चुकी है। बावजूद इसके निर्माण कार्य रोका जा रहा है। कोई भी अधिकारी लिखित में आदेश नहीं दे रहा है।

जिला प्रशासन के अनुसार दो दिन पहले ही समिति ने पूजा करने की सूचना दी है। लेकिन भीड़ को नियंत्रित करने आदि की व्यवस्था क्या होगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। धार्मिक आयोजन को रोका नहीं जा सकता, लेकिन व्यवस्थाओं की जानकारी दी जानी चाहिए।

रॉड से मारकर भाभी को उतारा मौत के घाट, कोर्ट ने देवरों को सुनाई उम्रकैद

धनबाद, एजेंसी। जमीन विवाद में रॉड से मार कर भाभी की हत्या करने के मामले में शुक्रवार को अदालत ने अपना फैसला सुनाया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुलदीप मान की अदालत ने सहायक लोक अभियोजक उमेश दीक्षित की दलील सुनने के बाद भूली बी ब्लॉक निवासी रंजीत कुमार पासवान, अजीत पासवान को उम्रकैद की सजा एवं दस हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया। पांच सितंबर को अदालत ने दोनों को दोषी करार दिया था और सजा की बिंदु पर सुनवाई के लिए 13 सितंबर की तारीख निर्धारित की थी।

प्राथमिकी मृतका पिंकी देवी के पति संजय पासवान की शिकायत पर बैंकमोड़ थाने में 30 अप्रैल 2022 को दर्ज की गई थी। प्राथमिकी के मुताबिक 30 अप्रैल 2022 के दोपहर 12 बजे आरोपी एकमत होकर पिंकी के घर में पिछले दरवाजे से घुस गए। संजय पासवान



एवं उसकी पत्नी पिंकी देवी के साथ गाली-गलौज एवं मारपीट करने लगे, जब बचाने उसकी पुत्री सोनम आई तो उससे भी मारपीट करने लगे। अजीत एवं रंजीत पासवान ने लोहे की रॉड से पिंकी के सिर पर मारकर उसे जख्मी कर दिया और उसे रेलवे लाइन के किनारे ले गए, धक्का देकर लाइन पर गिरा दिया।

सूचना पर पुलिस आई और पिंकी को पीएमसीएच ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अनुसंधान के बाद पुलिस ने 28 जुलाई 2023 को दोनों के विरुद्ध आरोप पत्र दायर किया था। पांच अक्तूबर 2023 को आरोप तय होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी। इस दौरान अभियोजन ने आठ गवाहों का परीक्षण कराया था।

किशोरी से दुष्कर्म में दोषी करार, सजा 17 सितंबर को

किशोरी से दुष्कर्म के मामले में शुक्रवार को अदालत ने अपना फैसला सुनाया। पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने मामले के नामजद पुटकी निवासी सपन कालिंदी को दोषी करार दिया। सपन इस मामले में फरार चल रहा है, जिसकी अनुपस्थिति में ही अदालत ने अपना निर्णय सुनाया। अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 17 सितंबर की तारीख निर्धारित की है। प्राथमिकी पीड़िता की मां की शिकायत पर पुटकी थाना में दर्ज की गई थी।

विद्युत आपूर्ति के लिए एसबीआई ने की डीवीसी की बड़ी मदद, 10,050 करोड़ रुपये का ऋण किया मंजूर

रांची, एजेंसी। एसबीआई ने डीवीसी को विद्युत आपूर्ति के लिए बड़ी मदद की है. भारतीय स्टेट बैंक ने दामोदर वैली कॉरपोरेशन डीवीसी के लिए 10,050 करोड़ रुपये का मंजूर कर लिया ऋण. यह लोन अल्ट्रा सुपर थर्मल प्रोजक्ट के लिए स्वीकृत किया गया है. यह परियोजना भारत की बढ़ती उर्जा जरूरतों के अनुरूप 1600 मेगावाट बिजली क्षमता की वृद्धि का प्रयास है. लोन समझौते का आदान प्रदान एसबीआई की वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया है.



बता दें कि यह साल 2030 तक देश की बढ़ती उर्जा की मांग को पूरा करने की दिशा में सरकार की रणनीति का हिस्सा है. यह बिजली की बुनयादी ढांचों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है. उल्लेखनीय है कि डीवीसी के पास झारखंड के कोडरमा में एक मौजूदा 2म500 मेगावाट थर्मल पावर प्लांट है. जो कि बिजली आपूर्ति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है. इससे स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर बिजली की मांग पर्याप्त मात्रा में पूरी होती है.

ऋण समझौते का आदान-प्रदान एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया. जिसमें अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (कॉर्पोरेट बैंकिंग और सहायक) गुलशन मलिक, अमिताभ चटर्जी, उप प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक ग्राहक समूह) शामिल थे. वहीं, डीवीसी की तरफ से अरूप सरकार, जॉयदीप मुखर्जी, और दुर्गेश मैती, शामिल थे.

दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) भारत का एक सरकारी स्वामित्व वाला निगम है. जिसकी स्थापना 1948 में दामोदर नदी घाटी के विकास और प्रबंधन के लिए की गई थी, जो पश्चिम बंगाल और झारखंड के कुछ हिस्सों को कवर करती है. इसका गठन दामोदर नदी की जलविद्युत क्षमता का दोहन करने और क्षेत्र में सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण प्रदान करने के लिए किया गया था. यह घाटी में कई बांधों, जलाशयों और जलविद्युत संयंत्रों का संचालन करता है.

झारखंड की परंपरा और पहचान है करमा

रांची, एजेंसी। विश्व के विभिन्न जगहों पर उसकी भौगोलिक स्थिति के आधार और विज्ञान के अनुसार उसके विभिन्न रूप और सांस्कृतिक नियम देखे जाते हैं. हमारे झारखंड इलाके के भी लोग सहज और सरल भाव से नियम व अनुष्ठान करते हैं. अपने ऐश्वर्यपूर्ण सांस्कृतिक त्योहारों में विचित्र आकर्षणों के साथ लोग तन-मन-धन से लीन हो जाते हैं. ज्ञान-विज्ञान के साथ लेकर सही ढंग से यदि हम विश्लेषण करे तो झारखंड की संस्कृति के महत्व को समझ पायेंगे. विश्वव्यापी कल्याण की कामना करने वाली संस्कृति है झारखंड इलाके की. ऐसा ही पर्व है 'करमा पर्व' जो कि झारखंड का प्रमुख पर्व है.

करमा पर्व के आदि से अंत तक के नियम की ओर यदि हम गौर करें तो ये नियम सर्वशक्तिमान भगवान की ही याद दिलाते हैं. कर्म-ज्ञान को मानव-समाज में युग-युगांतर तक अटूट रखने का भी स्मरण यह पर्व करता है. इसके उदाहरण हमें लोकोक्तियों एवं पर्व के रीति-रिवाजों में मिलते हैं. इस पर्व में प्रतीक स्वरूप एक करमडाला होता है, जिस पर निर्धारित पर्व, तिथि के दिन उपासकों द्वारा उस 'डाला' पर पवित्रता के साथ नौ प्रकार के अनाजों के बीजों का मिट्टी-बालू देकर बो दिया जाता है. उन बीजों को सूर्य देव को अर्पित कर देने का नियम है. सूर्य के साथ पवन-



आकाश, पानी और मिट्टी पंचभूत के रूप में अर्पित करने का नियम प्रत्यक्ष रूप से प्रकृति रूपी ईश्वर की याद दिलाता है. इस प्रकृति-रूपी ईश्वर को जानने के लिए तस्वीर, प्रतिमा, नाम, मंदिर, मस्जिद एवं गिरिजाघरों की जरूरत नहीं पड़ती. इस सांस्कृतिक नियम के द्वारा यही समझा जाता है कि सीधा प्रकृति का जो रूप हमें देखने को मिलता है वहीं ईश्वर का सही रूप है. इस पर्व में उसी रूप में ईश्वर को मानने का नियम है. साथ ही साथ झारखंड इलाके का यह आदिपर्व है. यह महान सांस्कृतिक पर्व हम सबों को याद दिलाता है कि पूरा विश्व ईश्वर का रूप है. इस पर्व के नियमों की महानता यह है कि सारे विश्व के मानव को साथ बांध कर रखा जा सकता है.

इस पर्व को भाई-बहन का पर्व भी कहा जाता है. निष्काम कर्मों का ख्याल रखने हेतु भाई अपनी बहनों को इस पर्व में हर संभव सहयोग दिया करते हैं. तथा बहन भी निष्ठा भाव के साथ अपन भाइयों के लिए भक्ति भाव से मौलिक प्राकृतिक महाशक्ति से प्रार्थना करती है कि मेरा भाई संपूर्ण शक्तियों एवं गुणों से विभूषित होकर दीर्घायु बने तथा करम पर श्रद्धा रखकर समाज का उत्थान करें. समाज में सभी संबंधों से भाई-बहनों का संबंध मधुर होता है. इस संबंध में विकास एवं दुनिया में आखिरी काल तक इसको बरकरार रखने का इस पर्व के द्वारा हर साल संकल्प लिया जाता है.

इस पर्व के अवसर पर एक प्रचलित लोककथा सुनाई जाती है, जिसे करम-धरम की कहानी कही जाती है. इस कथन को गौर से विश्लेषण करने से एक उन्नत आध्यात्मिक तत्व निखरते हैं. करम और धरम दो भाई को स्वरूप अर्थात् कर्म और धर्म को ही जाना जाता है.

संक्षिप्त समाचार

किरीबुरू विश्वकर्मा पूजा में चाईना का मंदिर का दर्शन कराएगी

चाईबासा, एजेंसी। विश्वकर्मा पूजा के मद्देनजर ठेकेदार वेलफेयर एसोसिएशन, किरीबुरु-मेघाहातुबुरु की अहम बैठक सतीश पांडेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्षोउल्लास के साथ विश्वकर्मा पूजा मनाने का फैसला किया गया। इस बार चाईना का एक मंदिर का प्रारुप बनाया जायेगा। इसके लिये नयी कमिटी का गठन किया गया। नयी पूजा कमिटी के अध्यक्ष सुरेश टुट्टी, उपाध्यक्ष रत्नेश तिवारी एवं चन्द्रशेखर सिंह, सचिव शैलेन्द्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष बसंत सिंह, संरक्षक सह सलाहकार कमिटी में संत प्रसाद तिवारी, डी के सिंह, सतीश पाण्डेय, ब्रह्मदेव सिंह, बिकेश पांडेय, मुन्ना सिंह, रामाधार सिंह, राकेश पांडेय, पंकज सिंह, राजकपुर गुप्ता, अनिल सिंह, सुरेश रजक, बृजनाथ प्रसाद, सुजीत दास, अरविन्द सिंह, राजकपुर गुप्ता, बीरेन्द्र मिश्रा, दीपक सिन्हा, गोपाल मित्तल, इमिल तोपनो, अशोक मालुवा, फ्रेंक लाफरी, रंजन विश्वाल आदि शामिल किए गये।

फुसरो में ओवरलोड छाई ट्रांसपोर्ट से प्रदूषण

बोकारो, एजेंसी। पेटरवार अंचल के पिछरी गांव में पुराना पंचायत भवन के समीप गुरुवार की रात विस्थापित नेता सुरज महतो की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक की गई। डीवीसी बीटीपीएस से हाइवा से हो रही ओवरलोड छाई ढुलाई से होने वाली वायु प्रदूषण, सड़क दुर्घटनाओं एवं सड़कों की दुर्दशा पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की गई। विस्थापित नेता सुरज महतो तथा समाजसेवी आशीष पाल ने कहा कि ट्रांसपोर्ट कंपनी द्वारा मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन किया जा रहा है। निरंतर फुसरो-जैनामोड़ मुख्य मार्ग से होकर ये हाइवा गुजरते हैं। इस बीच कई गांव पड़ते हैं। इन हाइवा की गति भी तेज रहती है। इन हाइवा की वजह से अबतक कई की मौत व अनगिनत लोग घायल हो चुके हैं। इन हाइवा के चालक भी अनुभवी नहीं होते। ऐसे में इनके चालकों का लाइसेंस, वाहन फिटनेस, इंश्योरेंस, माइनिंग चालान व रूट परमिट सहित अन्य संबंधित जांच की जाय। सड़क की मरम्मत की जाय। छाई प्रदूषण से प्रभावितों के स्वास्थ्य जांच की जाय। मामले में डीसी से मिलकर ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। बंटी मिश्रा, श्याम मिश्रा, विनय पाल, प्रमोद साव, संजय मिश्रा, पिंटू ठाकुर, कुलदीप ठाकुर, शिव प्रसाद, संजय मल्लाह, अर्जुन सिंह, मुकेश सिंह, जग्गू मल्लाह, पंकज मिश्रा आदि थे।

आदिवासियों-मूलवासियों के दिलों में बसा है करमा का त्योहार

खूंटी, एजेंसी। झारखंड के जनजातीय समाज खासकर छोटानागपुर के आदिवासियों के प्रमुख त्योहारों में करमा उनमें से एक है। इस पर्व की विशेषता है कि करमा का त्योहार गैर आदिवासियों में भी उसी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है, जितना आदिवासी समाज। भले ही दोनों की पूजा विधियों और परंपरा में अंतर है, पर सभी जगह करम पेड़ की डाली को गाड़कर उसकी विधि विधान से पूजा की जाती है। कहीं-कहीं करम पेड़ की ही पूजा करने की परंपरा है। गैर आदिवासियों के घरों में पंडित-पुरोहित पूजा कराते हैं, जबकि आदिवासी समाज में पाहन पूजा कराता है और करम-धरम की कहानी सुनाता है। आदिवासी समाज में अखड़ा में सामूहिक रूप से करम पूजा की जाती है, जबकि सदानों के घरों के आंगन में करम की डाली को गाड़कर पूजा करने की परंपरा है, लेकिन सदानों के घरों में भी पाहन ही करम की डाली गाड़ता और पहली पूजा वहीं करता है। उसके बाद ही पंडित पुजारी पूजा कराते हैं। दोनों ही समाज में करमा का त्योहार भद्रपद(भादो) महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को ही मनाई जाती है। इस बार 14 सितंबर शनिवार को पूरे झारखंड में यह त्योहार मनाया जाएगा। जिस प्रकार जनजातीय समाज के मुंडा, उरांव, हो, संताल सहित अन्य समुदायों में करमा मनाया जाता है, उसी प्रकार हिंदू समाज के ब्राह्मण, राजपूत, तेली, कुर्मी, कोइरी, हरिजन, कुम्हार, बनिया सहित सभी जातियों में यह पर्व श्रद्धाभाव से मनाया जाता है। अखिल भारतीय सरना समाज के नेता और जनजातीय समाज के रीति-रिवाजों को नदजीक से जानने वालें भीम मुंडा बताते हैं कि करमा का त्योहार बहनें अपने भाइयों की सुख-समृद्धि और लंबी आयु के लिए करती हैं। साथ ही धान रोपनी के बाद इस पर्व को मनाने का कारण है अच्छी फसल के लिए ईश्वर की आराधना। भीम मुंडा ने कहा कि यह त्योहार भाई-बहन के पवित्र संबंध और अटूट प्रेम को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि करमा पर्व को आदिवासी संस्कृति का प्रतीक माना जाता है।

देवघर में चेन छिनतई की घटना बढ़ी: तीन दिन में हुई तीन वारदात, छात्र से छिने मोबाइल फोन और चांदी का ब्रेसलेट

देवघर, एजेंसी। देवघर शहर में चेन छिनतई की घटना में काफी इजाफा हुआ है। आए दिन शहर के गली मोहल्ले में घटना सुनने को मिलता है। बीते तीन दिन में चेन छिनतई की तीन घटना हो चुकी है। घटना के बाद पुलिस को सूचना भी दी जाती है, लेकिन पुलिस न चीजें बरामद कर पा रही हैं और न ही घटना पर लगाम लगा पा रही है। ऐसे में पुलिस के खिलाफ स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

मॉर्निंग वॉक के दौरान हुई दो घटना : जानकारी के मुताबिक दो दिन पहले करणीबाद अंबे गार्डन के समीप एक महिला मॉर्निंग वॉक करने आई थी। बदमाशों ने गले से चेन छीन कर ले भागा। वहीं बरमसिया में मॉर्निंग वॉक करती महिला के साथ ऐसी ही घटना को अंजाम दिया गया।

छात्र से छिने मोबाइल फोन और चांदी का ब्रेसलेट : नगर थाना क्षेत्र के आंबेडकर पुस्तकालय के पास शुक्रवार की शाम एक छात्र से बदमाशों ने मोबाइल फोन व चांदी का ब्रेसलेट छीनकर भागने की कोशिश



की। छात्र ने शोर मचाया, जिससे स्थानीय लोग एकत्रित होकर बदमाश को पकड़ लिया। बदमाश के पास से छात्र का मोबाइल फोन और चांदी का ब्रेसलेट बरामद हुआ।

बदमाश अपना नाम शिव कुमार एवं घर सालोना टाढ बताया है। नगर थाने की पुलिस के पहुंचने पर लोगों ने अपराधी को सौंप दिया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। छिनतई के शिकार बेलाबगान निवासी छात्र लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पकड़ा गया बदमाश बरमसिया का रहने वाला बताया जा रहा है।

रांची में 8 जगहों पर 35 रुपये किलो प्याज, ऑफर सीमित है जल्द करें खरीदारी

रांची, एजेंसी। प्याज के दाम को नियंत्रित रखने के लिए केंद्र सरकार हरसंभव कोशिश कर रही है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बढ़ते हुए मूल्य पर नियंत्रण के लिए बफर स्टाक के प्याज को सस्ते दरों पर प्याज बेचने का निर्देश दिया है। इस क्रम में रांची सहित आधा दर्जन बड़े शहरों में 35 रूपये प्रतिकिलो प्याज की बिक्री शुरू की गई है।

झारखंड की राजधानी रांची में नेफेड और एनसीसीएफ की तरफ से आठ स्थल चिन्हित किए गए हैं। यहां मोबाइल वैन लगाकर रियाती दरों पर प्याज की बिक्री शुरू की गई है। आमलोगों के लिए कांके रोड (स्पीकर निवास के पास), पिस्का मोड़ , मोरहाबादी , चांदनी चौक कांके , लालपुर चौक , बिरला मैदान, बहु बजार और बरियातू में मोबाइल वैन के माध्यम से बिक्री की जारही है।



उपभोक्ता यहां से 35 रूपये प्रति किलो की दर से प्याज खरीद रहे हैं। जिससे उन्हें मंहगाई से राहत मिल रही है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि नेफेड और एनसीसीएफ के मोबाइल वैन के अलावे विभिन्न ई-कामर्स प्लेटफार्म, सफल आउलेट और केंद्रीय भंडार पर भी कम मूल्य पर प्याज खरीदा जा सकता है। देश में प्याज की कोई कमी नहीं है।

बफर स्टॉक के तहत 4.7 लाख टन प्याज की खरीद की गई थी । किसानों और व्यापारियों के पास भी पर्याप्त प्याज का भंडारण है। सरकार ने प्याज की कीमतों पर नजर रखने के लिए 550 केंद्रों पर निगरानी रखी है। रांची सहित अन्य जगहों पर केंद्र सरकार की इस पहल से लोग लाभान्वित होंगे।नेफेड और एनसीसीएफ की तरफ से कहा गया है कि सस्ते प्याज की खरीद में उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए हरसंभव कोशिश की जाए। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि रांची के अलावे दिल्ली-एनसीआर 50 और मुंबई 50, चेन्नई 19, गुवाहटी 11 और भुवनेश्वर में 10 जगहों पर मोबाइल वैन के माध्यम से रियाती मूल्य पर प्याज बेचे जा रहे हैं । अगले कुछ दिनों में देश के अन्य शहरों में भी शुरू की जाएगी । खाद्य मुद्रास्फीति और खुदरा मुद्रास्फीति को कम करने हरसंभव कोशिश की जा रही है। आम लोगों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी।

आटे की बढ़ती कीमत परेशानी का सबब, केंद्र सरकार ने फिर घटाया गेहूं की स्टॉक लिमिट

नई दिल्ली, एजेंसी। खुले बाजार में आटे की बढ़ती कीमत ने सरकार की नींद उड़ा दी है। इसलिए सरकार ने एक बार फिर से गेहूं के स्टॉक लिमिट में कमी की है। शुक्रवार को केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के विभाग ने गेहूं के स्टॉक लिमिट में समीक्षा की। अब कोई भी व्यापारी या होलसेलर 2,000 टन से ज्यादा गेहूं नहीं जमा कर सकेंगे। पहले यह सीमा 3,000 टन की थी।

इसी साल जून के चौथे सप्ताह के दौरान केंद्र सरकार ने गेहूं पर पहली बार स्टॉक लिमिट लगाई थी। इस कदम का मकसद गेहूं की जमाखोरी पर रोक लगाना था।



सरकार ने यह लिमिट खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, व्हीट प्रोसेसर्स और बड़ी चेन के खुदरा विक्रेताओं के लिए गेहूं के भंडारण पर तय की थी।

अब क्या हो गई है लिमिट

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गेहूं और उसके प्रोडक्ट्स की कीमतों में स्थिरता लाने के लिए ऐसा किया गया है। साथ ही गेहूं की जमाखोरी को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि अब एकल थोक विक्रेता या ट्रेडर्स अधिकतम 2,000 टन गेहूं का ही भंडारण कर सकते हैं। पहले यह लिमिट 3,000 टन की थी। खुदरा विक्रेता पहले की तरह 10 टन तक गेहूं अपने गोदाम में रख सकते हैं। बड़ी चेन के खुदरा विक्रेता अब हर आउटलेट पर 10 टन ही गेहूं रख सकेंगे। उनके डिपो में पहले 3,000 टन तक गेहूं रखने की छूट थी, जिसे अब घटा कर कुल आउटलेट के 10 गुने की सीमा तय कर दी गई है। गेहूं के प्रोसेसर्स अब मंथली इंस्टाल्ड कैपिसिटी के 60 फीसदी तक ही गेहूं रख सकेंगे। पहले यह सीमा 70 फीसदी की थी।

हर शुक्रवार को खुलासा करना होगा

केंद्र सरकार ने कहा है कि अब जो भी विक्रेता या प्रोसेसर गेहूं का स्टॉक रखेंगे, वे हर शुक्रवार को अपने पास भंडारित गेहूं के स्टॉक का खुलासा करेंगे। यह सूचना केंद्र सरकार के गेहूं स्टॉक लिमिट के लिए तैयार किए गए पोर्टल पर देनी होगी।

गेहूं के निर्यात पर है प्रतिबंध?

मंत्रालय के अधिकारी का कहना है कि फिलहाल गेहूं के निर्यात पर कोई प्रतिबंध नहीं है। सरकार चाहती है कि गेहूं की कीमतें स्थिर रहे। उल्लेखनीय है कि खुले बाजार में आटा, गेहूं सहित इससे तैयार होने वाले सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। इस समय कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है जबकि कुछ और राज्य में होने वाले हैं। ऐसे में सरकार जनता की नाराजगी मोल लेना नहीं चाहती है।

बड़ी फिल्मों से पीवीआर आईनॉक्सर को मिलेगा बूस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कुछ शेयरों की भारी डिमांड थी। ऐसा ही एक शेयर- पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड है। इस शेयर में शुक्रवार को 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी थी और भाव 1660 रुपये के पार पहुंच गया। वहीं, क्लोजिंग प्राइस 1654.20 रुपये थी। एक दिन पहले के मुकाबले क्लोजिंग में 3.74 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। बता दें कि शेयर के 52 हफ्ते का हाई 1,829 रुपये है। पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड के शेयर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। घरेलू ब्रोकरेज आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को उम्मीद है कि पीवीआर आईनॉक्स चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपना सबसे मजबूत तिमाही परफॉर्मेंस दिखाने वाली है। इसे देखते हुए ब्रोकरेज ने पीवीआर आईनॉक्स के शेयर को खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज ने शेयर के लिए 2,250 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है। कहने का मतलब है कि शेयर 52 वीक के हाई से भी आगे बढ़ सकता है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने कहा- हमारा मानना है कि एफवाय25 की तीसरी तिमाही में एक मजबूत कंटेंट लाइन-अप से कंपनी को लाभ होने की संभावना है। इस दौरान पुष्पा 2, भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन जैसी मल्टीस्टारर फिल्में रिलीज होंगी। वास्तव में, इस तिमाही में पांच मेगा बजट फिल्में (क्षेत्रीय + हिंदी) रिलीज होने वाली हैं। ये फिल्में दिवाली और क्रिसमस जैसे प्रमुख त्योहारों पर दर्शकों के लिए खास तोहफा होंगी।

टाइम ने भी माना अडानी ग्रुप का लोहा



नई दिल्ली, एजेंसी। हिंडनबर्ग विवाद के बीच वैश्विक स्तर पर अडानी ग्रुप का दबदबा बना हुआ है। दरअसल, टाइम मैगजीन ने अडानी समूह की कंपनियों को वर्ल्ड बेस्ट कंपनीज- 2024 की सूची में रखा है। अडानी ग्रुप ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह हमारे समूह के कर्मचारियों की संतुष्टि, रेवेन्यू ग्रोथ के अलावा स्थिरता को दिखाता है। बता दें कि तीन मोर्चे पर मूल्यांकन किया गया है। इसमें कर्मचारी संतुष्टि, राजस्व वृद्धि और स्टैबिलिटी है। समूह को ये गुड न्यूज ऐसे समय में मिली है जब अमेरिका के शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग की ओर से नए-नए दावे किए जा रहे हैं। टाइम की ओर से किए गए मूल्यांकन में अडानी ग्रुप की 11 सूचीबद्ध कंपनियों में से आठ पर विचार किया गया। अन्य तीन सूचीबद्ध कंपनियां इन आठ कंपनियों की सब्सिडयरी हैं। इस बीच, शुक्रवार को अडानी समूह के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई। समूह से कथित रूप से जुड़े एक व्यक्ति के कई स्विस खातों को जब्त किए जाने के दावे के बीच सात कंपनियों के शेयर शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई पर अडानी पावर के शेयरों में 2.73 प्रतिशत, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 2.42 प्रतिशत, अडानी पोर्ट्स में 1.37 प्रतिशत, अडानी ग्रीन एनर्जी में 1.17 प्रतिशत, अडानी एंटरप्राइजेज में 0.76 प्रतिशत, अडानी टोटल गैस में 0.55 प्रतिशत और अडानी विल्मर में 0.37 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, समूह की तीन कंपनियां बढ़त के साथ बंद हुईं। एसीसी के शेयरों में 1.94 प्रतिशत, एनडीटीवी में 1.01 प्रतिशत और अंबुजा सीमेंट्स में 0.01 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

एसबीआई अमृत कलश में निवेश करने का आखिरी मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्राहकों के बीच अपनी जमा पूंजी के सुरक्षित निवेश और गारंटीड इनकम के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट सबसे ज्यादा पॉपुलर ऑप्शन में से एक है। अगर आप भी निकट भविष्य में एफडी में पैसे जमा करके बंपर मुनाफे की प्लानिंग कर रहे हैं तो यह खबर आपके बड़े काम की है। दरअसल, देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर लैंडर स्टेट बैंक आफ इंडिया की पॉपुलर एफडी स्कीम अमृत कलश के आखिरी दिन चल रहे हैं। अमृत कलश 400 दिन की एक स्पेशल एफडी स्कीम में जिसके तहत ग्राहकों को अधिकतम 7.60 पर्सेंट तक ब्याज मिलता है। बता दें कि 30 सितंबर, 2024 को एसबीआई अमृत कलश एफडी स्कीम ग्राहकों के लिए बंद हो जाएगी। एसबीआई ने अमृत कलश स्कीम की पापुलैरिटी के लिए कई बार इसकी डेडलाइन को बढ़ाया है। बता दें कि एसबीआई ने पहली बार अमृत कलश एफडी स्कीम को 12 अप्रैल, 2023 को लॉन्च किया था। आइए जानते हैं एसबीआई अमृत कलश एफडी स्कीम के बारे में विस्तार से। बता दें कि इस स्कीम के लॉन्च होने के बाद एसबीआई ने कई बार इसकी डेडलाइन को बढ़ाया है। पहली बार एसबीआई ने 23 जून, 2023 को इसकी डेडलाइन को बढ़ाकर 31, दिसंबर 2023 कर दिया था। बाद में बैंक ने फिर इसे बढ़ाकर 31 मार्च, 2024 कर दिया था। एक बार फिर बैंक ने इस स्पेशल एफडी स्कीम की डेडलाइन को बढ़ाते हुए 30 सितंबर, 2024 तक कर दिया था।



एफडी में निवेश करने के लिए 10 शानदार ऑप्शन



नई दिल्ली, एजेंसी। फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करके बंपर मुनाफे की प्लानिंग कर रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। दरअसल, बीते कुछ सालों से देश के बड़े प्राइवेट सेक्टर लैंडर से लेकर सरकारी बैंकों तक फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करने वाले ग्राहकों को शानदार रिटर्न दे रहे हैं। हालांकि, एफडी पर बंपर रिटर्न देने के मामले में स्मॉल फाइनेंस बैंक भी किसी भी तरह से पीछे नहीं हैं। बता दें कि मौजूदा समय में कई स्मॉल फाइनेंस बैंक एफडी करने पर अपने ग्राहकों को अधिकतम 9.60 पर्सेंट तक का ब्याज ऑफर कर रहे हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही 10 स्मॉल फाइनेंस बैंकों के बारे में जो एफडी करने पर अपने ग्राहकों को सबसे ज्यादा ब्याज ऑफर कर रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 5 साल की एफडी पर 9.10 पर्सेंट जबकि अपने सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 9.60 पर्सेंट का ब्याज ऑफर कर रहा है। जबकि यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1001 दिन की अपनी पर 9 पर्सेंट और सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 9.50 पर्सेंट का ब्याज दे रहा है। इसके अलावा, फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1000 दिन की एफडी पर 8.51 पर्सेंट जबकि अपने सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 9.11 पर्सेंट का ब्याज ऑफर कर रहा है। वहीं, इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 888 दिन की एफडी पर 8.50 पर्सेंट जबकि अपने सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 9 पर्सेंट का ब्याज ऑफर।

100 रुपये किलो मिलेगी प्याज! सरकार के इस कदम से आम इंसान पर पड़ सकती है महंगाई की मार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्याज की कीमत 100 रुपये प्रति किलो के पार पहुंच सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि सरकार ने प्याज से मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस की सीमा को हटा दिया है। इसका मतलब हुआ कि किसान अब ज्यादा मात्रा में अच्छी कीमत पर प्याज विदेश भेज सकेंगे। हालांकि इस कदम से किसानों को फायदा होगा लेकिन घरेलू बाजार में प्याज की कीमत बढ़ सकती है। इसका कारण है कि घरेलू बाजार में प्याज की आवक कम रहेगी। वहीं नई प्याज आने में भी अभी काफी समय है। ऐसे में बढ़ती कीमत के कारण आम इंसान को फिर से महंगाई की मार पड़ेगी। खुदरा बाजार में अभी भी प्याज की कीमत 60 से 80 रुपये प्रति किलो के बीच है।

क्या लिया सरकार ने निर्णय?

सरकार ने शुक्रवार को प्याज से मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस की सीमा को हटा दिया है। अभी तक प्याज पर एमईपी550 डॉलर प्रति टन तय किया गया था। लेकिन विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक नोटिफिकेशन जारी कर इसे तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक हटा दिया है। कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल का कहना है कि इस कदम से निर्यात प्रोत्साहन और किसानों की आमदनी में मदद मिलेगी।



प्याज की कीमत अभी भी लोगों को रुला रही है। खुदरा बाजार में प्याज 60 से 80 रुपये प्रति किलो मिल रही है। पिछले करीब 15-20 दिनों में प्याज की कीमत में तेजी आई है। व्यापारियों का कहना है कि प्याज की कीमत में तेजी सप्लाई चेन में बाधा और मांग में वृद्धि के चलते आई है। वहीं बारिश के कारण भी प्याज की कीमत में तेजी आई है। दरअसल, बारिश के कारण ट्रकों की आवाजाही पर असर पड़ा है। मंडियों में प्याज के ट्रक समय से पहुंच नहीं पा रहे हैं। इससे मंडियों में इसकी आवक कम है।

एक्सपोर्ट बढ़ जाएगा

प्याज से एमईपी की बंदिशें हटाने के बाद किसान ज्यादा मात्रा में अच्छी क्वॉलिटी वाली प्याज विदेश में बेचेंगे। इससे उन्हें प्याज की अच्छी कीमत मिलेगी। प्याज का खुलकर एक्सपोर्ट करने के बाद देश में प्याज की कमी हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो मंडियों में प्याज की कमी हो जाएगी। साथ ही अच्छी क्वॉलिटी वाली प्याज भी शायद ही मिले। इससे प्याज की कीमत में तेजी आएगी। अभी प्याज की नई फसल आने में करीब दो महीने का समय लगेगा। ऐसे में मंडियों में नई प्याज अभी नहीं आएगी। जो स्टॉक है, किसान उसी प्याज का एक्सपोर्ट करेंगे। साथ ही खुदरा बाजार में भी वहीं प्याज मिलेगी। नई प्याज न आने से भी प्याज की आवक कम होगी। ऐसे में मंडियों से प्याज की कमी हो सकती है। प्याज की कमी होने और मांग बढ़ने पर इसकी कीमत में इजाफा देखा जा सकता है।

टेलीकॉम कंपनियां फिर महंगा कर सकती है अपना रिचार्ज प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। निजी टेलीकॉम कंपनियों ने दो माह पहले अपने सभी रिचार्ज प्लान महंगे कर दिए है। कंपनियों के महंगे प्लान की वजह से मोबाइल यूजर्स की जेब पर पहले के मुकाबले 25 फीसदी तक बोझ बढ़ गया है। अब आने वाले दिनों में टेलीकॉम कंपनियां फिर से यूजर्स को एक बड़ा झटका दे सकती है। ट्राई की नई पॉलिसी की वजह से ये कंपनियां एक बार फिर से अपने रिचार्ज प्लान महंगे कर सकती है।

दरअसल, दूरसंचार नियामक ने दूरसंचार विभाग से फर्जी कॉल और मैसेज को लेकर नई पॉलिसी लाने के लिए कहा है। ये नई पॉलिसी 1 अक्टूबर 2024 से लागू हो जाएगा। इसके अंतर्गत जो टेलीकॉम कंपनियां इस नई पॉलिसी का पालन नहीं करेगी। उस पर भारी जुर्माना का प्रावधान किया गया है। वहीं ट्राई ने उन टेलीकॉम कंपनियों से भारी जुर्माना वसूलने का निर्देश दिया है, जो फर्जी कॉल्स और मैसेज रोकने में नाकाम रहेंगी। नियामक ने दूरसंचार विभाग से जुर्माना वसूलने के लिए टेलीकॉम कंपनियों की बैंक गारंटी जब्त करने तक का सुझाव दिया गया है।



इसलिए आम यूजर्स पर बढ़ेगा बोझ

नई पॉलिसी के तहत टेलीकॉम विभाग कंपनियों के लाइसेंस रद्द करने के बजाय भारी जुर्माना वसूलने वाली बात पर सहमत हो सकता है। ऐसी स्थिति में कंपनियों पर अतिरिक्ति बोझ बढ़ जाएगा। जो कंपनियां यूजर्स से वसूल कर सकती हैं। ये कंपनियां पहले ही अपने घाटे को कम करने के लिए एवरेज रेवेन्यू प्रति यूजर को बढ़ा रही हैं, इसकी वजह से हाल ही में रिचार्ज प्लान महंगे किए गए हैं। अब तक आमतौर पर यह देखा गया है कि सभी टेलीकॉम कंपनियां अपने घाटे को कम करने या फिर नई टेक्नोलॉजी में निवेश के चलते आम यूजर्स पर बोझ बढ़ा देती है। ऐसे में अगर कंपनियों को जुर्माना देना पड़ा तो एवरेज रेवेन्यू प्रति यूजर होगा। वहीं मोबाइल के रिचार्ज प्लान महंगे हो सकते है।

टीसीएस के 30,000 कर्मचारियों को इनकम टैक्स नोटिस, कंपनी ने टैक्स भुगतान रोकने की दी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के लगभग 30,000 कर्मचारियों को इनकम टैक्स विभाग से नोटिस मिला है, जिसमें 50 हजार से 1.45 लाख रुपए तक की टैक्स मांग की गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, टीसीएस ने अपने कर्मचारियों से फिलहाल टैक्स भुगतान न करने के लिए कहा है। कंपनी का कहना है कि जब तक इनकम टैक्स विभाग से स्पष्ट जानकारी नहीं मिल जाती, तब तक कर्मचारियों को टैक्स डिमांड की राशि जमा नहीं करनी चाहिए। टीसीएस के एचआर विभाग द्वारा भेजे गए इंटरनल ईमेल के अनुसार, ये नोटिस वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में की गई टीडीएस कटौती से संबंधित हैं। कंपनी ने कहा है कि वह पहले इस विवाद की पूरी जानकारी प्राप्त कर इसका समाधान करेगी।

ऐपल स्मार्टफोन जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका में होता है सबसे ज्यादा यूज

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ऐपल के प्रॉडक्ट्स खासकर आईफोन का क्रेज पूरी दुनिया में बढ़ता जा रहा है। दुनिया के कई देशों में सबसे ज्यादा इसी कंपनी के फोन यूज किए जाते हैं। भारत में भी यह चलन तेजी से बढ़ रहा है। कंपनी ने दिल्ली और मुंबई में अपने स्टोर भी खोले हैं। लेकिन भारत में अभी केवल पांच फीसदी लोग ही ऐपल का यूज करते हैं जबकि कई देशों में आधी से अधिक आबादी के पास आईफोन है। यहां हम उन देशों के बारे बता रहे है जहां आईफोन का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है।

ऐपल भले ही अमेरिका की कंपनी है लेकिन वहां 51 फीसदी लोग ही आईफोन का इस्तेमाल करते हैं। अमेरिका में 27 फीसदी लोग सैमसंग के फोन इस्तेमाल करते हैं जबकि 22 प्रतिशत के साथ दूसरे ब्रांड्स के फोन हैं। आईफोन का सबसे ज्यादा इस्तेमाल करने के मामले में जापान पहले नंबर पर है। इस देश में 59 प्रतिशत लोगों के पास आईफोन है। जापान में नौ फीसदी लोग दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग के फोन यूज करते हैं जबकि 32 फीसदी आबादी के पास दूसरी कंपनियों के फोन हैं। इसी तरह कनाडा में 56 प्रतिशत और ऑस्ट्रेलिय में 53 फीसदी लोग आईफोन का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इन देशों की आबादी अमेरिका से बहुत कम है।



भारत का हाल

भारत में केवल 5 प्रतिशत लोग आईफोन यज करते हैं जबकि 19 फीसदी के पास सैमसंग के फोन हैं। देश में 76 फीसदी लोग श्याओमी, वीवो और ओप्पो जैसी चीनी कंपनियों के फोन यूज करते हैं। दिलचस्प बात है कि चीन में भी 76 प्रतिशत लोग श्याओमी, वीवो और ओप्पो के फोन यूज करते हैं। यूके में ऐपल आईफोन यूज करने वाले लोगों की आबादी 48 प्रतिशत, चीन में 21 प्रतिशत, जर्मनी में 34 प्रतिशत, फ्रांस में 35 प्रतिशत, साउथ कोरिया में 18 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया ने 53 प्रतिशत, ब्राजील में 16 प्रतिशत, इटली में 30 प्रतिशत, रूस में 12 प्रतिशत, मेक्सिको में 20 प्रतिशत और स्पेन में 29 प्रतिशत लोगों के पास आईफोन है।

दिल्ली के चार बड़े इंडस्ट्रियल एरिया से सीधे प्रॉपर्टी टैक्स वसूलेगा विभाग, दलालों से बचने के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के चार बड़े इंडस्ट्रियल एरिया से प्रॉपर्टी टैक्स का कलेक्शन अब हेड क्वॉर्टर द्वारा किया जाएगा। अभी तक यह काम उस जोन के प्रॉपर्टी टैक्स विभाग द्वारा किया जा रहा था। प्रत्येक इंडस्ट्रियल एरिया की असोसिएशन के साथ मिलकर कारोबारियों की समस्याओं को दूर करने के लिए सप्ताह में एक दिन कैंप भी लगाए जा रहे हैं। प्रॉपर्टी टैक्स विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पायलट प्रोजेक्ट के तहत जिन चार इंडस्ट्रियल एरिया को जोन से हटाकर हेड क्वॉर्टर ने अपने अंडर लिया है उनमें नरेला, बवाना, ओखला और नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया शामिल है।

दलालों का बोलबाला

चारों एरिया में फैक्ट्रियों की संख्या 20 से 25 हजार के करीब बताई जा रही है। अधिकारियों का यह भी कहना है कि फैक्ट्री मालिकों से लगातार शिकायतें मिल रही थी कि जोनल स्तर पर प्रॉपर्टी टैक्स विभाग में बड़े पैमाने पर दलाल एक्टिव हैं। इनकी वजह से फैक्ट्री मालिक सीनियर अधिकारियों से मिल ही नहीं पाते। जोनों में दलालों को इतना बोलबाल है कि उनकी मर्जी के बगैर कोई काम नहीं हो पाता।



विभाग को हो रहा नुकसान

अधिकारियों का कहना है कि दलालों की वजह से प्रॉपर्टी टैक्स विभाग को बड़े पैमाने पर रेवेन्यू लॉस हो रहा है। जो कारोबारी ईमानदारी से अपना प्रॉपर्टी टैक्स भरना चाहते है उन्हें दलालों की वजह से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सूत्रों का कहना है कि चारों इंडस्ट्रियल एरिया को हेड क्वॉर्टर से हटाने के लिए सीनियर अधिकारियों पर कई जगहों से दबाव भी डलवाया गया, लेकिन टॉप अधिकारियों के गंभीर रुख के चलते उनकी एक नहीं चली।

प्रॉपर्टी टैक्स विभाग का कहना है कि कारोबारियों की समस्याओं को दूर करने के लिए इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी असोसिएशन के संपर्क में है। असोसिशन के साथ मिलकर प्रत्येक इंडस्ट्रियल एरिया में सप्ताह में एक दिन स्पेशल शिविर लगाया जा रहा है। शिविर में कारोबारियों की समस्याओं को दूर किया जाएगा।

भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराया

हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: 2024



नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। हालांकि जहां पेरिस ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट भारत ने अपने चारों मैच जीते हैं तो वहीं पाकिस्तान ने दो मैच ड्रॉ किए और दो जीते हैं।

इस तरह से दोनों ही टीमें अपराजेय हैं लेकिन फॉर्म के हिसाब से भारतीय टीम बीस है। एक खास बात यह भी है कि पाकिस्तान की हॉकी टीम पिछले 8 साल से भारत के खिलाफ जीत का इंतजार कर रही है। आखिरी बार पाकिस्तान ने 2016 में साउथ एशियन गेम्स में भारत को 1-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद से पाकिस्तान एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाया है।

2013 से अब तक भारत और पाकिस्तान 25 बार विभिन्न टूर्नामेंटों में भिड़ चुके हैं। इनमें से 16 बार भारत ने जीत दर्ज की है, जबकि पाकिस्तान ने 5 मैच जीते हैं और 4 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। दोनों टीमों की हाल की भिड़ंत एशियन गेम्स में हुई थी, जहां भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था, जो पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी हार थी। हालांकि पाकिस्तान ने हाल ही में सुल्तान अजलान शाह कप में दूसरा स्थान हासिल किया था, लेकिन उनकी टीम अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है। पाकिस्तान पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया और 2023 के वर्ल्ड कप में भी जगह नहीं बना सका था। एशियन गेम्स में भी उन्हें भारत से 10-2 से करारी हार झेलनी पड़ी थी।

इसके बावजूद, पाकिस्तान की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में अब तक की यात्रा मजबूत रही है और वे उम्मीद कर रहे हैं कि हॉकी में भारत को फिर से टक्कर दे सकें। भारत और पाकिस्तान के बीच हॉकी में अब तक के हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें क्रिकेट जैसी कहानी नजर आती है। जहां पाकिस्तान 2000 तक मजबूत टीम थी और लेकिन बाद में भारत ने बाजी मारी है।

साल 2000 तक पाकिस्तान ने 93 में से 47 मैच जीते थे, जबकि भारत ने 29 मैचों में जीत हासिल की थी। कुल मिलाकर अब तक दोनों टीमों के बीच 180 मैच हो चुके हैं, जिनमें भारत ने 66 और पाकिस्तान ने 82 मैच जीते हैं। पिछले 30 सालों में भारत ने 37 मैच जीते हैं, जबकि पाकिस्तान ने 35 मैचों में जीत दर्ज की है। 15 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान क्रिकेट फिर शर्मसार!

मलिक पर फिक्सिंग के गंभीर आरोप

19 साल पुराना है मामला



नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट एक बार फिर शर्मसार हो गया है क्योंकि दिग्गज खिलाड़ी बासित अली ने शोएब मलिक पर मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोप लगाए हैं. सालों पहले मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद आमिर और सलमान बट पर लगे फिक्सिंग के आरोपों की याद अब एक बार फिर ताजा हो गई है. दरअसल बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर शोएब पर आरोप लगाए हैं कि उन्होंने जानबूझकर अपनी टीम को हराया था.दरअसल बासित अली ने साल 2005 में हुई नेशनल टी20 कप के मुद्दे को एक बार फिर उछाल दिया है. पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी ने उस टूर्नामेंट में हुए सियालकोट स्टालियंस बनाम कराची जेब्राज मैच को याद किया, जिसमें स्टालियंस को आखिरी 4 ओवर में महज 25 रन बनाने थे. स्टालियंस के कप्तान शोएब मलिक अर्धशतक लगाकर क्रीज पर डटे हुए थे और उनकी टीम जीत की दहलीज पर खड़ी थी. मलिक 53 गेंद में 88 रन बनाकर नाबाद लौटे थे, फिर भी उनकी टीम 4 रन से मैच हार गई थी. इस कारण स्टालियंस और मलिक की पारी पर सवाल खड़े होने लगे थे.हालांकि शोएब मलिक ने मैच के बाद हुए एक इंटरव्यू में अपनी पारी का बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन लोगों के लिए उनकी बातों पर भरोसा करना बहुत मुश्किल काम प्रतीत हो रहा था. मलिक पर बाद में जुर्माना भी ठोका गया.

ब्रुसेल्स डायमंड लीग फाइनल

भारतीय एथलीट साबले स्टीपलचेज में नौवें स्थान पर रहे, केन्या के अमोस विजयी



ब्रुसेल्स (बेल्जियम), एजेंसी। केन्या के अमोस सेरेम ने मोरक्को के पेरिस ओलंपिक चैंपियन सौफियान एल बक्काली को हराकर 8:06.90 सेकेंड का समय लेकर डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। ब्रुसेल्स में अपने डायमंड लीग फाइनल डेब्यू में भारतीय एथलीट अविनाश साबले ने शुक्रवार रात बाउडौइन स्टेडियम में 3000 मीटर स्टीपलचेज में नौवां स्थान प्राप्त किया। इसके लिए अविनाश ने 8:17.9 सेकेंड का समय लिया। वहीं, केन्या के अमोस सेरेम ने मोरक्को के पेरिस ओलंपिक चैंपियन सौफियान एल बक्काली को हराकर 8:06.90 सेकेंड का समय लेकर डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। दौड़ की शुरुआत में, राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले खिताब के लिए चुनौती देने की स्थिति में दिखाई नहीं दिए, क्योंकि वह दस धावकों के समूह में अंत में थे। वहीं, अमोस ने दौड़ के अंतिम 400 मीटर में अपनी बढ़त बनाए रखी और एल बक्काली को पीछे छोड़ दिया।

लगान के आमिर जैसे हैं रोहित!

बांग्लादेश टेस्ट से पहले सरफराज ने की हिटमैन की तारीफ



नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के 26 वर्षीय क्रिकेटर सरफराज खान ने 15 फरवरी 2024 को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच से अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद अब उनका नाम 19 सितंबर से शुरू हो रही भारत और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया है. इस टेस्ट से पहले सरफराज खान का एक इंटरव्यू वायरल हो रहा है. जिसमें वे टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते नजर आ रहे हैं. इसके साथ ही वे रोहित की तुलना फिल्म लगान के आमिर खान से कर रहे हैं.

सरफराज खान ने की रोहित की खूब तारीफ

जियो सिनेमा से बात करते हुए सरफराज खान ने कहा, रोहित बहुत अलग हैं. वह हमेशा आपको सहज महसूस कराते हैं और सभी खिलाड़ियों को बराबर सम्मान देते हैं. वह किसी को जूनियर या सीनियर के तौर पर नहीं देखते, बल्कि सभी के साथ समान व्यवहार करते हैं. उनके नेतृत्व में खेलना शानदार अनुभव है.

सरफराज ने आगे कहा, लगान मेरी पसंदीदा फिल्म है और जिस तरह आमिर खान ने उस फिल्म में अपनी टीम बनाई थी, उसी तरह रोहित शर्मा हमारी टीम को एकजुट रखते हैं. वह हमारी टीम के आमिर खान हैं.

सरफराज खान का अपनी पहली टेस्ट सीरीज में प्रदर्शन

सरफराज खान ने अपनी डेब्यू टेस्ट सीरीज में तीन मैच खेले. इन तीन मैचों में उन्होंने पांच पारियां खेलीं. इन पांच पारियों में सरफराज ने 50 की औसत से 200 रन बनाए. इसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं. टेस्ट में उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 68 रन है.

टेस्ट कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा का रिकॉर्ड

रोहित शर्मा ने 2022 में विराट कोहली से कप्तानी संभाली और तब से अब तक 16 टेस्ट मैचों में भारतीय टीम का नेतृत्व किया है. उनके नेतृत्व में भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट में एक नई ऊर्जा और आत्मविश्वास मिला है. बतौर टेस्ट कप्तान इन 16 टेस्ट मैचों में भारतीय टीम ने 10 मैच जीते और चार हारे. दो मैचों में कोई नतीजा नहीं निकला.

केसीएल

विष्णु विनोद ने 17 छक्के उड़ाए, 32 गेंद में ठोका शतक



नईदिल्ली, एजेंसी। विष्णु विनोद ने केसीएल में शानदार शतक लगाकर त्रिशूर टाइटंस को 8 विकेट से जीत हासिल करवा दी। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज ने सिर्फ 45 गेंदों पर 139 रन बनाए। इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 300 से भी ऊपर की रही। उन्होंने 31 गेंदों पर शतक लगाया और इसी दौरान 32 गेंदों में शतक पूरा किया। बीते दिनों दिल्ली प्रीमियर लीग के दौरान आयुष बदोनी ने भी तेजतर्रार बल्लेबाजी से सबको हैरान कर दिया था। आयुष ने 55 गेंदों पर 19 छक्कों की मदद से 165 रन बनाए जिससे टीम स्कोर 308 तक पहुंच गया था। बहरहाल, रिपल्स ने त्रिशूर के सामने 182 का टारगेट रखा था। विष्णु ने शुरूआत से ही आक्रमक खेल दिखाया और विकेट के चारों ओर बड़े शॉट लगाए। यह विष्णु ही थे कि त्रिशूर टीम ने 13 ओवर के अंदर ही टारगेट हासिल कर लिया। विष्णु के सलामी जोड़ीदार अहमद इमरान ने 18 गेंदों में 24 रन बनाए। वहीं, रिपल्स के कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 58 गेंदों में 90 रन बनाकर अपनी टीम को 181 तक पहुंचाया था। केसीएल के आठवें मैच में जीत हासिल कर त्रिशूर टाइटंस अंक तालिका में आगे आ गई है।

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड टी-20

सलामी बल्लेबाज का अनोखा कारनामा, गेंद से रचा इतिहास, टी-20 में ऐसा करने वाला बना पहला खिलाड़ी



पहले टी-20 में जीत दर्ज करने के बाद ऑस्ट्रेलिया दूसरे टी-20 में अपने शानदार प्रदर्शन को बरकरार नहीं रख सकी। कार्डिफ में खेले गए इस रोमांचक मुकाबलें में ऑस्ट्रेलिया को मेजबान इंग्लैंड ने 3 विकेट से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क के अर्धशतक और जोश इंग्लिश के 42 रनों की पारी की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 193 रनों का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में इंग्लैंड ने लियाम लिविंगस्टोन की तूफानी पारी की मदद से 19 ओवर में 7 विकेट खोकर 194 रनों का टारगेट हासिल कर लिया। लियाम ने 47 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 87 रनों की पारी खेली। इस तरह इंग्लैंड की टीम सीरीज में दमदार वापसी करने में सफल रही।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया भले ही हार गई लेकिन उससे सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट ने गेंदबाजी में नया कीर्तिमान रच दिया। दरअसल, मैथ्यू शॉर्ट ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी करने आए और उन्होंने 22 रन देकर इंग्लैंड की आधी टीम को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। इसके साथ ही इस ओपनर ने बतौर गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट इतिहास में पहली बार बड़ा कमाल कर दिया।

मैथ्यू शॉर्ट का अनोखा कारनामा

शॉर्ट ऑस्ट्रेलिया की ओर से 7वें गेंदबाज के रुप में बॉलिंग करने आए और महज 22 रन देकर 5 विकेट अपने नाम कर लिए। शॉर्ट ने इंग्लैंड के ओपनर फिलिप सॉल्ट, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बैथल, सैम करन और ब्रायडन कार्से को अपना शिकार बनाया और इस तरह वह मेन्स क्रिकेट के इतिहास में 7वें गेंदबाज के तौर पर 5 विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बन गए।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 में 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया, जिसमें शॉर्ट आखिरी गेंदबाज के रुप में गेंदबाजी करने आए और इंग्लैंड की आधी टीम को अकेले आउट करने का बड़ा कारनामा कर दिखाया। यही नहीं, मैथ्यू शॉर्ट मेन्स टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 5 विकेट लेने वाले फुल मेंबर नेशन के पहले सलामी बल्लेबाज बन गए हैं। दिलचस्प बात ये रही कि शॉर्ट ने सिर्फ 3 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ 22 रन देकर 5 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया।

विनेश फोगाट ने झूठ बोला! पेरिस ओलंपिक और पीटी ऊषा को लेकर हरीश साल्वे के दावे ने मचाई सनसनी

नईदिल्ली, एजेंसी। विनेश फोगाट ने हाल ही में दावा किया था कि पेरिस ओलंपिक में डिस्क्वालिफाई होने के बाद भारत सरकार ने जान-बुझकर उनकी कोई मदद नहीं की थी. साथ ही ये भी आरोप लगाया था कि इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पीटी ऊषा उनके साथ सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए पहुंची थीं. उनके इस दावे को अब भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरिश साल्वे ने गलत बताया है. कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में विनेश का केस लड़ने वाले साल्वे ने हाल ही एक इंटरव्यू में दावा किया है कि इस मामले में भारत सरकार का किसी तरह का रोल नहीं था. क्योंकि ढ्ढह्व को सरकार से स्वतंत्र रहकर काम करना होता है. सरकार के दखल देते ही एसोसिएशन को बाहर कर दिया जाता है.

पेरिस में फाइनल मुकाबले से डिस्क्वालिफाई होने के बाद विनेश फोगाट के मामले आईओए ने सीएएस में चैलेंज किया था. सीएएस ने इंटरनेशनल



ओलंपिक कमेटी के फैसले को सही ठहराते हुए विनेश के खिलाफ फैसला दिया था. अब हरीश साल्वे ने दावा किया है कि आईओए इस फैसले को स्विस कोर्ट में चैलेंज करना चाहता था. लेकिन खुद विनेश ने इससे इनकार कर दिया. साल्वे के इस दावे के बाद सनसनी मच गई है. विनेश पर झूठ बोलने का आरोप लग रहा है.

विनेश ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 50 किलोग्राम कैटेगरी में पहले ही राउंड में जापान की वर्ल्ड नंबर-1 युई सुसाकी को हराकर तहलका मचा दिया था. इसके बाद उन्होंने अपना क्वार्टर फाइनल मैच भी आसानी से जीता और क्यूबा की गुजमैन लोपेज को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी. वह ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला पहलवान बन गई थी. लेकिन फाइनल से पहले तय सीमा से उनका वजन 100 ग्राम ज्यादा पाया गया, जिसके बाद उन्हें फाइनल से बाहर कर दिया गय था.

महावीर फोगाट ने जताई नाराजगी

विनेश फोगाट के बचपन के गुरु और उनके चाचा महावीर फोगाट ने उनके चुनाव लड़ने पर नाराजगी जताई है. मीडिया से बात करते हुए ने उन्होंने कहा कि विनेश को 2028 के ओलंपिक के बाद चुनाव लड़ना चाहिए था. फिलहाल उन्हें ओलंपिक में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने पर फोकस करना चाहिए था. विनेश के चुनाव लड़ने के फैसले से फैंस को काफी दुख पहुंचा है.हरियाणा में 5 अक्टूबर से विधानसभा के चुनाव होने हैं. इस बीच हाल ही में विनेश फोगाट ने कांग्रेस पार्टी को जॉइन किया था. कांग्रेस ने उन्हें जुलाना विधानसभा से टिकट दिया है. विनेश ने चुनावी मौसम के बीच आईओए की अध्यक्ष पीटी ऊषा और भारत सरकार पर मदद नहीं करने का आरोप लगाकर निशाना साधा था, जिसके बाद हंगामा मच गया. उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया कि पेरिस में बीमार पड़ने के बाद पीटी ऊषा उनसे मिलने पहुंची. इसके बाद बिना पूछे फोटो क्लिक करवाई और सोशल मीडिया पर डाल दी.



दुबई कॉन्सर्ट में 21 सितंबर को परफॉर्म करेंगे मोहित चौहान

प्ले बैक सिंगर मोहित चौहान, डूबा डूबा, नादान परिंदे, तुम से ही और अन्य जैसे प्रतिष्ठित ट्रैक के लिए जाने जाते हैं। वे अब दुबई में द एजेंडा इन मीडिया सिटी में परफार्मेंस के लिए तैयार हैं। वह 21 सितंबर को रोड टू हेडलाइंस फेस्टिवल के एक भाग के रूप में मंच संभालेंगे। वह अपनी प्रभावशाली उपस्थिति और अनूठी आवाज के साथ अपने कुछ सबसे प्रतिष्ठित बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। इनमें पी लूं, कुन फया कुन, मटरगश्ती, मसकली, तुम से ही और कई अन्य धुनें शामिल हैं।
कार्यक्रम के लिए उत्साहित मोहित चौहान ने कहा, इतने लंबे समय के बाद दुबई में फिर से प्रदर्शन करना रोमांचकारी है। मैं वास्तव में दुबई के दर्शकों की जीवंतता का आनंद लेता हूं, और उनका गर्मजोशी भरा स्वागत हमेशा मेरे प्रदर्शन को और भी खास बना देता है। उन्होंने कहा, मैं दुबई में अपने प्रशंसकों से इतना प्यार और सराहना पाने के लिए भाग्यशाली रहा हूं और मैं इसके लिए उनका आभारी हूं। मैं मौज-मस्ती से भरी एक रात लाने का वादा करता हूं, इसमें हम एक साथ संगीतमय यात्रा का आनंद लेते हुए अद्भुत यादें बनाएंगे।
बूंदें गायक विश्व भर में काफी चर्चा में रहे। उनका एआर रहमान, इम्तियाज अली और अन्य श्रेष्ठ कलाकारों जैसे उद्योग के दिग्गजों के साथ सहयोग का एक उल्लेखनीय इतिहास रहा है। वह अपने दमदार परफॉर्मेंस देने के लिए जाने जाते हैं। कॉन्सर्ट के टिकट प्लैटिनमलिस्ट.नेट पर उपलब्ध हैं। प्रदर्शन का आयोजन वीटीआर हॉस्पिटैलिटी एंड इवेंट्स द्वारा किया गया है और शोऑफ़ एंटरटेनमेंट का सहयोग है। इस बीच, गायक को हाल ही में दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा-स्टारर स्ट्रीमिंग बायोपिक अमर सिंह चमकीला में एक कैमियो परफॉर्मेंस में भी देखा गया था। ऑस्कर और ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार ए. आर. रहमान और प्रीतम के साथ उनका सहयोग बहुत हिट रहा है। वह इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म रॉकस्टार में रणबीर कपूर के किरदार जॉर्डन की आवाज थे।



रोमांस-हॉरर-थ्रिलर फिल्मों से तहलका मचाएंगी तृप्ति, भूल भुलैया 3-धड़क 2 में होगा जबर्दस्त रोल

फिल्म एनिमल से तृप्ति डिमरी को इतनी ख्याती मिली है कि उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई है। फिल्म एनिमल में भाभी 2 के नाम से प्रसिद्ध हुईं तृप्ति की इस साल कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो रोमांस, थ्रिलर, सस्पेंस और हॉरर से भरपूर होंगी। इन सभी फिल्मों में तृप्ति अलग-अलग किरदार में नजर आएंगी।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो

सबसे पहले बात करते हैं तृप्ति डिमरी की आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की। बीते दिन इस फिल्म का अतरंगी ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसमें राजकुमार राव के साथ तृप्ति डिमरी की जोड़ी ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। वहीं फिल्म में मल्लिका शेरावत की एंट्री भी लोगों को बेहद सरप्राइजिंग लगी। यह फिल्म 11 अक्तूबर को सिनेमाघरों मे रिलीज के

भूल भुलैया 3

अब बात करते हैं तृप्ति की हॉरर-कॉमेडी से भरपूर आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 की। इस फिल्म में तृप्ति अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ कॉमेडी के साथ हॉरर का तड़का लगाती नजर आएंगी। इस फिल्म में कार्तिक और तृप्ति के अलावा विद्या बालन और माधुरी दीक्षित के अलावा भी कई कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म इस साल के आखिर में रिलीज होगी।

धड़क 2

धड़क 2 में तृप्ति अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी संग नजर आएंगी। इसकी आधिकारिक घोषणा हो चुकी है। इस फिल्म की घोषणा निर्देशक करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर इस साल 27 मई को की थी। इस फिल्म की घोषणा के साथ करण ने लिखा था, यह कहानी है थोड़ी अलग क्यूंकि एक था राजा, एक थी रानी - जात अलग थी...ख़त्म कहानी।
एनिमल फिल्म से भाभी 2 के नाम से प्रसिद्ध हुईं तृप्ति डिमरी अब एक बार फिर से फिल्म एनिमल में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एनिमल 2 में एक बार फिर से तृप्ति भाभी 2 बनकर लौटेंगी। हालांकि, फिल्म की अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन इतना जरूर है कि एनिमल फिल्म के आखिर को देखकर यही कयास लगाए जा रहे हैं कि एनिमल 2 जरूर आएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, परियेरम पेरूमल की हिंदी रीमेक में तृप्ति नजर आ सकती है। इस फिल्म की अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन सूत्रों के अनुसार इस फिल्म में भी तृप्ति के होने की पूरी उम्मीद है।



अभिनय की दुनिया में वापसी करने के लिए तैयार इमरान खान

अभिनेता इमरान खान ने लंबे समय अभिनय की दुनिया से दूरी बना रखी है। हालांकि, वे कई बार प्रशंसकों से बातचीत कर चुके हैं। कई इवेंट्स और साक्षात्कार के बाद प्रशंसकों ने अभिनेता ने फिर से अभिनय करियर की शुरुआत करने की गुजारिश की। आखिरकार अब ऐसा लगता है कि इमरान अब दोबारा अभिनय करियर की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और उन्होंने एक स्क्रिप्ट पर फैसला ले लिया है। खबर है कि अभिनेता आखिरकार नौ साल के अंतराल के अब बाद फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। हालांकि, अभिनेता अगस्त 2023 से इस बारे में संकेत दे रहे हैं। वहीं अब इमरान ने ब्रेक के बाद फिर अभिनय करने का फैसला कर लिया है।

दानिश असलम करेंगे फिल्म का निर्देशन

रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता अपने चाचा आमिर खान के बैनर आमिर खान प्रोडक्शंस के तहत बने एक फिल्म से बॉलीवुड में वापसी करेंगे। आमिर खान की फिल्म से इमरान खान की स्क्रीन पर वापसी होगी। दानिश असलम नेटफ्लिक्स के लिए एक अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी का निर्देशन करेंगे। चर्चा है कि इमरान इस फिल्म में अलग अंदाज में नजर आएंगे।



कमिटमेंट को लेकर सुष्मिता सेन का क्रिप्टिक पोस्ट

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन अक्सर किसी न किसी बात को लेकर चर्चा में रहती हैं। वे मुंबई में कई जगहों पर स्पॉट भी होती रहती हैं। इस दौरान पैपराजी से बातचीत में वह कहती हैं मुस्कुरा नहीं सकती। उनकी आवाज भी लड़खड़ा रही है। संभवत दांत दर्द के बाद उन्हें लोकल एनेस्थीसिया की भारी खुराक दी गई थी। अब अभिनेत्री ने एक क्रिप्टिक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने कमिटमेंट को लेकर बात की है। सुष्मिता सेन ने अपनी पोस्ट में लिखा है,हमारी दिलचस्पी और प्रतिबद्धता के बीच बहुत अंतर होता है। जब आप किसी चीज में दिलचस्पी रखते हैं, हम अपनी सुविधा के हिसाब से काम करते हैं। वहीं, जब हम किसी चीज को लेकर प्रतिबद्ध यानी उसके प्रति कमिटिड होते हैं तो हम कोई बहाने नहीं कर सकते हैं। हमें सिर्फ परिणाम दिखता है। दरअसल, पोस्ट में सुष्मिता ने केनेथ एच. ब्लांचर्ड का कोट साझा किया है।

सपने को लेकर कही ऐसी बात

इस पोस्ट को शेयर करते हुए सुष्मिता सेन ने लिखा है, सपने दिलचस्प होते हैं, उन्हें साकार करने के लिए प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है!!! तो सवाल यह है कि क्या हम जीवन में केवल दिलचस्पी रखते हैं या इसके लिए प्रतिबद्ध हैं? लव यू

फैंस ने किया ऐसा कमेंट

एक फैन ने सुष्मिता के पोस्ट पर कमेंट किया कि बहुत बढ़िया और प्रेरणादायक बात कही है! शुक्रिया सुष्मिता। एक अन्य यूजर ने लिखा, माफ करें, लेकिन कभी-कभी हम चाहे कितने भी नतीजे दिखाना चाहें, कुछ ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं जो हमें ऐसा करने की अनुमति नहीं देती...। इसके अलावा एक यूजर ने सुष्मिता की पोस्ट को नकारते हुए लिखा पूरी तरह से सहमत नहीं हो सकता। असली मजबूत प्रतिबद्धता सिर्फ मूल दिलचस्पी से ही आती है।

अक्षरा संग ब्रेकअप पर खुल कर बोले तनुज विरवानी

तनुज विरवानी बॉलीवुड इंडस्ट्री के सक्रिय अभिनेता और मॉडल हैं। उन्हें साल 2017 में रिलीज हुई वेब सीरीज इनसाइड एज में वायु राघवन की भूमिका के लिए जाना जाता है।इसके अलावा वह ऑल्ट बालाजी के कोड एम में जेनिफर विंगेट के साथ भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने इससे पहले सनी लियोन के साथ रोमांचक थ्रिलर वन नाइट स्टैंड में भी काम किया था। अभिनय के अलावा वह अभिनेत्री अक्षरा हासन के साथ अपने प्रेम संबंधों को लेकर भी चर्चा में रहे थे। हालांकि, बाद में दोनों ने अपनी राहें अलग कर ली थीं। हाल में ही अभिनेता ने अक्षरा के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की है।

अक्षरा हासन के साथ रहा था चार साल लंबा प्रेम संबंध

अक्षरा हासन साउथ फिल्मों के मशहूर अभिनेता कमल हासन की बेटी हैं। तनुज विरवानी और अक्षरा हासन लगभग चार साल तक रिलेशनशिप में रहे थे। हालांकि, बाद में उनका यह रिश्ता टूट गया और आखिरकार दोनों अलग हो गए। अक्षरा की कुछ निजी तस्वीरें ऑनलाइन लीक हो गई थीं, जिसके बाद उनका ब्रेकअप हो गया। इस वजह से दोनों काफी समय से एक दूसरे से किसी तरह के संपर्क में नहीं हैं। हाल में ही तनुज ने इस पर खुलकर बात की है। वह सिद्धार्थ कनन के साथ इंटरव्यू में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा,कभी-कभी जब आप अपने साथी के लिए सम्मान खो देते हैं, और जब आपको चाहिए, तो आप उनके लिए स्टैंड नहीं लेते हैं, तो मैं माफ कर सकता हूं, लेकिन भूल नहीं सकता। अभिनेता ने इस इंटरव्यू के दौरान कहा कि वह अपने सभी पूर्व प्रेमिकाओं के साथ दोस्ती वाला बॉन्ड साझा करते हैं। इस दौरान उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह सिर्फ अक्षरा के अलावा सभी के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी कई पूर्व प्रेमिकाओं के साथ दोस्त बना हुआ हूं और दोस्ती से बढ़कर, हम सभी एक-दूसरे के लिए परस्पर सम्मान रखते हैं। अभिनेता ने अक्षरा से संपर्क टूटने की वजह बताते हुए कहा कि जब उनके लिए कोई स्टैंड ना ले, तो वह माफ कर सकते हैं, लेकिन भूल नहीं सकते। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में दोनों को दोस्ती रखने की भी जरुरत नहीं है, दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में खुश हैं।



युविका ने अपने पति प्रिंस के करियर के लिए छोड़ दिया अपना काम

अभिनेत्री युविका चौधरी जल्द ही मां बनने वाली हैं। उनकी उम्र 41 साल है पिछले दिनों उनके पति प्रिंस नरुला ने बताया था कि युविका जल्द एक व्लॉग के जरिए आईवीएफ ट्रीटमेंट पर बात करेंगी। बता दें कि युविका आईवीएफ से ही मां बनने जा रही हैं। अपने व्लॉग में युविका ने आईवीएफ चुनने का कारण साझा करते हुए बताया कि शादी के वक्त उनके पति का करियर पीक पर था इसलिए उन्हें आगे बढ़ने में मदद करने के लिए उन्होंने काम बंद करने का फैसला ले लिया आगे चलकर बच्चे पैदा करने में कोई परेशानी ना हो, इसके लिए उन्होंने अपने एग्स फ्रीज करा लिए थे, उन्होंने कहा कि ये बिल्कुल भी आसान नहीं रहा था। युविका ने बताया कि वो अपने पति को करियर में अच्छा करते हुए देखकर काफी खुश हैं, मालूम हो कि दोनों ने 2018 में शादी की थी।





सिद्धार्थ-कियारा की शादी के सीन को रिक्रिएट करने पर बोले विहान समत

अभिनेता विहान समत हाल ही में अपने कुछ किरदारों को लेकर चर्चा में रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अनन्या पांडे के साथ कॉल मी बे सीरीज में अगस्त्य चौधरी का रोल निभाया है। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी के ओरिजनल सीन को रिक्रिएट किया गया है। फिल्म का ये सीन सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस सीन को लेकर अब विहान समत ने भी बात की है।

शादी के सीन को रिक्रिएट करने की थी इच्छा

विहान ने कहा कि निर्देशक कॉलिन डी कुन्हा ने सीरीज के शूट के दौरान उनसे बात की और कहा कि वो इस सीन को रिक्रिएट करना चाहते हैं। उन्होंने मुझसे सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी का ओरिजिनल सीन को फिल्माने और सीरीज में शामिल करने की इच्छा जाहिर की थी। विहान ने कहा, मुझे लगता है वो पूरा सेटअप वैसा ही था, जैसा कि ऑरिजनल था।

अपने फोन पर दिखाया था सीन

इंटरव्यू के दौरान विहान ने कहा कि हम जिस दिन सिड और कियारा की शादी का सीन रिक्रिएट कर रहे थे उस दिन निर्देशक मेरे पास आए और उनकी शादी के सीन को अपने फोन पर मुझे दिखाया और बोले ये करो और मैं कहा ठीक है। अनन्या के साथ काम करना है आसान विहान समत ने कहा, मैंने अनन्या के साथ सीटीआरएल की शूटिंग की थी और फिर हम कॉल मी बे में भी साथ में जुड़े, लेकिन कॉल मी बे बिल्कुल अलग गेम था। इसलिए, हमें रीसेट करना पड़ा। अनन्या पेशेवर कलाकार हैं और उनके साथ काम करना काफी आसान है।

सीटीआरएल में नजर आएंगे विहान समत

विहान समत जल्द ही विक्रमादित्य मोटवानी की साइबर थ्रिलर सीटीआरएल में नजर आने वाले हैं। निर्देशक को लेकर विहान समत ने कहा, एक बार जब वह आपको चुन लेते हैं, तो वह आप पर पूरा भरोसा जताते हैं। वह आपको नोट्स देते हैं, लेकिन वह आपको अपने हिसाब से चलने पर भी बंदिशे नहीं लगाते। वह आपको बहुत ज्यादा तकनीकी नोट्स से परेशान नहीं करते। इसके साथ ही वह कम बोलने वाले व्यक्ति भी है, इसलिए शुरू में मैं उन्हें सुनने के लिए कान खड़ा रखता था, लेकिन वह आपको काफी सहज कर देते हैं।

अब छोटे परदे पर लौटने की नहीं है कोई इच्छा

अभिनेता राम कपूर जल्द ही युद्धा फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें गजराज राव, मालविका मोहनन, राघव जुयाल और राज अर्जुन ने भी अभिनय किया है। राम कपूर की बात करें तो उन्होंने टीवी शो बड़े अच्छे लगते हैं से दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाई है। वो टीवी से ब्रेक ले चुके हैं और एक हालिया साक्षात्कार में उन्होंने टीवी पर वापसी को लेकर अपनी बात साझा की है। राम कपूर का कहना है कि वो फिलहाल टीवी पर वापसी करना नहीं चाहते और उनकी ऐसी कोई इच्छा भी नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर आप छोटे परदे पर बढ़िया काम करना चाहते हैं और उसके लिए एक सफल शो चाहते हैं तो फिर तीन-चार साल तक एक ही रोल को करना पड़ता है इसलिए टीवी की दुनिया में लौटना मुश्किल है। राम ने कहा कि उन्हें फिल्म और ओटीटी पर अच्छे अभिनेता के तौर पर स्वीकार्यता मिल गई है।

